रांची,धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, सोमवार 20 मई 2024 ● बैशाख शुक्ल पक्ष 13 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 41 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	42.6	30.4
जमशेदपुर	37.6	27.2
डालटनगंज	43.0	27.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * *

झारखंड : दूसरे चरण में 58 लाख वोटर करेंगे 54 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

चतरा, हजारीबाग व कोडरमा में वोट आज

शुभम किशोर। रांची

सोमवार को देश में पांचवे चरण और झारखंड में दूसरे चरण के चुनाव का वोट होना है. चतरा, हजारीबाग और कोडरमा लोस सीटों के लिए वोट होगा. इन तीनों सीटों के लिए 6705 बूथ बनाए गए हैं. जिनमें से 575 शहरी तथा 6130 ग्रामीण क्षेत्रों में हैं. सभी बूथ को मॉडल बूथ की तरह बनाया गया है. इनमें 36 बूथ को यूनिक बूथ बनाया गया है. जहा जिला प्रशासन अपने क्षेत्र के थीम पर कलाकारी बनाएंगे. इसमें से 73 पॉलिन स्टेशन महिला के द्वारा संचालित रहेगी. साथ ही 13 पोलिंग बूथ पर पीडब्ल्यूडी कर्मी रहेंगे.

सभी मतदान केंद्रों से वेब कास्टिंग के जरिए चुनाव आयोग के द्वारा मतदान पर नजर रखी जाएगी. इसके लिए 6705 4डी कैमरे लगाए गए हैं. आयोग की तरफ से सभी बूथों पर सुरक्षा बल, मतदान कर्मी और चुनाव संबंधित सामग्री भेजी जा चुकी हैं. चतरा, हजारीबाग और कोडरमा सीटों में राज्य के 7 जिले और 16 विधानसभा क्षेत्र आते हैं. इन तीन सीटों से 54 प्रत्याशी मैदान में है.

चतरा से 22, हजारीबाग से 17 और कोडरमा से 15 प्रत्याशी हैं. चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक दूसरे चरण में झारखंड के 58 लाख 23 हजार 721 मतदाता भागीदारी निभाएंगे. जिसमें 29 लाख 93 हजार 581 पुरुष और 28 लाख 30 हजार 085 महिला मतदाता हैं. सबसे अधिक मतदाता कोडरमा में 22 लाख 05 हजार 358 है. वहीं चतरा में 16 लाख 89 हजार 926 और हजारीबाग में 19 लाख 39 हजार 374 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे.

कहां कितने उम्मीदवार

सीट	उम्मीदवार
चतरा	22
कोडरमा	15
हजारीबाग	17
कुल	54

सभी तैयारियां पूरी, 4डी कैमरों से रखी जाएगी हर बूथ पर नजर

अन्नपूर्णा देवी, केएन त्रिपाठी, विनोद कुमार सिंह, मनीष जायसवाल और जेपी पटेल की प्रतिष्ठा दांव पर

कुल सीट 3

कुल मतदाता - 58,23,721

पुरुष मतदाता	महिला मतदाता
29,93,581	28,30,085

फर्स्ट टाइम वोटर - 2,24,666

100+ वोटर	844
पोलिंग स्टेशन	6705
बैलेट यूनिट	9945
कंट्रोल यूनिट	8046
वीवी पैट	8717
वेबकास्टिंग	6705

किस लोकसभा में कितने बूथ

चतरा क्षेत्र में 1899 मतदान केंद्र बनाए गए हैं. जिसमे 112 शहरी, 1787 ग्रामीण क्षेत्र में है. कोडरमा लोकसभा क्षेत्र में 2552 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें 136 शहरी क्षेत्र में हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्र में 2416 मतदान केंद्र हैं. हजारीबाग में 2254 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें शहरी क्षेत्र में मात्र 327 मतदान केंद्र हैं और ग्रामीण क्षेत्र में 1927 मतदान केंद्र है.

100+ वोटर की संख्या 844 : इन तीन लोकसभा में 100 से अधिक उम्र वाले 844 मतदाता है. इनमे 351 पुरुष और 493 महिला मतदाता हैं. जिसमे चतरा में 195, कोडरमा में 219 और हजारीबाग में 430 मतदान 100 उम्र से अधिक वाले है.

8717 वीवी पैट मशीन : इन तीन लोकसभा में चुनाव कराने के लिए 8717 वीवी पैट मशीन का इस्तेमाल किया जाएगा. जिसमे 30 % रिजर्व में रखा गया है. वहीं 9945 बैलेट यूनिट, 8046 कंट्रोल यूनिट का इस्तेमाल किया जाएगा. जिसमे 20 प्रतिशत रिजर्व में रखा गया है.

पांचवां चरण

49 सीटों पर आज मतदान

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के लिए सोमवार को मतदान होगा. पांचवें चरण में छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की 49 लोकसभा सीट पर मतदान होना है. इस चरण में दो हाई प्रोफाइल सीट रायबरेली और अमेठी में भी मतदान होगा, जहां से क्रमशः कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी मैदान में हैं.

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में 22 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं. इस सीट से पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला भी चुनाव लड़ रहे हैं और उन्होंने चुनाव प्रचार के आखिरी दिन मध्य कश्मीर के सोइबग गांव में रोड शो किया. सोमवार को महाराष्ट्र की 13, उत्तर प्रदेश की 14, पश्चिम बंगाल की सात, बिहार की पांच, झारखंड की तीन, ओडिशा की पांच और जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख की एक-एक सीट पर मतदान होगा. ओडिशा की 35 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है.

इन दिग्गजों की किस्मत का फैसला

इस चरण के प्रमुख उम्मीदवारों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, जम्मू- कश्मीर के पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला, लोजपा (रामविलास) के चिराग पासवान, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, साध्वी निरंजन ज्योति, कौशल किशोर, डॉ. प्रवीण भारती पवार, शान्तनु ठाकुर, कपिल पाटिल, राजीव प्रताप रूड़ी और रोहिणी आचार्य शामिल हैं.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	69,900
चांदी (किलो)	93,000

ब्रीफ खबरें

रैली में भाषण नहीं दे सके अखिलेश-राहुल

प्रयागराज। फूलपुर सीट से सपा के प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित एक संयुक्त रैली में अव्यवस्था की वजह से अखिलेश यादव और राहुल गांधी बिना भाषण दिए ही स्थल से रवाना हो गए. पुलिस अधिकारी ने बताया कि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता अवरोधक तोड़कर धक्का मुक्की करते हुए मंच पर चढ़ गए, जिससे अव्यवस्था फैल गई और दोनों नेता बिना संबोधन के लौट गए.

केजरीवाल के घर से सीसीटीवी डीवीआर जब्त

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली पुलिस पर चुनाव से पहले पार्टी की छवि खराब करने के लिए कहानियां गढ़ने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि उसने स्वाति मालीवाल पर हमले की जांच के सिलसिले में सीएम अरविंद केजरीवाल के आवास के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर जब्त कर ली है. दिल्ली पुलिस की तरफ से इस पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई.

प्रधानमंत्री मोदी ने अब ममता बनर्जी को घेरा

पुरुलिया/बिष्णुपुर (बंगाल)। रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ के खिलाफ पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की टिप्पणियों की रविवार को निंदा करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस वोट बैंक के तुष्टीकरण के लिए इन सामाजिक-धार्मिक संगठनों को धमका रही है. हमारे साधु-संतों का अपमान ममता कर रही हैं.

जीडीपी वृद्धि दर 6.7% रहने का अनुमान

नयी दिल्ली। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च (इंडरा) को उम्मीद है कि मार्च तिमाही में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2023-24 में लगभग 6.9-7 प्रतिशत रह सकती है.

हेलीकॉप्टर हादसे में बाल बाल बचे ईरानी राष्ट्रपति

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी को ले जा रहा हेलीकॉप्टर रविवार को एक हादसे का शिकार हो गया. पूर्वी अजरबैजान में यह दुर्घटना घटी, जिसके बाद वहां रेस्क्यू टीम को भेजा गया. ईरान के राष्ट्रपति के काफिले में तीन हेलीकॉप्टर थे, जिनमें से दो पर मंत्री और अधिकारी सवार थे और वे सुरक्षित अपने गंतव्य पर सही सलामत पहुंच गए. रिपोर्ट के मुताबित राष्ट्रपति के साथ हेलीकॉप्टर में सैय्यद मोहम्मद-अली अल-हाशेम, तबरीज के जुमा व जमात और विदेश मंत्री होसैन भी थे.

मोदी के निशाने पर रहे कांग्रेस, झामुमो और राजद, कहा-

कांग्रेस के शहजादे बोल रहे नक्सलियों की भाषा

प्रमुख संवाददाता। रांची/घाटशिला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस, झामुमो और राजद पर जमकर निशाना साधा. कहा कि कांग्रेस, झामुमो वालों ने भ्रष्टाचार से नोटों के अंबार खड़े किए हैं. कांग्रेस के शहजादे नक्सलियों और माओवादियों की भाषा बोल रहे हैं. ये पार्टियां नक्सलियों एवं माओवादियों की तरह उद्योगपतियों से उगाही करती है. कांग्रेस की मानसिकता उद्योगपति और निवेश विरोधी है. जहां-जहां उनकी सरकारें हैं, उन मुख्यमंत्रियों से पूछता हूं कि उनके शहजादे उद्योगों और उद्योगपतियों का विरोध करते हैं. निवेश का विरोध करते हैं. आने वाले दिनों में कौन उद्योगपति उनके राज्य में जाकर पूंजी निवेश करेगा. उन राज्यों के नौजवानों का क्या होगा. महाराष्ट्र में जो लोग चुनाव लड़ने के लिए हमारे सामने हैं, क्या वे शहजादे की भाषा को मान्यता देते हैं. सारे निवेशक कह रहे हैं कि हम इन राज्यों में नहीं जाएंगे, क्योंकि वहां तो हमारी विरोधी विचारधारा के लोग हैं. निवेश विरोधी विचारधारा है.

उन्होंने कहा कि विरोधी दलों को इन सबसे कुछ मतलब नहीं है. इन्हें विकास का क, ख, ग, घ भी नहीं मालूम. इनका तरीका है झूठ बोलो, जोर से बोलो, बार-बार बोलो, इधर भी बोलो, उधर भी बोलो, खड़े-खड़े बोलो, नाच-नाचकर बोलो, झूठ ही बोलो. वे लोग गरीब की संपत्ति का एक्स-रे करेंगे. एसटी, एससी का आरक्षण छीनेंगे. मोदी को रोज-रोज गालियां देंगे. इससे आगे ये सोच ही नहीं सकते क्या?

खरसावां गोलीकांड को भी किया याद : खरसावां गोलीकांड का मुद्दा भी पीएम मोदी ने उठाया. कहा,इसे कौन भूल सकता है. लेकिन, लोगों को किसका इतिहास पढ़ाया गया? देश को सिर्फ एक परिवार का इतिहास पढ़ाया गया. पीएम ने कहा कि संविधान को खतरा इंडी गठबंधन से है. इंडी वाले संविधान बदलकर दलित, पिछड़ों और आदिवासियों का आरक्षण खत्म करना चाहते हैं. ये लोग पूरा का पूरा आरक्षण मुस्लिमों को देना चाहते हैं.

जिनका पैसा है उन्हें लौटा दूंगा : पीएम ने कहा कि आरजेडी वालों ने भी गरीब की जमीन छीन ली. बदले में नौकरी का वादा किया. झामुमो ने यही चरित्र कांग्रेस और आरजेडी से सीखा है. झामुमो ने झारखंड में जमीन घोटाला किया. इन लोगों ने हमारे गरीब आदिवासियों की जमीन छीनी. सेना की जमीन हड़पने की कोशिश की. इनके घरों से नोटों के पहाड़ बरामद हुए हैं, वह किसके पैसे है.

धालभूमगढ़ में एयरपोर्ट नहीं बनाने दे रही झारखंड की सरकार : प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ साल पहले तक रांची से जमशेदपुर पहुंचने में 6 घंटे लगते थे. हमारी सरकार ने इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम किया. धालभूमगढ़ में हम एयरपोर्ट भी बनाना चाहते हैं. लेकिन, ये सरकार इसमें भी रोड़े अटका रही है.

चुनाव देश को सशक्त बनाने के लिए : मोदी ने कहा कि चुनाव देश के भविष्य को सशक्त बनाने, वर्तमान पीढ़ी और आने वाली पीढ़ियों का भी उज्ज्वल भविष्य तय करने का चुनाव है. उन्होंने पूछा कि देश का भविष्य कैसे तय होगा? चुनाव में देश की अर्थव्यवस्था पर बात होनी चाहिए कि नहीं होनी चाहिए. चुनाव में उद्योगों, लघु उद्योगों की बात होनी चाहिए कि नहीं होनी चाहिए. राष्ट्रीय सुरक्षा, कृषि एवं वनोजपज की बात चुनाव में होनी चाहिए कि नहीं होनी चाहिए.

कांग्रेस और झामुमो को विकास का क, ख, ग, घ भी नहीं मालूम, भ्रष्टाचार की जननी है कांग्रेस

झारखंड का नाम सुनते ही सामने आता है नोटों का पहाड़

पीएम ने कहा कि झारखंड का नाम सुनते ही कौन सा दृश्य सामने आता है. नोटो के ढेर. नोटों का पहाड़ा सामने आता है. याद करो तो हर पल नोटों का ढेर दिखता है. इसलिए यहां के अफसर जेल में हैं, मुख्यमंत्री जेल में सड़ रहे हैं. सामान्य लोगों को गरीब रखकर अपने घरों में काली कमाई का अंबार लगा रखा है. कांग्रेस झामुमो ने हमारे झारखंड को हर मौके पर लूटा है. कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है. कांग्रेस ने पूंजी घोटाला किया. कोयला घोटला किया. कांग्रेस ने लूट के रिकॉर्ड बनाए.

केंद्र की मोदी सरकार ने वन कानूनों को किया लचर

भाजपा ने आदिवासियों के अधिकारों को कमजोर किया

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने भाजपा पर आदिवासी अधिकारों को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के वन संरक्षण संशोधन अधिनियम ने 2006 के ऐतिहासिक वन अधिकार अधिनियम के तहत हुई तमाम प्रगति को रोक दिया है. मोदी सरकार ने झारखंड के आदिवासियों के साथ धोखा किया है. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने जमशेदपुर में मोदी की रैली लेकर उनसे कई सवाल पूछे.

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, जमशेदपुर ही नहीं पूरे झारखंड के लोग अब भी खराब संपर्क सुविधा की समस्या से क्यों जूझ रहे हैं? ऐसा क्यों है कि 2ए (अंबानी और अडानी) और काले धन से भरे उनके टेम्पो खुलेआम घूम रहे हैं, लेकिन झारखंड के आदिवासी सीएम को जेल में डाल दिया गया? आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र को अब तक पर्यावरण मंजूरी क्यों नहीं मिली? प्रधानमंत्री ने आदिवासियों को उनकी धार्मिक पहचान से वंचित क्यों किया और सरना कोड को मान्यता देने से इनकार क्यों किया? उन्होंने जुमलों का विवरण शीर्षक के तहत अपने प्रश्नों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि एक औद्योगिक केंद्र होने के बावजूद झारखंड परिवहन संपर्क सुविधा की समस्या से जूझ रहा है.

नये हवाई अड्डा का सपना नहीं हुआ साकार : उन्होंने कहा कि शहर में 2016 तक एक हवाई अड्डा संचालित था लेकिन 2018 में उड़ान योजना में शामिल होने के बावजूद नए हवाई अड्डे की योजना साकार नहीं हुई. रमेश ने कहा कि दिसंबर 2022 तक धालभूमगढ़ हवाई अड्डे के निर्माण के लिए जनवरी 2019 में झारखंड सरकार और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए. उन्होंने कहा, इससे औद्योगिक क्षेत्र के टाटा जैसी प्रमुख कंपनियों समेत आदित्यपुर में एमएसएमई (सूक्ष्म , लघु और मध्यम उद्यम) को अच्छा बढ़ावा मिलता. जब दिसंबर 2022 की तय समय सीमा में काम नहीं हुआ तो भाजपा के अपने सांसद इस मुद्दे को संसद में उठाने के लिए मजबूर हुए. केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने 27 फरवरी 2023 को जवाब दिया और पुष्टि की कि परियोजना को बंद कर दिया गया है. अब मशक्कत के बाद पर्यावरण संबंधी इजाजत मिलती दिख रही है. उन्होंने सवाल किया कि केंद्र सरकार ने झारखंड में इतने जरूरी बुनियादी ढांचे की अनदेखी क्यों की.

नये वन अधिकार अधिनियम ने रोक दी प्रगति : उन्होंने कहा कि पिछले साल, मोदी सरकार ने वन संरक्षण संशोधन अधिनियम पारित किया जिसने 2006 के ऐतिहासिक वन अधिकार अधिनियम के तहत हुई तमाम प्रगति को रोक दिया और विशाल क्षेत्रों में वन मंजूरी के लिए स्थानीय समुदायों की सहमति एवं अन्य वैधानिक आवश्यकताओं के प्रावधानों क्या मोदी कभी जल-जंगल-जमीन के नारे पर दिखावा करना बंद करेंगे और आदिवासी कल्याण के लिए सही मायने में प्रतिबद्ध होंगे? उन्होंने कहा, क्या मोदी इस पर कुछ बोलेंगे कि ईडी और सीबीआई ने अभी तक उनके सबसे अच्छे मित्रों के टेम्पो की जांच क्यों नहीं की?

कांग्रेस महासचिव जयराम ने जमशेदपुर में मोदी की रैली को लेकर उनसे कई सवाल पूछे

- मोदी सरकार ने आदिवासियों के साथ धोखा किया
- अंबानी -अडानी के टेंपो खुलेआम घूम रहे, लेकिन आदिवासी सीएम को जेल में डाल दिया

सरना अनुयायियों को दुविधा में डाल दिया गया

रमेश ने कहा, लेकिन जनगणना के धर्म कॉलम से अन्य विकल्प को हटाने के हालिया निर्णय ने सरना अनुयायियों के लिए दुविधा पैदा दी है. उन्हें अब या तो विकल्पों में मौजूद धर्मों में से किसी एक को चुनना होगा या कॉलम को खाली छोड़ना होगा. उन्होंने कहा कि नवंबर 2020 में झारखंड विधानसभा ने विशिष्ट धार्मिक पहचान को मान्यता देने की मांग का समर्थन करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था. रमेश ने कहा, भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास के 2021 तक सरना कोड लागू करने के आश्वासन और 2019 में गृह मंत्री अमित शाह के ऐसे ही वादे के बावजूद मोदी सरकार में इस मामले में कोई खास प्रगति नहीं हुई है. आज जब प्रधानमंत्री मोदी झारखंड में थे तो क्या उन्होंने इस मुद्दे पर बात की और स्पष्ट किया कि सरना कोड लागू करने को लेकर उनका क्या रुख है? क्या रघुबर दास और अमित शाह के वादे महज जुमले थे?

खुशखबरी मॉनसून ने 72 घंटे पहले ही अंडमान सागर में दे दी दस्तक, आईएमडी ने दी जानकारी

इस साल हो सकती है सामान्य से अधिक बारिश

एजेंसी। नयी दिल्ली

उत्तरी मैदानी इलाकों में प्रचंड गर्मी के बीच दक्षिण पश्चिमी मॉनसून रविवार को अंडमान सागर और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक पहुंच गया. भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बताया है कि अमूमन यहां मॉनसून 22 मई को पहुंचता है, लेकिन इस बार तीन दिन पहले 19 मई को ही पहुंच गया है. मौसम विभाग ने बताया कि अगर इसी गति से मॉनसून चलता रहा तो केरल में भी मॉनसून तीन दिन पहले प्रवेश कर जाएगा. मौसम विभाग ने इस बार सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है.

मॉनूसन से पहले मौसम विभाग ने बताया है कि केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल और माहे में 19 और 20 मई को अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (204.5 मिलीमीटर से अधिक) होने की संभावना जताई है. इसके कारण रेड अलर्ट जारी किया है. दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 31 मई को केरल पहुंचने का अनुमान है. इसके साथ ही तमिलनाडु, पुडुचेरी एंव कराईकल में 18 और 22 मई को अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (115.5-204.5 मिलीमीटर) होने की संभावना है और 21 मई को अलग-अलग स्थानों पर अत्यंत भारी वर्षा (204.5 मिलीमीटर से अधिक) होने की संभावना है. इसके कारण यहां आरेंज अलर्ट जारी किया गया है. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक में 19-20 मई को भारी से बहुत भारी वर्षा (115.5-204.5 मिलीमीटर) होने की पूर्ण संभावना है.

मौसम विभाग ने बताया कि अगर इसी गति से मॉनसून चलता रहा तो केरल में भी मॉनसून तीन दिन पहले प्रवेश कर जाएगा.

झारखंड-बिहार में कब पहुंचता है मॉनसून

मौसम विभाग ने वह तारीख बताई है, जब मॉनसून विभिन्न राज्यों में पहुंचता है. मौसम विभाग के अनुसार, मॉनसून, यूपी में 20 जून को दस्तक देता है, जबकि कुछ हिस्सों में 25 जून तक मॉनसून आता है. झारखंड- बिहार में इसकी दस्तक जल्दी होती है और 15 जून तक यह पहुंच जाता है. वहीं, मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में मॉनसून 15 जून तो कुछ इलाकों में 20 जून तक पहुंचता है. राजस्थान की बात करें तो यहां मॉनसून के पहुंचने की तारीख 25 जून, 30 जून और पांच जुलाई है. महाराष्ट्र में 10 जून तक मॉनसून के पहुंचने की उम्मीद होती है. छत्तीसगढ़ में मॉनसून 15 जून तक पहुंचता है.

अखिलेश यादव के निशाने पर चुनाव आयोग

एक युवक ने डाले 8 वोट वीडियो भी किया वायरल

एजेंसी। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को एक ऐसा वीडियो डाला, जिससे लोकसभा चुनाव की निष्पक्षता और पारदर्शिता तार-तार होती दिखाई दे रही है. इस वीडियो में एक युवक बारी-बारी से अलग अलग नामों से बूथ पर जाता है और वोट डालता है. बाकायदा इसका वीडियो भी बना रहा है. वीडियो में दिख रहा है कि वह भाजपा को वोट डाल रहा है.

अखिलेश ने वीडियो पोस्ट कर लिखा कि अगर चुनाव आयोग को लगे कि ये गलत हुआ है, तो वो कुछ कार्रवाई जरूर करे, नहीं तो....(डाट डाटडाट). आगे अखिलेश ने भाजपा पर निशाना साधते हुए लिखा कि भाजपा की बूथ कमेटी दरअसल लूट कमेटी है. हालांकि यह नहीं लिखा हैकि यह वीडियो कहां का है. अखिलेश ने भले ही 17 सेकेंड का वीडियो पोस्ट किया है, लेकिन सोशल मीडिया पर पूरा वीडियो भी वायरल है. पूरा वीडियो 2 मिनट 19 सेकेंड का है.

इस वीडियो में दिखता है कि एक लड़का बारी-बारी से अलग अलग बूथों पर वोट डाल रहा है. वोट डालने के साथ ही वह अपने वोट डालने की संख्या भी बताता रहता है. न सिर्फ बूथ के अंदर डाले गए सभी वोट डालने की पूरी प्रक्रिया वह दिखा रहा है, बल्कि अंदर किसके नाम से वोट डालने जा रहा है, यह भी बताता रहता है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शाम से सप्तम चंद्रमा पर बुद्ध की पूर्ण दृष्टि है. किया गया परिश्रम सार्थक होगा. वही परीक्षा-प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करेंगे. परिवारिक जीवन सुखमय होगा. खर्चों की अधिकता रहेगी. किया गया कार्य लाभ देगा. गणेश चालीसा का पाठ करें.

वृषभ उदर विकार से बचना चाहिए. बहुत जरूरी है तो ही ऋण लें. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. काम-काज के लिए अच्छा रहेगा. परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा. मन में कुछ नकारात्मक विचार आ सकते हैं.

मिथुन माता के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है. घरेलू विवाद कोशिश करने से सुलझ सकता है. भाग्योदय विलंब से संभव है. पारिवारिक सुख अच्छा मिलेगा. मिथ्या आरोप लगने के कारण क्रोध बढ़ सकता है. अन्न जल दान करें.

कर्क समय सामान्य है. किसी महिला से विवाद हो सकता है. सोच विचार कर कार्य करें. काम काज सामान्य रहेगा. मन प्रसन्न रहेगा. नवीन मित्रता हो सकती है. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य में कमी देखने को मिल सकती है.

सिंह भाई के साथ कहीं यात्रा का योग है. परिवार के सदस्यों की तरफ से सुख और सहयोग मिलेगा. आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली बना रहेगा. शुभफलों की वृद्धि से मन खुश होगा. अपनों से विवाद से दूर रहें.

कन्या समय सामान्य है. रुखे व्यवहार से बनी बनाई बात बिगड़ सकती है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. काम काज सामान्य रहेगा. परीक्षा एवं प्रतियोगिता में आशाजनक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं. किसी से मन-मुटाव हो सकता है.

तुला काम काज सामान्य रहेगा. आज आपका मन किसी भी काम में पूरी तरह से नहीं लग पाएगा. आपके लिए निराशाजनक हालात पैदा हो सकते हैं.परिवार या मित्र से मतभेद हो उत्पन्न हो सकते है. विवाद से बचें.

वृश्चिक खर्च में वृद्धि का योग है. पर कामकाज में सफलता मिलेगी. दूसरों के साथ अच्छे संबंध बने रहेंगे. स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बन सकती हैं. वाहन के प्रति सावधानी रखने की आवश्यकता है. अन्न का दान करें

धनु पिता से लाभ का योग है. आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. आर्थिक स्थिति अच्छी होगी. वाहन चलाते समय सावधानी बरतें. खर्चे में बढ़ोत्तरी होगी. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. शिवलिंग पर दूध और जल अर्पण करें.

मकर सरकारी कार्य मे गति मिलेगा. कोई बड़ा बाधा दूर होगा. कामकाज में सफलता मिलेगी. शिक्षा-प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. परिवार के लोगों के साथ अच्छा तालमेल बना रहेगा. शिवलिंग पर दूध अर्पण करें.

कुंभ समय बहुत ही उत्तम है. जीवन साथी की भावनाओं की कद्र करें. शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी. स्वभाव में गंभीरता एवं एकाग्रता बनी रहेगी. परिवार की तरफ से मन प्रसन्न रहेगा. आलस का त्याग करें. काला वस्तु का दान करें.

मीन कोई मानसिक हानि हो सकता है. करीबियों की भावनाओं की कद्र करें. आपके मन में एक नया उत्साह और जोश दिखाई देगा. आपके कार्य और प्रभाव से कामकाज में लाभ होगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. पीली वस्तु का दान करें.

कोडरमा, हजारीबाग व चतरा के मुख्य उम्मीदवारों का अब तक का राजनीतिक सफर

मुख्य संवाददाता। रांची। लोकसभा चुनाव के पांचवे चरण में झारखंड की तीन लोकसभा सीटों पर सोमवार को मतदान होगा. इनमें कोडरमा, हजारीबाग व चतरा सीट शामिल हैं. तीन तीनों सामान्य सीटों पर सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान होगा. तीनों लोकसभा सीटों पर कुल 54 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं. इनमें दो महिलाओं के साथ 23 निर्दलीय उम्मीदवार भी शामिल हैं. इन चुनाव में कई उम्मीदवारों की प्रतिष्ठा दांव पर है.

जनता के लिए संघर्ष करने वाले नेता के रूप में विनोद सिंह की पहचान

बगोदर विधानसभा क्षेत्र का तीन बार प्रतिनिधित्व करने के बाद विधायक विनोद कुमार सिंह इस बार कोडरमा सीट से लोकसभा चुनाव में भाग्य आजमाने जा रहे हैं. इंडिया गठबंधन की ओर से भाकपा माले उम्मीदवार विनोद कुमार सिंह के पिता महेंद्र सिंह भी बगोदर विधानसभा क्षेत्र से तीन बार विधायक रह चुके थे. 2005 के विधानसभा चुनाव के पहले उनकी हत्या के बाद विनोद सिंह पहली बार भाकपा माले के टिकट से चुनाव लड़े और विजयी हुए. इसके बाद 2009 में दूसरी बार और फिर 2019 में तीसरी बार चुनाव जीते. विनोद सिंह की प्राथमिक शिक्षा अपने गांव खंभरा में हुई. धनबाद के चिरकुंडा से उन्होंने हाई स्कूल पास किया. इंटरमीडिएट पटना से व बीए, एमए की पढ़ाई बीएचयू से की. छात्र रहते हुए विनोद सिंह ने झारखंड आंदोलन में भाग लिया. पुलिस की लाठियां खायीं और हिरासत में भी रहे. विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान वह छात्र राजनीति व सांस्कृतिक आंदोलनों में काफी सक्रिय थे. झारखंड में विनोद सिंह की पहचान जनता के सवालों पर मुखर होकर सड़क से सदन तक बेबाक संघर्ष करनेवाले नेता की रही है.

बाबूलाल मरांडी को हराने के बाद पार्टी में बढ़ा अन्नपूर्णा देवी का कद

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी लगातार दूसरी बार भाजपा के टिकट पर कोडरमा से चुनाव लड़ रही हैं. बिहार के पूर्व मंत्री रमेश यादव की मौत के बाद उनकी पत्नी अन्नपूर्णा देवी ने 1998 में राजनीति में एंट्री ली. उस समय कोडरमा में हुए उपचुनाव में जीत कर वो पहली बार राजद की विधायक बनीं. संयुक्त बिहार में खान मंत्री बनाई गयीं. वर्ष 2000, 2005 और 2009 में लगातार तीन विधानसभा चुनाव जीतने पर उनका कद और बढ़ गया. 2013 में वह हेमंत सरकार में जल संसाधन मंत्री बनाई गयीं. मार्च 2019 में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले अचानक उन्होंने राजद से नाता तोड़ भाजपा का दामन थाम लिया. 2019 में कोडरमा लोकसभा सीट से भाजपा के टिकट पर बाबूलाल मरांडी जैसे दिग्गज नेता को हरा दिया. इनाम के रूप में अन्नपूर्णा को भाजपा का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया. हरियाणा के सह प्रभारी का भी जिम्मा मिला. जुलाई 2021 में जब मोदी मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ, उस समय भाजपा-जदयू के बीच आपसी खींचतान चल रही थी. अन्नपूर्णा देवी को इसका फायदा मिला और केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री बनायी गयीं.

नौकरी छोड़ राजनीति में आये थे कालीचरण

भाजपा ने कालीचरण सिंह को चतरा लोकसभा से उम्मीदवार बनाया है. कालीचरण सिंह प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के काफी करीबी माने जाते हैं. सरकारी शिक्षक की नौकरी छोड़ कर राजनीति में आये कालीचरण पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं. जानकारी के मुताबिक, चतरा सीट से भाजपा के निवर्तमान सांसद सुनील सिंह के खिलाफ चलाये गये कैंपेन को अप्रत्यक्ष रूप से इनका भी समर्थन प्राप्त था. स्थानीय को टिकट मिले, यह मांग चतरा संसदीय क्षेत्र में उठने के कारण सुनील सिंह का टिकट काट कर कालीचरण सिंह को भाजपा ने टिकट दिया. कालीचरण भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष भी हैं.

दल बदलने में माहिर रहे हैं जयप्रकाश भाई पटेल

2019 के विधानसभा चुनाव से पहले 23 अक्टूबर को झामुमो छोड़ कर जय प्रकाश भाई पटेल ने भाजपा का दामन थाम लिया था. भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा और जीत भी हासिल की थी. बाद में जब कुर्मी वोट बैंक को साधने के लिए भाजपा ने नेता प्रतिपक्ष की तलाश शुरू की थी, तो उस दौरान जेपी पटेल का नाम सुर्खियों में आया था. लेकिन बात नहीं बनने पर यह जिम्मेदारी अमर बाउरी को दे दी गयी, जबकि पटेल को सचेतक बना दिया गया. लेकिन लोकसभा चुनाव से ठीक पहले जेपी पटेल भाजपा छोड़ कर कांग्रेस में शामिल हो गये. वह कांग्रेस के टिकट पर हजारीबाग लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं.

ग्रामीण विकास मंत्री रह चुके हैं केएन त्रिपाठी

राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी पेश करने वाले झारखंड के पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी राजनीति में आने से पहले भारतीय वायु सेना में थे. उन्होंने सेना की नौकरी छोड़ कर साल 2005 में कांग्रेस के टिकट पर पहली बार झारखंड के डालटनगंज विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था. हालांकि, निर्दलीय चुनाव लड़े इंदर सिंह नामधारी से उन्हें हार का सामना करना पड़ा था. साल 2009 में डालटनगंज सीट से ही दोबारा कांग्रेस ने उन पर भरोसा जताया. इस बार कृष्णा नंद त्रिपाठी के सिर पर जीत का ताज सजा. विधायक बनने के बाद उन्हें राज्य सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री बनने का मौका भी मिला.

झाविमो छोड़ भाजपा में आये थे मनीष जायसवाल

मनीष जायसवाल ने अपने राजनीतिक कॅरियर की शुरुआत वर्ष 2008 में नगर परिषद चुनाव से की. पहली बार हजारीबाग नगर परिषद से उपाध्यक्ष पद पर चुनाव लड़ा और विजयी रहे. इसी बीच झाविमो के टिकट पर मांडू विधानसभा उपचुनाव में अपनी किस्मत आजमायी. हालांकि, उन्हें हार का सामना करना पड़ा था. 27 नवंबर 2013 को उन्होंने झाविमो से नाता तोड़ कर भाजपा का दामन थाम लिया. वर्ष 2014 में हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर पहली बार विधायक चुने गये. 2019 में दोबारा विधायक बने. अब लोकसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर हजारीबाग सीट से चुनाव मैदान में हैं.

झारखंड में जनता को लूट रही है भ्रष्टाचारियों की तिकड़ी

घमंडिया गठबंधन और भ्रष्टाचारी खतरे में: भाटिया

- झारखंड में सभी 14 सीट पर एनडीए की होगी जीत
- धर्म के आधार पर आरक्षण देने की इजाजत संविधान नहीं देता

संवाददाता। रांची

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड और झारखंड की जनता को हमेशा दिल में रखा. भगवान बिरसा मुंडा को आदर्श माना. जनजातीय समाज के लिए चिंतित रहें. उसे सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाएं. जनता ने मन बना लिया है कि नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाएंगे और वह जनता की सेवा के अपने कार्य को आगे बढ़ाएंगे. वे रविवार को हरमू रोड स्थित बीजेपी के मीडिया सेंटर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे. उन्होंने कहा कि चार चरण के चुनाव संपन्न हो चुके हैं. जनता ने मन बना लिया है कि इस चुनाव में भाजपा 370 से अधिक सीट जीतेगी. एनडीए 400 पार होगा. उन्होंने कहा कि घमंडियां गठबंधन में भ्रष्टाचारियों की फौज है. वे एनडीए-बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हराने का कुंठित प्रयास कर रहे हैं. भ्रष्टाचारियों पर प्रधानमंत्री मोदी की ईमानदारी भारी पड़ रही है.

आलमगीर आलम के मामले में रत्ती भर भी शर्म कांग्रेस की नहीं बची : पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के मामले में रत्ती भर भी शर्म कांग्रेस की नहीं बची. राहुल गांधी ने इसपर एक शब्द नहीं कहा. इस्तीफा नहीं मांगा. पूरे विश्व में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचारी परिवार लालू, सोरेन और गांधी है. लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है. लोकतंत्र को इनसे खतरा है. आलमगीर आलम के पीए के नौकर के घर से नोटों का पहाड़ मिलता है. इसपर कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा, मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन कुछ नहीं बोलते. इनका एकमात्र मकसद है, परिवार का भला करो, परिवार को आगे बढ़ाओ. जनता से मतलब नहीं है.

खतरे में नहीं है संविधान : उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण की पराकाष्ठा है. संविधान खतरे में नहीं है. घमंडियां खतरे में है. भ्रष्टाचारी खतरे में हैं. भ्रष्टाचार करने वाले किसी को बख्शा नहीं जाएगा. भ्रष्टाचार करेंगे तो सलाखों के पीछे ही रहेंगे. आने वाले दिनों में भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था होगी. इसमें झारखंड की भी भूमिका होगी. 53 साल के अपरिपक्व नेता राहुल गांधी कहते हैं कि बहुसंख्यक के लिए देश में जगह नहीं है. हलाला, बहु विवाह को ठीक मानते हैं. ट्रिपल तलाक को वापस लाने की बात करते हैं.

भ्रष्टाचारियों की तिकड़ी क्राइम मास्टर गोगो है

भाटिया ने कहा कि झारखंड में भ्रष्टाचारियों की तिकड़ी है. कांग्रेस, झामुमो और राजद एक साथ है. भ्रष्टाचारियों की तिकड़ी क्राइम मास्टर गोगो है. ये जनता को देने नहीं लेने आए हैं. बिना जनता से लिए नहीं जाएंगे. झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कांग्रेस से सबक लिया. यही कारण है कि 10 समन देने के बाद भी ईडी के पास नहीं गए. अगर हुए भ्रष्टाचार नहीं किए हैं, तो जाकर जवाब देना चाहिए. यह जनता की कमाई है. उसे लूट कर परिवार को आगे बढ़ाने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं. इनकी नीतियां झारखंड की जनता की विरोधी है. झारखंड में भ्रष्टाचार चरम पर है. घुसपैठियों पर लगाम नहीं है. विधि व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त है. राज्य सरकार ने जनजातीय समाज के लोगों की जमीन ली. इसका आवंटन जनजातीय युवाओं को करना चाहिए, ताकि वे उद्योग लगाएं और आगे बढ़ें. पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जनजातीय समाज का हक छीनकर वह जमीन परिवार के सदस्य को आवंटित कर दिया.

आलमगीर और हेमंत सोरेन जल्द जेल से बाहर नहीं निकाल पाएंगे

भाटिया ने कहा कि आलमगीर आलम और हेमंत सोरेन जल्द जेल से बाहर नहीं निकाल पाएंगे. उनसे जनता का एक-एक पैसा वसूला जाएगा. इस चुनाव में भ्रष्टाचार बहुत बड़ा मुद्दा है. अरविंद केजरीवाल बेशर्म नंबर वन हैं. उन्हें नियमित नहीं, अंतरिम जमानत मिली है. पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री मोदी के ऊपर एक उंगली में नहीं उठी. कोई दाग तक नहीं लगा. झारखंड की सभी 14 सीट पर एनडीए के प्रत्याशी विजयी होंगे. इस बार बीजेपी और एनडीए को देश भर में 400 से अधिक सीटें मिलेगी. यूपीए के 10 साल के शासन में बड़े पैमाने पर घुसपैठियों को देश में घुसने दिया गया. वे देश को दीमक की तरह चाट रहे हैं. भारतीय नागरिकों का हक मार रहे हैं. वे पूरे देश की संस्कृति के लिए खतरा हैं. झारखंड में भी यही स्थिति है. जनजातीय समाज का अभिमान और संस्कृति उनसे खतरे में पड़ गया है.

मोदी के कार्यकाल में 18 करोड़ लोगों को नई नौकरी मिली

इपीएफओ के आंकड़े बताते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में 18 करोड लोगों को नई नौकरी मिली. मुद्रा योजना में 45 करोड़ लोगों ने लोन लेकर अपना व्यवसाय शुरू किया. 1 साल में 10 लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी गई. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में राजस्थान में सबसे अधिक 30% बेरोजगारी दर थी. यही बीजेपी शासित यूपी में यह दो पर्सेंट थी. यूपीए के 10 साल के कार्यकाल में महंगाई दर डबल डिजिट से नीचे कभी नहीं आई. प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में यह कभी डबल डिजिट तक नहीं गई. कोरोना काल में भी महंगाई दर पर लगाम रहा. उन्होंने कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण देने की इजाजत संविधान नहीं देता है. भाजपा संविधान का पालन पूरी तरह करने के लिए संकल्पित है.

कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता का पीएम मोदी पर जबरदस्त प्रहार

मोदी की नहीं, इंडिया की बनेगी सरकार: श्रीनेत

- जून तक ही पीएम हैं मोदी, अब भी कम से कम जाते-जाते मुद्दे की बात कर लें

विशेष संवाददाता। रांची

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रवक्ता और सोशल मीडिया प्रभारी सुप्रिया श्रीनेत ने कहा है कि चार जून के बाद देश में मोदी की नहीं इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी. चार चरण के चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिल चुका है. जबकि अभी शेष तीन चरण का चुनाव होना शेष है. यह चुनाव अब एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच का नहीं रहा. इस चुनाव को जनता अब अपने हाथ में ले चुकी है. यह चुनाव संविधान बचाने वाले और संविधान को खत्म करने वालों, लोकतंत्र बचाने और लोकतंत्र खत्म करने दो विचारधारा के बीच का चुनाव है. यह देश फूलों का गुलदस्ता है, यह देश गुलदस्ता ही बना रहेगा. इसकी भी लड़ाई है. इंडिया की सरकार बनने पर झारखंड विधानसभा से पारित सरना/आदिवासी धर्म कोड को लागू करेगी. एक चुने हुए सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का जवाब झारखंड की जनता देने को तैयारी बैठी है. सुप्रिया ने रविवार को प्रदेश कांग्रेस भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में मोदी सरकार पर जम कर आरोप लगाये.

मुद्दे से भटकने और भटकाने वाले पीएम ने अपने राजनीतिक जीवन का खंडन कर दिया : सुप्रिया ने कहा कि अब वे चुनाव हार चुके हैं. पहले चरण से लेकर चौथे चरण तक उन्होंने जिस प्रकार से अपना बयान दिया और फिर पलटे. वह बड़ा अचंभित करने वाला है. पहले चरण में कांग्रेस के चुनावी घोषणा पत्र को मुस्लिम लीग का बताया. इसके बाद आ गए मटन-मछली, मंगलसूत्र और भैंस पर. इसके बाद करने लगे हिंदु-मुस्लिम. चौथे चरण के बाद उन्होंने कहा कि वह कभी हिंदु-मुस्लिम की बात नहीं की. ईद में उनके घर ईद की सेवैईयां आती थी. अजीब हालात है, जिनका जन्म ही धर्म के नाम पर जहर घोलने के लिए हुआ. अपना पूरा राजनीतिक जीवन हिंदु-मुस्लिम पर केंद्रित रहा. ऐसा बोल कर उन्होंने तो अपने राजनीतिक जीवन का ही खुद खंडन कर दिया.

चंदा लेकर धंधा देने वाले पीएम को भ्रष्टाचार पर बोलने का हक नहीं

सुप्रिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भ्रष्टाचार पर बोलने का नैतिक हक अब नहीं है. उन्होंने चंदा लेकर धंधा देने का काम किया. देश नहीं पूरी दुनिया का सबसे बड़ा घोटाला इलेक्ट्रोल बांड करने वाले पार्टी और उसके पीएम को इस मुद्दे पर नहीं बोलना चाहिए. पीएम को शर्म तक नहीं आती है कि गाय के नाम पर देश में दंगा करने और कराने वाले लोग बिप्स बनाने वाले कंपनियों से भी पैसे लिए. ईडी और अन्य जांच एजेसियों का इस्तेमाल चंदा लेने और धंधा देने के लिए किया गया.

किसानों को लोन होगा माफ, कृषि से जुड़े समानों से जीएसटी हटेगा

सुप्रिया ने कहा कि मोदी सरकार ने अपने पूंजीपति मित्रों के 16 लाख करोड़ रूपए लोन माफ किये. मगर हमारी सरकार किसानों का लोन माफ करेगी. कृषि से जुड़े सभी उपकरण और सामानों से जीएसटी हटाएगी. सरकार किसानों को कानूनी एमएसपी देगी. क्योंकि वर्तमान मोदी सरकार में पूरे देश में 700 से अधिक किसान मारे गए. किसान आंदोलन रोकने के लिए रास्ते पर कीलें ठोंक दिये गए, गोली मारी गयी. किसान हमारे अन्नदाता हैं. उनका ख्याल रखना किसी भी सरकार का पहला दायित्व होता है.

15 अगस्त से शुरू करेंगे 30 लाख सरकारी नौकरी भर्ती प्रकिया, अग्निवीर खत्म करेंगे: सुप्रियो श्रीनेत ने कहा कि देश में बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्या बनकर उभरी है. मोदी कहते हैं कि पकौड़ा बनाएं, मगर पकौड़ा बनाने के लिए तेल और गैस के दाम आसमान छू गया. इसलिए सरकार गठन होते ही 15 अगस्त से 30 लाख रिक्त पड़े सरकारी नौकरी भर्ती प्रकिया शुरू की जाएगी. इसके अतिरिक्त नए सिरे से नयी सरकारी नौकरी देने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी. मोदी सरकार पूर देश के नौकरी को ठेका आधारित कर दिया. इतना ही नहीं देश की सुरक्षा से जुड़े सेना को भी ठेका आधारित कर दिया. क्या चार साल की नौकरी करके कोई देश की रक्षा कर पाएंगे. हमारी सरकार अग्निवीर स्कीम को खत्म करके पुराने नीति के आधार पर सेना की बहाली शुरू करेगी.

महिलाओं को देंगे 1 लाख रूपए सालाना, सरकारी नौकरी में 50 प्रतिशत आरक्षण : सुप्रिया ने कहा कि सरकार गठन के बाद हमारी सरकार देश के गरीब महिलाओं को प्रति वर्ष एक लाख रूपए देंगे, ताकि वह अपना और अपने बच्चों का पालन-पोषण कर सकें. इतना ही महिलाओं को समान भागीदारी के देने के लिए सरकारी नौकरी में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देंगे.

जातिगत गणना करा के सभी को दी जाएगी समान हिस्सेदारी: सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि आखिरकार मोदी सरकार ने अपने 10 साल के कार्यकाल में राष्ट्रीय जनगणना क्यों नहीं कराया. इसके पीछे उनकी क्या मंशा रही. इसे जनता को बताना चाहिए. हमारी सरकार समान हिस्सेदारी की बात करेगी. देश में जातिगत गणना कराया जाएगा. इसके आधार पर हर वर्ग के लोगों को सामाजिक और आर्थिक हिस्सेदारी दी जाएगी.

25 लाख का कराएंगे सभी का हेल्थ बीमा : सुप्रिया ने कहा कि इंडिया गठंधन की सरकार पूरी दुनिया का सबसे बड़ा हेल्थ स्कीम लेकर आ रही है. जनता को 25 लाख का हेल्थ बीमा कराएगी. इसके तहत हेल्थ जांच से लेकर चिकित्सीय उपचार और दवाईयों का फुल पैकेज होगा.

कौन है झा जी, जो पुलिस वाले के लिए करते हैं वसूली

संवाददाता। रांची

झारखंड के कोल्हान से लेकर खूंटी तक एक पुलिसवाले के लिए वसूली का काम करने वाला झा जी नाम का व्यक्ति काफी चर्चा में है. इसका नाम तो छोटा है, लेकिन काम बड़े-बड़े करता है. बीते कुछ महीने के दौरान कोल्हान से लेकर खूंटी प्रमंडल तक झा जी की सक्रियता अचानक बढ़ गयी है. एक बड़े पुलिसवाले का संरक्षण मिलने की वजह से किसी भी थानेदार को फोन कर अपनी डिमांड ठोंक देता है. मामला पुलिसवाले के करीबी व्यक्ति का है, तो किसी की क्या मजाल कि उसे इनकार कर दे. झा जी का फोन आते ही थानेदार थर्रा जाते हैं. उन्हें डर सताने लगता है कि पता नहीं इस बार डिमांड ड्राफ्ट कितने का होगा? आलम यह है कि थानेदारों को यह भी समझ नहीं आ रहा है कि साहब को किया गया कमिटमेंट पूरा करें कि उनके झा जी का. यह भी खबर है कि अवैध व वैध कारोबार से जुड़े लोगों से भी झा जी समय-समय पर डिमांड कर दिया करते हैं. इन दिनों झा जी बालू कारोबार में अपना हाथ आजमाने में लगा है.

- कोल्हान से खूंटी तक झा जी के नाम की खूब है चर्चा
- एक पुलिस वाले के करीबी हैं झा जी से थर्राते हैं थानेदार

आज धनबाद में बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होंगे मरांडी

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी 20 मई को धनबाद में दो जगहों पर आयोजित बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होंगे. मरांडी निरसा थाना की रंगामाटी पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, विजयपुर फुटबॉल मैदान में 11:30 बजे से आयोजित बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में हिस्सा लेंगे. इस अवसर पर लोकसभा प्रभारी सुरेश साहू, प्रत्याशी ढुल्लू महतो, धनबाद ग्रामीण जिला अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर, महानगर जिला अध्यक्ष श्रवण राय यादव भी मौजूद रहेंगे. इसके बाद मरांडी सिंदरी थाना के गोविंदपुर पश्चिम मंडल स्थित तितीचपरा मैदान में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में 1:30 बजे भाग लेंगे.

22 मई को रांची और धनबाद में प्रियंका गांधी की चुनावी सभा

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड में तीसरे चरण 25 मई होने वाले वाले चार सीट गिरिडीह, धनबाद, रांची और जमशेदपुर पर चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी अपने स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी बढ़ेरा को उतार सकती है. कांग्रेस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रियंका गांधी 22 मई को कांग्रेस और गठबंधन की रांची प्रत्याशी यशस्विनी सहाय एवं धनबाद से अनुपमा सिंह के लिए चुनावी सभा करेंगी. इसके अतिरिक्त झारखंड में अंतिम चरण एक जून को होने वाले संथाल के तीन सीट राजमहल, दुमका और गोड्डा के लिए राहुल गांधी एक बार फिर झारखंड आएंगे. 20 मई को एआईसीसी से प्रदेश कांग्रेस को फाइनल कार्यक्रम की सूची पहुंच सकती है. इन सभी सभाओं में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन, मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और राजद के नेता भी हिस्सा लेंगे.

अब प्रियंका और राहुल को उतारने की तैयारी : कांग्रेस ने प्रथम चरण में हुए चार सीट सिंहभूम, खूंटी, लोहरदगा और पलामू के चुनाव में राहुल गांधी को उतरा. दूसरे चरण के तीन सीट चतरा, कोडरमा और हजारीबाग के चुनाव में राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे को उतारा. अब तीसरे चरण में प्रियंका गांधी और अंतिम चरण में फिर से राहुल गांधी को उतारने की तैयारी कांग्रेस का रही है.

दो विधायक आमने-सामने — इरफान अंसारी व भानु प्रताप शाही के बीच सोशल मीडिया पर जुबानी वार-पलटवार

अपने डाइनैमिक नेता की तुलना अपने अल्लाह से कर के देखो

सब्र की जुबान ताकतवर, बर्बाद कर देती है सताने वाले की नस्लें

प्रमुख संवाददाता। रांची

कांग्रेस विधायक डॉ. इरफान अंसारी और भाजपा विधायक भानु प्रताप शाही के बीच फिर से तकरार बढ़ गयी है. दोनों नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक-दूसरे के ऊपर जमकर कटाक्ष किया है. भाजपा विधायक ने जेल में बंद पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की तुलना श्रीराम से करने पर नाराजगी जताई. लिखा कि मियां अगर हिम्मत हो, तो अपने डाइनैमिक नेता की तुलना अपने अल्लाह से कर के देखो, फिर आपका ही समुदाय क्या हालत करता है आपकी? राम से तुलना कर रहे, तो अल्लाह से क्यों नहीं, बताओ.

भगवान की तुलना डकैत से कर रहे हो सुधर जाओ आप : भानु प्रताप शाही

भाजपा विधायक यहीं नहीं रुके. उन्होंने आगे लिखा कि इरफान मियां, आप से 1000 साल पुराना झारखंड का वासी हूं. पहली बात नवादा वासी सुन लो. दूसरा सब्र हमलोग कर रहे हैं कि भगवान की तुलना डकैत से कर रहे हो. सुधर जाओ आप. तीसरा, पैसे के साथ कोलकाता में आप पकड़े गये हो, आपके मंत्री आलमगीर पकड़े गये, हम नहीं. थोड़ा सुधार करो बोलने में, बाहरी लुटेरा.

हम सत्कार करना भी जानते हैं और तलवार उठाना भी : इरफान अंसारी

फिर कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी ने भानु प्रताप शाही को टैग करते हुए कहा कि सब्र की जुबान इतनी ताकतवर होती है कि सताने वाले की नस्लें बर्बाद कर देती है. बाहर से आकर झारखंड में हमें आंख मत दिखाना. हम सत्कार करना जानते हैं, तो तलवार उठाना भी जानते हैं. जनता का लूटा हुआ पैसा भी निकालना जानते हैं. बस इंतजार करें. जनता का अपार प्यार देने के लिए आभार.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, सोमवार 20 मई 2024 बैशाख शुक्ल पक्ष 13 संवत 2081 पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ वर्ष : 2, अंक : 41 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता के पद से कुणाल षाड़ंगी ने दिया इस्तीफा, कहा- अपमान की पराकाष्ठा होने पर प्रदेश अध्यक्ष को भेजा इस्तीफा

पार्टी में साजिश के तहत मेरा व समर्थकों का हो रहा था अपमान

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

एक तरफ घाटशिला के मऊभंडार में प्रधानमंत्री भाजपा प्रत्याशी विद्युत वरण महतो के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंचे थे, वहीं दूसरी तरफ पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया. इसे लेकर यहां लेकर तरह-तरह के कयास लगाये जा रहे हैं. इस बीच बिष्टुपुर में संवाददाता सम्मेलन के दौरान कुणाल षाड़ंगी ने कहा कि पार्टी में कुछ छुटभैया नेताओं का बोलबाला है.

साजिश के तहत पिछले छह महीने से उनकी और उनके समर्थकों की अनदेखी की जा रही थी. जहां उनकी भागीदारी होनी चाहिए, वहां भी उन्हें तरजीह नहीं दी जा रही थी. इससे वे और उनके समर्थक अपमानित महसूस कर रहे थे. षाड़ंगी ने आगे कहा कि समय-समय पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, संगठन मंत्री समेत प्रदेश आलाकमान को इसकी व्हाट्स ऐप व अन्य माध्यम से जानकारी दी गयी. इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गयी. रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में भी नहीं बुलाया गया. जब अपमान की पराकाष्ठा हो गयी, तब उन्होंने प्रदेश प्रवक्ता पद से इस्तीफा संबंधी पत्र प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को प्रेषित किया है.

भीतरघात करनेवालों पर नहीं हुई कार्रवाई, दे दिया गया पद : कुणाल षाड़ंगी ने बताया कि पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी प्रत्याशियों को हराने के लिए पार्टी के जिन नेताओं व कार्यकर्ताओं ने काम किया, उनके खिलाफ आज तक कार्रवाई नहीं हुई है. जबकि तत्कालीन जिलाध्यक्ष ने उनके नाम की सूची के साथ कार्रवाई के लिए प्रदेश नेतृत्व से कार्रवाई का आग्रह किया था. लेकिन कार्रवाई करने के बजाय उन्हें महिमंडित करने के लिए पद दे दिया गया. उन्होंने कहा कि जिले में वर्तमान में जिलाध्यक्ष बदले हैं, पर शेष पूरी टीम वही है. इसके अलावा पार्टी के प्रधान चुनाव कार्यालय में बीती रात हुई मारपीट की घटना बेहद शर्मनाक है.

टिकट की महत्वाकांक्षा रखना कोई गुनाह तो नहीं

एक सवाल पर षाड़ंगी ने जो जवाब दिया, उससे यह प्रतीत होता है कि लोकसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने के कारण भी उनके मन में कहीं न कहीं थोड़ी नाराजगी है. हालांकि उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता पद से इस्तीफे का मुख्य कारण अपमानित किया जाना है. लेकिन टिकट की महत्वाकांक्षा कोई गुनाह तो नहीं है. पार्टी में रह कर कार्य करनेवाला हर कोई टिकट की इच्छा या महात्वाकांक्षा रखता है.

मापदंड ऐसा, तो मुझे नहीं चाहिए टिकट

कुणाल षाड़ंगी ने कहा कि पार्टी ने कई ऐसे लोगों को टिकट दिये हैं, जिनके खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं. यदि यही टिकट पाने का मापदंड है, तो मुझे टिकट नहीं चाहिए. उन्होंने कहा कि जनसेवा के लिए उन्होंने नौकरी छोड़ी और राजनीति में आये. अन्यथा आज भी विदेश में नौकरी कर रहे होते.

मेरे पद त्यागने से क्या फर्क पड़ेगा?

एक अन्य सवाल पर कुणाल ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि पार्टी का प्रदेश प्रवक्ता पद छोड़ने से जमशेदपुर संसदीय सीट से पार्टी प्रत्याशी के वोट पर क्या फर्क पड़नेवाला है. नामांकन के समय मैं उनके साथ था. उनके लिए वोट भी मांगा, लेकिन टिकट मिलने के बाद उन्होंने मुझे एक फोन तक नहीं किया, जबकि मैं बहरागोड़ा से विधायक रह चुका हूं और पार्टी का मौजूदा प्रदेश प्रवक्ता भी था.

सेवानिवृत्त शिक्षक को जूते-चप्पल की माला पहना घुमाया

संवाददाता। चक्रधरपुर

- नाबालिग भतीजी से दुष्कर्म कर गर्भवती करने का आरोप
- टोकलो थाना की पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया

प्रखंड की टोकलो थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार को ग्रामीणों ने एक सेवानिवृत शिक्षक को जूते-चप्पल का माला पहना कर पूरे गांव में घुमाया. ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि रिश्ते को शर्मशार करते हुए आरोपी चरण हांसदा ने अपनी ही नाबालिग भतीजी के साथ दुष्कर्म कर उसे गर्भवती कर दिया. ग्रामीणों के अनुसार नाबालिग लड़की छह महीने की गर्भवती है और वह चरण हांसदा के घर में ही रहती थी.

ग्रामीणों ने बताया कि शनिवार की रात चरण हांसदा ने गर्भवती भतीजी को कोई दवा दी थी, जिससे लड़की बेहोश हो गई. इसके बाद पूरा मामला सामने आया. ग्रामीणों ने पीड़िता को गांव की सहिया द्वारा चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल भिजवाया. इधर, पुलिस ने गांव पहुंच कर आरोपी सेवानिवृत्त शिक्षक को हिरासत में ले लिया है. इस संबंध में टोकलो थाना प्रभारी परमेश्वर उरांव ने बताया कि अब तक पीड़िता या उसके परिजनों द्वारा मामला दर्ज नहीं कराया गया है.

ब्रीफ खबरें

छात्रा से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

आदित्यपुर। थाना क्षेत्र के डीएस टावर रोड स्थित चंद्रयान कोचिंग सेंटर के संचालक कौशल किशोर को आरआईटी पुलिस ने युवती से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. बताया जाता है कि कोचिंग सेंटर में पढ़ने वाले एक छात्र का इंस्टीट्यूट की ही छात्रा के साथ प्रेम प्रसंग था. उसने एक माह पूर्व कोचिंग संचालक के साथ मिलकर योजना बनाई और वास्तु विहार कॉलोनी में युवती को नशे की गोली देकर बेहोश कर दिया. बाद में उसके साथ संचालक कौशल किशोर ने भी छात्रा के साथ दुष्कर्म किया. इस संबंध में युवती द्वारा आरआईटी थाना में शिकायत दर्ज करायी गयी थी.

कन्वाई चालक ने फांसी लगा कर दे दी जान

जमशेदपुर। परसुडीह थाना अंतर्गत बारीगोड़ा में रविवार सुबह एक युवक का रविवार सुबह बिजली टावर पर फंदे से लटका मिला. मृतक की पहचान स्थानीय निवासी पंकज दास (38) के रूप में हुई है. उसने चादर का फंदे से फांसी लगा ली थी. इधर, घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. परिजनों ने बताया कि पंकज नशे का आदि था और वह कन्वाई चलाने का काम करता था. बीती रात पत्नी से झगड़ा करने के बाद वह घर से बाहर निकल गया था.

23 को कुमड़ाशोल में सभा करेंगी कल्पना

डुमरिया। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन 23 मई को कुमड़ाशोल फुटबॉल मैदान में चुनावी सभा को संबोधित करेंगी. पोटका विधायक संजीव सरदार ने रविवार को झामुमो प्रखंड अध्यक्ष मिर्जा सोरेन व अन्य कार्यकर्ताओं के साथ मैदान का निरीक्षण किया. विधायक ने बताया कि झामुमो प्रत्याशी समीर मोहंती की जीत सुनिश्चित करने के लिए कल्पना सोरेन डुमरिया क्षेत्र के चुनावी सभा को संबोधित करेंगी. मौके पर झामुमो नेता शंकर चंद्र हेंब्रम, भागात बास्के आदि भी मौजूद थे.

झारखंड में लोकसभा चुनाव का तीसरा चरण ■ चार सीटों से चुनावी अखाड़े में 91 उम्मीदवार

24 उम्मीदवार करोड़पति, 28 पर दर्ज हैं आपराधिक मामले

रवि भारती। रांची। झारखंड में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण (देश भर में छठा चरण) में धनबाद, गिरिडीह, जमशेदपुर और रांची में चुनाव होना है. इस चारों सीटों पर 25 मई को वोट डाले जाएंगे. चुनावी अखाड़े में कुल 91 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं. इसमें सात निर्दलीय समेत कुल 24 उम्मीदवार करोड़पति हैं. सबसे अधिक जमशेदपुर से चुनाव लड़ रहे नौ उम्मीदवार करोड़पति हैं. इसी सीट से चुनाव लड़ रहे निर्दलीय उम्मीदवार सौरभ विष्णु के पास सबसे अधिक 19,91,09,050 रुपये की संपत्ति हैं.

- सबसे अधिक जमशेदपुर से नौ उम्मीदवार हैं करोड़पति
- निर्दलीय सौरभ विष्णु के पास सर्वाधिक 19 करोड़ रुपये
- सात निर्दलीय करोड़पति उम्मीदवार भी ठोंक रहे हैं ताल

किस लोस सीट से कितने उम्मीदवार हैं करोड़पति

धनबाद लोकसभा

उम्मीदवार	राजनीतिक दल	संपत्ति (रुपये में)
ढुल्लू महतो	भाजपा	7,01,20,183
जगदीश रवानी	निर्दलीय	4,33,10,790
मोहम्मद फैसल	निर्दलीय	2,47,63,540
परवेज नैयर	आजाद समाज पार्टी	2,56,15,000

गिरिडीह लोकसभा

उम्मीदवार	राजनीतिक दल	संपत्ति (रुपये में)
चंद्रप्रकाश चौधरी	आजसू	4,98,49,182
कमल प्रसाद	बसपा	4,89,32,607
मथुरा महतो	झामुमो	4,48,70,755

जमशेदपुर लोकसभा

उम्मीदवार	राजनीतिक दल	संपत्ति (रुपये में)
बबलू प्रसाद दांगी	निर्दलीय	2,26,96,000
विद्युत वरण महतो	भाजपा	3,83,45,063
डोमन चंद्र	भागीदारी पार्टी	2,0256,300
इंद्रदेव प्रसाद	निर्दलीय	1,50,14,677
जीतेंद्र सिंह	निर्दलीय	2,15,34,859
मनोज गुप्ता	लोकहित अधिकार पार्टी	1,16,04,000
साधु चरण	निर्दलीय	1,94,03,880
सौरभ विष्णु	निर्दलीय	19,91,09,050
सुकुमार सोरेन	भारत आदिवासी पार्टी	1,01,34,000

रांची लोकसभा

उम्मीदवार	राजनीतिक दल	संपत्ति (रुपये में)
धर्मेंद्र तिवारी	भारतीय जनतंत्र मोर्चा	9,06,94,064
हरिनाथ साहू	लोकहित अधिकार पार्टी	4,72,74,133
कोलेश्वर महतो	निर्दलीय	3,09,10,000
निपु सिंह	राष्ट्रीय जनसंघर्ष स्वराज पार्टी	1,24,83,319
पंकज कुमार रवि	पिपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया	1,97,04,520
यशश्विनी सहाय	कांग्रेस	2,41,30,667
सर्वेश्वरी साहू	सनातन भारत दल	1,11,30,790
संजय सेठ	भाजपा	2,41,52,085

आपराधिक मुकदमों में धनबाद से भाजपा उम्मीदवार ढुल्लू टॉप पर

रांची। झारखंड के तीसरे चरण के लोकसभा चुनाव में चार सीटों से कुल 28 उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं. इसमें सबसे ज्यादा रांची सीट से कुल 10 उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं. वहीं, धनबाद, जमशेदपुर व गिरिडीह सीट से छह-छह उम्मीदवारों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं. उम्मीदवारों की बात करें, तो धनबाद सीट से भाजपा उम्मीदवार ढुल्लू महतो टॉप पर हैं. उनके खिलाफ 22 आपराधिक मामले दर्ज हैं. वहीं, दूसरे नंबर पर गिरिडीह सीट से निर्दलीय उम्मीदवार व जेबीकेएसएस अध्यक्ष जयराम महतो हैं. उनके खिलाफ 13 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं.

किस लोकसभा सीट ये किन उम्मीदवारों के खिलाफ कितने आपराधिक मुकदमे दर्ज

धनबाद लोकसभा

उम्मीदवार	राजनीतिक दल	आपराधिक मुकदमे
दीपक कुमार दास	पिपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया	02
ढुल्लू महतो	भाजपा	22
जगदीश रवानी	निर्दलीय	03
मो. इकबाल अंसारी	निर्दलीय	01
मो. तफजुल हुसैन	निर्दलीय	01
संजय कुमार	अखिल भारतीय हिंदू महासभा	01

गिरिडीह लोकसभा

उम्मीदवार	राजनीतिक दल	आपराधिक मुकदमे
चंद्रप्रकाश चौधरी	आजसू	02
द्वारका प्रसाद लाल	निर्दलीय –	01
जयराम महतो	निर्दलीय	13
पप्पू कुमार निषाद	भारतीय लोकमत राष्ट्रवादी पार्टी	01
प्रमोद राम	पिपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया	01
सुनीता टुडू –	निर्दलीय	01

जमशेदपुर लोकसभा

उम्मीदवार	राजनीतिक दल	आपराधिक मुकदमे
अरूण कुमार	भारतीय आजाद सेना	01
विद्युत वरण महतो	भाजपा	01
जूझा सोरेन	निर्दलीय –	01
मनोज गुप्ता	लोकहित अधिकार पार्टी	03
प्रणव महतो	बसपा	01
समीर मोहंती	झामुमो	02

रांची लोकसभा

उम्मीदवार	राजनीतिक दल	आपराधिक मुकदमे
अनिनुल अंसारी	निर्दलीय	02
देवेंद्रनाथ महतो	निर्दलीय	11
धर्मेंद्र तिवारी	भारतीय जनतंत्र मोर्चा	01
हरिनाथ साहू	लोकहित अधिकार पार्टी	01
मिंटू पासवान	एसयूसीआई	01
पंकज कुमार रवि	पिपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया	01
प्रदीप चंद्र महतो	निर्दलीय	01
रामहरि गोप	अंबेदकर पार्टी ऑफ इंडिया	01
रंजना गिरि	रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया	01
संजय सेठ	भाजपा	02

दो टूक पीएम ने मऊभंडार, बंद पड़े माइंस, एचीसीएल व धालभूमगढ़ एयरपोर्ट पर बातें क्यों नहीं की ?

घाटशिला में भी मुद्दाविहिन बात करके चले गए मोदीः सुप्रियो

विशेष संवाददाता। जमशेदपुर/रांची

झामुमो केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टचार्य ने कहा कि एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झारखंड और कोल्हान की धरती घाटशिला में चुनावी सभा की. लोगों की उम्मीद थी कि झारखंड और वहां के स्थानीय मुद्दों की बात मोदी जरूर करेंगे और कुछ अहम घोषणाएं भी करेंगे. मगर फिर से वही बात, भाडे.पर दूसरे प्रदेश से लाए गए लोगों के बीच मुद्दाविहिन बात करके पीएम चले गए.

सुप्रियो ने आगे कहा कि बड़ी अजीब बात है कि पीएम मोदी मऊभंडर, लाखा, नारदा सहित अन्य बंद पड़े माइंस, एचसीएल, जिससे हजारों लोगों का रोजगार चलता था, इन मुद्दों पर कुछ नहीं बोले. पूर्व सीएम रघुवर दास के समय शिलान्यास किया गया धालभूमगढ़ एयरपोर्ट, जिसके शिलान्यास के बाद एक कुदाल भी नहीं चला, इस पर भी कुछ नहीं कहा. सुप्रियो भट्टाचार्य जमशेदपुर झामुमो कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे. इस मौके पर जमशेदपुर के झामुमो प्रत्याशी समीर मोहंती सहित कई नेता मौजूद थे.

रघुवर से पूछें, मोमेंटम झारखंड में कितना निवेश हुआ

सुप्रियो भट्टाचार्य ने पीएम मोदी के उस बयान का कड़ा विरोध किया, जिसमें उन्होंने कहा कि झारखंड में कोई निवेशक आना नहीं चाहता है. उन्होंने कहा कि पीएम को पूर्व सीएम रघुवर दास के कार्यकाल में निवेश के नाम पर मोमेंटम झारखंड का आयोजन किया गया था, जिसमें देश-विदेश से निवेशक आए थे. कितना निवेश हुआ, यह तो पहले रघुवर जी से पूछना चाहिए. वहीं, जब हमारी सरकार मोमेंटम झारखंड घोटोले की जांच शुरू की तो मोदी जी ने फंसने से बचाने के लिए उन्हें संवैधानिक कवच देकर राज्यपाल बना दिया.

बरही-बहरागोड़ा फोर लेन में मोदी का कोई हाथ नहीं : सुप्रियो ने कहा कि एनएच-33 बरही से बहरगोड़ा फोर लेन पर पीएम मोदी अपना श्रेय लेकर चले गए. उन्हें तो पता करके बोलना चाहिए. यह पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पहल का नतीजा है. उन्होंने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर इसके अड़चनों को दूर किया और काम को पूरा कराया. झामुमो महासचिव ने कहा कि कभी तो अपने मंत्री या दूसरे सरकार को श्रेय दें, सारा श्रेय खुद क्यों लेना चाहते हैं?

धीरज साहू ने जब्त पैसे का हिसाब दे दिया तो चुप हो गये : सुप्रियो ने यह भी कहा कि मोदी जी जब यहां आते हैं, तो नोटों की पहाड़ मिलने और भ्रष्टाचार की बातें करते हैं. जब धीरज प्रसाद साहू ने पाई-पाई का हिसाब दे दिया और उनके विरुद्ध बाद में आईटी की कोई कारवाई नहीं हुई, तो मोदी जी उनका जिक्र तक नहीं किया.

चंदनकियारी में कल्पना सोरेन ने अनुपमा सिंह के लिए मांगे वोट, कहा

भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकेगी जनता

संवाददाता। बोकारो

लोकसभा चुनाव में जुमलेबाजों की दाल नहीं गलने वाली है. इस बार जनता का नेतृत्व इंडिया महागठबंधन कर रहा है. भाजपा का चाल-चरित्र जनता जान चुकी है. इसलिए, भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है. ये बातें पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने कही. वह चंदनकियारी के सूर्यूडीह में धनबाद लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह के पक्ष में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित कर रही थीं.

वोट की चोट से जुमलेबाज सरकार को जवाब देगी जनता : कल्पना ने कहा भाजपा के लोगों को यह नहीं पता है कि यह धरती वीरों और क्रांतिकारियों की रही है. शहीद हो जाएंगे, पर सिर नहीं झुकाएंगे. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन ने इन गरीब-गुरबों के साथ-साथ महिला, युवा व बुजुर्गों के लिए कई योजनाओं को धरातल पर लाया. सर्वजन पेंशन योजना के लिए आयु को घटा कर 60 से 50 साल किया. बच्चों के शिक्षा के लिए सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, सावित्रीबाई फुले समेत कई योजनाएं लाई. गरीब-गुरबों का 20 लाख राशन कार्ड बनाया. हेमंत सोरेन आज जेल में झारखंडवासियों के लिए ही लड़ाई लड़ रहे हैं. उन्होंने कहा कि जनता अपनी वोट की चोट से केंद्र की जुमलेबाज सरकार को जवाब देगी.

जेल में झारखंडियों के लिए ही लड़ाई लड़ रहे हेमंत

लातेहार में बनाये गये हैं 679 मतदान केंद्र, सुरक्षा के हैं पुख्ता इंतजाम

चतरा के 22 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला आज करेगी जनता

आशीष टैगोर । लातेहार

चतरा संसदीय क्षेत्र के 22 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 20 मई को ईवीएम में बंद होगा. इनमें भाजपा के कालीकरण सिंह व कांग्रेस के केएन त्रिपाठी प्रमुख हैं. मतदान के एक दिन पूर्व प्रत्याशियों ने अपना पूरा जोर लगा दिया है. डोर टू डोर कैंपन किया जा रहा है. प्रत्याशी किसी प्रकार की कोई कोर कसर छोड़ना नहीं चाह रहे हैं. बता दें कि जिला के मनिका व लातेहार के कुल 567141 मतदाता भी चतरा सांसद के लिए वोटिंग करेंगे. इनमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 285923 और महिला मतदाताओं की संख्या 281218 है. दिव्यांग वोटर 7444 हैं. जबकि 18

कालीकरण सिंह

केएन त्रिपाठी

व 19 साल के वोटरों की संख्या 25646 और 85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 4152 है. सर्विस वोटरों की संख्या 906 है.

जिला में बनाये गये हैं 679 मतदान केंद्र : लातेहार जिला के मनिका व लातेहार विधानसभा क्षेत्र में कुल 679 मतदान केंद्र बनाये गये हैं. मनिका विधानसभा क्षेत्र में कुल 321 मतदान केंद्रों में मतदान डाले जायेंगे. इनमें पलामू के 13 मतदान केंद्र भी शामिल हैं. जबकि लातेहार विधानसभा क्षेत्र में कुल 358 मतदान केंद्र में मतदान संपन्न होगा. जिला प्रशासन द्वारा इसकी सारी तैयारियां पूरी कर ली गयी है. मतदान पदाधिकारी, मतदान व पुलिस कर्मियों को कलस्टर व मतदान केंद्रों तक भेजा जा चुका है. 65 मतदान केंद्रों में हेलिकॉप्टर से मतदान कर्मियों को भेजा गया है.

मैदान में हैं 22 प्रत्याशी : लोकसभा चुनाव 2024 में चतरा संसदीय सीट से कुल 22 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं. इनमें भाजपा के कालीचरण सिंह, कांग्रेस से केएन त्रिपाठी, बसपा से नागमणि, सीपीआई से अर्जुन कुमार, पीपीआई डेमोक्रेटिक से करमलाल उरांव, राष्ट्रीय जन उत्कर्ष पार्टी से कामदेव डी राना, झारखंड पार्टी से दर्शन गंझू, भारतीय जवान किसान पार्टी से दुलेश्वर साव, अंबेडकराईट पार्टी ऑफ इंडिया से विमल लकड़ा, बहुजन मुक्ति पार्टी से महेश बांडो, भागीदारी पार्टी पी से लव कुमार पंडित, लोकहित अधिकार पार्टी से संजय कुमार स्नेही व समता पार्टी से सुमीत कुमार यादव चुनाव मैदान में हैं. जबकि निर्दलीय प्रत्याशियों में मो. अबुजर खान, डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, अमीत कुमार सिंह, अर्जुन प्रजापति, चंदन कुमार, दीपक कुमार गुप्ता, योगेश कुमार सिंह, विक्रांत कुमार सिंह व श्रीराम सिंह का नाम शामिल है.

22 में से 10 पर दर्ज हैं आपराधिक मामले : चतरा संसदीय क्षेत्र में अपनी किस्मत आजमा रहे 22 उम्मीदवारों में से 10 पर अपराधिक मामले दर्ज हैं. कांग्रेस के केएन त्रिपाठी पर सरकारी आदेशों का उल्लघंन करने व आदेश के बिना संपति का प्रयोग में लाने के आरोप में मामला दर्ज हैं. भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह पर अवैध खनिज परिवहन के आरोप में मामला दर्ज है. इसी प्रकार सीपीआई के प्रत्याशी अर्जुन कुमार पर दुर्व्यहार व मारपीट करने के आरोप में मामला दर्ज है. बसपा के नागमणि पर धारा 144 का उल्लघंन करने के आरोप में मामला दर्ज है.

ब्रीफ खबरें

लातेहार राजपूत समाज ने भाजपा को वोट देने का निर्णय लिया

महुआडांड़(लातेहार)। राजपूत समाज ने देश की रक्षा, समाज की सुरक्षा व विकास को लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों को देखते हुए इस चुनाव में भाजपा को वोट देने का निर्णय लिया है. प्रखंड राजपूत समाज लोकसभा चुनाव में चतरा संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह को वोट देगा. इसकी जानकारी देते हुए राजपूत समाज के अध्यक्ष नवल किशोर नाथ शाह ने समाज के लोगों से राष्ट्रहित में भाजपा को वोट देने की अपील की.

युवती ने घर में फांसी लगा कर आत्महत्या की

हुसैनाबाद(पलामू)। हुसैनाबाद थाना अंतर्गत चनकार कस्तूरी गांव के टोला नोनियाडीह में बीती रात्रि 19वर्षीय काजल कुमारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली,घटना की जानकारी मिलते ही हुसैनाबाद थाना पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों सौप दिया, इस घटना की छानबीन के पुलिस जुटी हुई है, वही युवती के दादा दीपन चौहान ने बताया कि युवती की मानसिक स्थिति ठीक नही रहता था, वह मंदबुद्धि की थी, जो घर के में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली.

डालटनगंज स्टेशन पर ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

मेदिनीनगर। डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरने के दौरान संतुलन बिगड़कर गिरने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई. मृतक मेदिनीनगर के जेलहाता, सर्वोदय नगर निवासी कृष्णा प्रसाद(47) पिता स्व काशीनाथ प्रसाद है.कृष्णा प्रसाद बस स्टैंड स्थित काशी जेनरल स्टोर नामक दुकान चलाते थे. जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह पलामू एक्सप्रेस से उतरने के क्रम में उनका संतुलन बिगड़ गया और झटके से नीचे गिर गए. उनके सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोट आयी .

शादी के पांचवें दिन युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कैरो(लोहरदगा)। शादी के पांचवें दिन ही एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया. कैरो थाना क्षेत्र के हुदू निवासी शनिदेव भगत उम्र लगभग 22 वर्ष पिता वासदेव भगत ने शनिवार रात्रि को फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया. जानकारी के अनुसार शनिदेव का शादी 14 मई को हुआ था, उसने शनिवार की रात्रि घरवालों को बताया था कि गांव में ही शादी समारोह में शामिल होने के लिए बोलकर घर से निकला था.

पांकी विस क्षेत्र के 326 बूथों पर 3,22,063 मतदाता आज डालेंगे वोट

चतरा लोसः पांकी के बूथों के लिये रवाना हुए मतदान कर्मी

संवाददाता। मेदिनीनगर

चतरा लोकसभा अंतर्गत पांकी विस क्षेत्र के कुल 326 बूथों पर सोमवार को वोट डाले जाएंगे. मतदान को लेकर रविवार को जिला मुख्यालय स्थित गणेश लाल अग्रवाल कॉलेज के परिसर से सभी मतदान सामग्री लेकर मतदानकर्मियों को रवाना किया गया.

पांकी विधानसभा के लिये प्रतिनियुक्ति कर्मी सुबह सात बजे से ही केंद्र पर पहुंच गये थे. जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन,पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन, ईवीएम/वीवीपैट कोषांग के नोडल पदाधिकारी रवि आनंद, सामग्री कोषांग के नोडल पदाधिकारी जावेद हुसैन पांकी विधानसभा के सहायक निर्वाची पदाधिकारी प्रीति किस्कू की देख-रेख में वितरण कार्य शुरू हुआ.

मतदानकर्मियों को दिया गया मतदान सामग्री : जीएलए कॉलेज स्थित डिस्पैच सेंटर पर पांकी विस क्षेत्र के लिये बने काउंटर पर कई तरह के कागजी प्रक्रियाओं के मिलान के पश्चात मतदानकर्मियों को मतदान सामग्री देकर अपने-अपने बूथों के लिये रवाना किया गया.

पोलिंग पार्टी के साथ सेक्टर पदाधिकारी व पुलिस बल को भी टैग किया गया था.चतरा लोकसभा के

पांकी में सोमवार को होने वाले मतदान में कुल 326 बूथों पर 322063 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे जिसमें महिला मतदाता 156679 व पुरुष मतदाता 165384 शामिल हैं.

व्यय लेखा की जांच नहीं कराने वाले दो प्रत्याशियों को नोटिस जारी

मेदिनीनगर। चतरा संसदीय क्षेत्र के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने चतरा सीट से चुनाव लड़ रहे दो प्रत्याशियों को नोटिस जारी कर व्यय लेखा की जांच कराने को कहा है .पांकी के सगालीम निवासी समता पार्टी के प्रत्याशी सुमित कुमार यादव व लातेहार के अम्बाकोठी मस्जिद रोड निवासी निर्दलीय प्रत्याशी अर्जुन प्रजापति को नोटिस जारी किया है. जारी नोटिस में कहा गया है कि निर्वाचन व्यय से संबंधित लेखा का निरीक्षण के लिये तीसरी तिथि 18 मई 2024 को निर्धारित थी लेकिन आप दोनों प्रत्याशियों द्वारा व्यय प्रेक्षक के समक्ष निर्वाचन व्यय से संबंधित लेखा का निरीक्षण के लिये व्यय पंजी प्रस्तुत नहीं किया गया और ना ही उनके एजेंट के द्वारा किया गया. आप दोनों प्रत्याशी या चुनाव अभिकर्ता निरीक्षण में भी अनुपस्थित रहे. दोनों प्रत्याशियों को नोटिस के माध्यम से अविलंब लेखा शाखा, विकास भवन चतरा में लेखा पंजी के साथ उपस्थित होने को कहा गया है. अगली निर्धारित तिथि तक उपस्थित नहीं होने और उनके द्वारा प्रतिनियुक्त चुनाव अभिकर्ता द्वारा लेखा व्यय पंजी प्रस्तुत नहीं किये जाने पर दोनों ही प्रत्याशियों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

अवैध रूप से पाइप कटिंग के दौरान मिट्टी धंसने से एक की मौत

चंदवा (लातेहार)। प्रखंड क्षेत्र के चकला पंचायत अंतर्गत बाना गांव में अवस्थित अभिजीत पावर प्लांट के लोहे की चोरी रुकने का नाम नहीं ले रहा है. इस चोरी की घटना में नित्य कोई ना कोई घटनाएं होती रहती है कभी किसी का हाथ टूटता है तो किसी की मौत तक हो जाती है जिसे चोर के सरदारों द्वारा घटना को मैनेज कर सामान्य घटना बना कर दबा दिया जाता है. पुलिस महकमा के द्वारा भी इस तरह के मामलों को ज्यादा तरजीह नहीं दी जाती है और मामला ठंढे बस्ते में चला जाता है. इस तरह की घटनाओं का पुलिस के द्वारा कभी कोई खुलासा नहीं किया गया है. इसी तरह का मामला प्रकाश में आई है शनिवार रात का है. चकला का ही रहने वाला युवक सकेन्द्रि राम अपने घर से लगभग ग्यारह बजे रात को निकल कर लगभग आधा किमी की दूरी पर जमीन के अंदर दबे पानी पाईप की कटिंग कर निकालने के क्रम में मिट्टी के धसने से दबकर मौत हो गई.

गड्ढे में जमा पानी में डूबने से किशोर की हुई मौत

मेदिनीनगर । पिपरा प्रखंड के बभंडीह एक नाबालिग अमित कुमार नदी में बने गड्ढे में जमे पानी में नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई. युवक बिहार के औरंगाबाद जिला अंतर्गत कुटुम्बा थाना के बरहेट गांव का निवासी बताया गया है. युवक गर्मी के छुट्टी बिताने अपने नानी के घर आया था. पिपरा थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल भेजा. जहां चिकित्सकों की उपस्थिति में पोस्टमार्टम करा कर शव को परिजनों को सौंप दिया है.

केंद्रीय कारा मेदिनीनगर में जागरूकता शिविर का आयोजन

संवाददाता। मेदिनीनगर

केंदीय कारा मेदिनीनगर में रविवार को पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश नीरज कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में विधिक जागरूकता शिविर लगाया गया . पीडीजे श्री श्रीवास्तव ने कहा कि लीगल एड डिफेंस कौंसिल के बारे में बन्दियों से जानकारी ली. कहा कि ये अधिवक्ता आपके लिए नियुक्त किये गए है. कोई भी बन्दी बिना अधिवक्ता के नही रहे. साथ ही आपको या परिवार के सदस्य को कोई समस्या हो तो इनके माध्यम से सादे कागज पर एक आवेदन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में भेजे आपके समस्या का निदान किया जाएगा.

उन्होंने कहा कि जो सजायाप्ता बन्दी अभी तक किसी कारण से अपील नहीं कर पाए हैं उनको अपील करने की सलाह दी. डालसा सचिव अर्पित श्रीवास्तव ने कहा कि डालसा के माध्यम से कई कार्यक्रम किये जा रहे हैं. केस में पक्ष रखने के लिए फ्री में डिफेंस काउंसिल उपलब्ध कराए जा रहे हैं. साथ ही गाँव गाँव मे जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है.

लीगल एड डिफेंस काउंसिल के चीफ अमिताभ चन्द सिंह ने कहा कि जैसे ही किसी बन्दी का आवेदन एलएडीसी में आता हैं हमलोग उसका काम शुरू कर देते हैं. एलएडीसी के डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय ने कहा कि बिगत एक बर्ष में 500 केस में एलएडीसी काउंसिल कार्य कर रहे हैं. जिसमे दो दर्जन से अधिक केस में रिहाई भी कराया गया है वही सैकड़ो केस में जमानत कराया गया है. मौके पर सीजेएम आनन्द सिंह, निबन्धक कमल प्रकाश ,कारा अधीक्षक भागीरथ करजी,जेलर प्रमोद कुमार ,पीएलभी लीगल एड डिफेन्स काउंसिल के असिस्टेंट वीर बिक्रम वक्स राय, पुष्कर राज,नीतू सिंह, उत्तम कुमार ,पीएलभी नीरज कुमार समेत सैकड़ो बन्दी उपस्थित थे.

पहले आदिवासी हैं बाद में ईसाई, पूर्वजों की परंपरा को बचाये रखें : फादर महेंद्र

संवाददाता। गुमला

पालकोट के करौंदाबेडा पल्ली में रविवार को गुमला धर्म प्रान्त कैथोलिक महिला संघ की 29 वीं दो दिवसीय आम सभा रविवार को सम्पन्न हुआ. झारखंड हाइकोर्ट के अधिवक्ता फादर महेंद्र पीटर तिग्गा ने कहा कि हम पहले आदिवासी हैं, उसके बाद इसाई. हमें अपने पूर्वजों की परंपरा को बचाए रखना है. जल जंगल जमीन की रक्षा के लिए हमारे पूर्वजों द्वारा किया गया संघर्ष को बेकार नहीं जाने देंगे. समाज में नशापान अंधविश्वास जैसी कुरीतियों को दूर करो पर बल दिया गया. बच्चों को बाइक मोबाइल शराब से दूर रखने के लिए अभिभावकों को प्रेरित किया गया. सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने इसाई समुदाय में मां के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि माताएं जागेंगे तो परिवार जागेगा परिवार जगेगा तो समाज जागेगा समाज

जागेगा तो देश और प्रदेश में जागरूकता आएगी. गुमला विधायक भूषण तिर्की ने कहा कि वार्षिक आम सभा में कलसिया के प्रति जो महिलाओं का महाजुटन हुआ है वह काबिले तारीफ है समाज में कुछ लोग आदिवासियों की एकता को बांटने का प्रयास करने में लगे हैं . आप अपनी शक्ति अधिकार अपने परंपरा को समझें तभी आदिवासियों का अस्तित्व बच पाएगा आदिवासियों को जमीन से बे दखल करने की विस्थापन नीति को भी हमें रोकना है. बच्चों को शिक्षित करना और पलायन को रोकना हमारी सबसे बड़ी कामयाबी हो सकती है. इस कार्य में मातृ शक्ति बेहतर भूमिका निभा सकती है। कार्यक्रम को गुमला जिला धर्म प्रान्त अध्यक्ष लीनुस पिंगल एक्का में भी संबोधित किया. कहा कि हम आदिवासी के साथ कैथोलिक है हमें धार्मिक जीवन के साथ राजनीतिक जीवन और अपने कैथोलिक अस्तित्व को भी बचाए रखना है. जिला परिषद सदस्य जोसीमा खाखा, रोशन बरवा, कैथोलिक समाज गुमला जिला अध्यक्ष सेत कुमार एक्का आदि ने भी संबोधित किया .

न्यूज अपडेट

केसीसी दिलाने के नाम पर तीन लोगों से ठगी

लोहरदगा। नक्सल प्रभावित पेशरार प्रखंड के सीरम पंचायत के ग्राम परतू के रहने वाले तीन लोगों से केसीसी दिलाने के नाम पर नौ- नौ हजार रुपये की ठगी की गयी है . भुक्तभोगियों ने बताया कि वे आदिम जनजाति समुदाय के है. गांव के रहने वाले परमेश्वर सिंह झारखंड ग्रामीण बैंक से केसीसी दिलाने के नाम पर नौ-नौ हजार रुपये ठग लिया . परतू निवासी जोखन बिरजिया ने बताया कि 40 हजार रुपये झारखंड ग्रामीण बैंक किस्को शाखा से केसीसी ऋण दिलाने के नाम पर गांव के अजय परहईया, बीरबल बिरजिया दिलवाया था और तीनों लोगों से नौ हजार रुपये प्रति व्यक्ति ठगी कर लिया था . जब इसका विरोध किए तो बैंक के अधिकारियों को पैसा देना है बोलकर पैसा ले लिया . उन्होंने इसे लेकर लोहरदगा उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण और लोहरदगा जिला के अग्रणी शाखा प्रबंधक से मिलकर न्याय की गुहार लगाए जाने की बात कही है.

शिविर में एक दर्जन लोगों ने किया रक्तदान

मेदिनीनगर । आर्ट ऑफ लिविंग मेदिनीनगर के तत्वावधान में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. बता दें कि आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर जी का जन्मोत्सव कार्यक्रम हर वर्ष 13 मई को मनाया जाता है, लेकिन पलामू में 13 मई को चुनाव होने के कारण संस्था द्वारा 19 मई को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में योगा प्रशिक्षक रागिनी प्रकाश और प्रमोद कुमार सिंह के अलावा जय प्रकाश, विवेक कुमार, किशोर सिन्हा, अंकित तुलस्यान, अमित कुमार मीतू, अनुज कुमार एवं धीरेंद्र कुमार ने रक्तदान किया.

सिलाफारी में दो दिवसीय समर कैंप का समापन

गुमला । राजकीय कृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलाफारी में चल रहे दो दिवसीय समर कैंप रविवार को संपन्न हो गया. कैंप में राजकीय प्राथमिक विद्यालय चौली, प्राथमिक विद्यालय हुंडराटोली के स्कूली बच्चे शामिल हुए. समर कैंप में स्कूली बच्चों ने पेंटिंग, नाट्य मंचन, गीत नृत्य आदि में शामिल होकर मनोरंजन किया. प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी ओम प्रकाश दास ने कहा कि बच्चों के अधिगम स्तर में सुधार लाने में समर कैंप सहायक होगा. इस तरह का कार्यक्रम माह में एक बार अनिवार्य रूप से होना चाहिए.समापन कार्यक्रम में एचएम कनक भगत, मुक्ता मणि कुजूर, गजानंद साहु, किरण कुमारी, सिकंदर साहु, विक्की, नीता प्रसाद आदि शामिल थे.

स्वास्थ्य कर्मियों ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

बालूमाथ (लातेहार)। लोकसभा चुनाव को ले कर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह ऊपयुक्त गरिमा सिंह एवं लातेहार सिविल सर्जन डा अवधेश कुमार सिंह के निर्देश पर स्वास्थ्यकर्मियों ने मतदाता जागरूकता रैली निकाली. इस दौरान उन्होंने प्रखंड के मतदाताओं को 20 मैं को मतदान करने के लिए जागरूक किया. रैली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर से प्रारंभ हुई. कई चौक चौराहों का भ्रमण कर मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान करने को लेकर जागरूक किया. 'पहले मतदान फिर जलपान' सहित कई नारे लगाते हुए वापस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे.

मारवाड़ी युवा मंच ने लगाया स्वास्थ्य शिविर

मेदिनीनगर। मारवाड़ी युवा मंच डालटनगंज शाखा ने रविवार को बेलवाटीका चौक स्थित गांधी उद्यान पार्क में स्वास्थ्य जागृति शिविर का आयोजन किया. शिविर में बीपी, शुगर, डायबिटीज की जांच स्वास्थ्य विशेष अंतर्गत की जाती है. मारवाड़ी युवा मंच के सचिव सज्जन शंघई ने बताया कि मारवाड़ी युवा मंच द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीया रविवार को आयोजित किया जाता है. . मंच के डी-क्लब प्रभारी रवि कामदार ने बताया कि यह क्लब अब हर महीने की प्रथम एवं तृतीया रविवार को लगाया जाएगा. माह के प्रथम रविवार को यह लाल कोठा स्थित डॉ. बीआर अम्बेडकर पार्क में ओर तृतीया रविवार को बेलवाटिका चौक स्थित गांधी उद्यान पार्क में लगाया जाएगा.

मालगोदाम श्रमिक संघ धनबाद ईकाई का गठन

मेदिनीनगर । भारतीय रेलवे मालगोदाम श्रमिक संघ धनबाद इकाई की बैठक धनबाद डिवीजन अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई. बैठक के मुख्य अतिथि झारखंड प्रभारी राजकुमार पासवान के उपस्थिति थे. बैठक में सर्वसम्मति से धनबाद इकाई क्षेत्र के रेलवे माल गोदाम एवं गुड्स यार्ड साइडिंग में कार्यरत सोशल श्रमिकों के शोषण मुक्त करने उनके कानूनी अधिकार दिलाने एवं सांगठनिक विस्तार तथा मजबूती हेतु धनबाद इकाई का गठन किया गया . संयोजक संजय कुमार, अध्यक्ष-भीष्म नारायण सिंह उर्फ बिट्टू , उपाध्यक्ष विनोद कुमार पासवान, रूपेश कुमार, सचिव-संजय यादव, संगठन सचिव इंद्रदेव यादव, कोषाध्यक्ष-सुनीता देवी, सह कोषाध्यक्ष आशा देवी, कार्यकारिणी सदस्य-रंजीत यादव, दिनेश यादव, प्रकाश पंडित, कपिल देव यादव,सुभाष यादव, बबलू यादव,संतोष गुप्ता आदि शामिल थे.

दाता पीर बक्श शाह रहमतुल्लाह के उर्स पर चादरपोशी

हुसैनाबाद/पलामू। दाता पीर बक्श शाह रहमतुल्लाह अलैह के उर्स के पहला दिन दाता पीर बक्श शाह रहमतुल्ला अलैह के मजार स्थित मैदान में जलसा का आयोजन किया गया. जलसे की अध्यक्षता रांची के मौलाना उस्मान अहमद किबला व संचालन मौलाना नकीबुल कलाम ने किया . दाता पीर बक्श रहमतुल्ला अलेह की मजार पर कमेटी के द्वारा चादरपोशी भी की गई. मौलाना नकीबुल कलाम ने एक के बाद एक नात वा तकरीर करने वालों से रूबरू कराया. जलसा में तकरीर वा नात पढ़ने वालों में मुख्य रूप से मोजीबुर्रहमान , मोहम्मद शाहिद हसन रिज़वी, ताबे शैदा पालामुवी, मौलाना नेहाल फारूकी आदि मौजूद थे.

बेसंमो 23 को मनाएगा भगवान बुद्ध की जयंती

मेदिनीनगर। बेरोजगार संघर्ष मोर्चा सदस्यों की बैठक रविवार को जिला कार्यालय में हुई. बैठक की अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदय राम ने की. बैठक में चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की नियुक्ति की मांग को लेकर चलाया जा रहे आंदोलन की समीक्षा की गई. बैठक में 23 मई को भगवान बुद्ध की जयंती धूमधाम के साथ मनाने का निर्णय लिया गया. मोर्चा अध्यक्ष श्री राम ने कहा कि भगवान बुद्ध ने हर वर्ग एवं उम्र के लोगों को सदाचारी जीवन जीने की कला सिखाई. भगवान बुद्ध सत्य अहिंसा के पुजारी थे. नगर निगम वार्ड नंबर 20 के पूर्व वार्ड पार्षद निरंजन प्रसाद उर्फ लाल बाबू के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया. बैठक में अनिल राम, प्रेम कुमार, जयपाल मोची, किशना राम, संजीत कुमार आदि उपस्थित थे.

मनरेगा देवदरिया पंचायत क्षेत्र के विभिन्न गांवों में चल रहा कूप निर्माण कार्य

कूप निर्माण में हो रहा जंगल से लाये गये पत्थर का उपयोग

हुसैन अंसारी। किस्को(लोहरदगा)

जिले के किस्को प्रखंड क्षेत्र में मनरेगा योजना के नियमों को ताक में रखकर योजना कराए जाने का मामला प्रकाश में आया है. मनरेगा से किस्को प्रखंड के सूदूरवर्ती देवदरिया पंचायत में दर्जन भर से अधिक कूप निर्माण कार्य को सरकारी नियमों ताखें पर रख कर किया जा रहा है. योजना की लीपापोती कर राशि बंदरबांट किये जाने की सूचना है . पंचायत क्षेत्र में मनरेगा योजना से निर्मित कराई जा रही कूप निर्माण कार्य में स्थानीय जंगलों से वन विभाग के क्षेत्र से अवैध पत्थर खनन कर योजना में उपयोग किया जा रहा है.

18 लोगों को मिला कूप : बता दें कि मनरेगा के तहत ग्राम पंचायत देवदरिया के ख्वास उल्दाग निवासी पूनम तोपनो, मनिता देवी, मरथा लोमगा, गिलुवा देवी, मिठू मुंडा, सोपारंग निवासी प्रदीप भुइंया, विजय भुइंया व खड़िया निवासी उमेश तुरी, जुनस मुंडा, शांति देवी, महेश भुइंया एवं दमगड़वा निवासी अरविंद कोनगाड़ी, लावादाग निवासी बोधन गंझू जोबांग निवासी नवल सिंह, खुंभीखाड़ निवासी प्रदीप तोपनो और खरचा निवासी फुलदेव भुइंया, जमुनिया पानी निवासी निकोदिन तोपनो समेत कुल 18 लोगों को कूप निर्माण कार्य हेतु योजना मिली है.

लिखित आवेदन मिलने पर होगी जांचः डीडीसी

जंगल से अवैध पत्थर लाकर योजना में प्रयोग किये जाने की बात पूछने पर डीडीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि मामले की किसी भी लाभुक ने लिखित शिकायत नही की है . शिकायत मिलने पर मामले की जांच होगी . दोषी पाये जाने पर कार्रवाई होगी .

पत्थर खनन की होगी जांचः डीएफओ

मामले को लेकर वन प्रमंडल पदाधिकारी लातेहार से दूरभाष पर बात की गई तो उन्होंने कहा कि जांच पड़ताल कराई जाएगी . अवैध खनन मामले की सत्यता पाए जाने पर वन अधिकार अधिनियम के तहत निश्चित रूप से कार्रवाई किया जाएगा .

वनों से अवैध पत्थरों का हो रहा खनन : जिसमें वन विभाग क्षेत्र अंतर्गत वनों से अवैध पत्थर का खनन कर कूप निर्माण कार्य में उपयोग किया जा रहा है। यहां पर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न गांवों में मनरेगा योजना के तहत कूप निर्माण कार्य कराया जा रहा है.

लातेहार मंडल कारा में बंदियों को दी गयी कानून की जानकारी

संवाददाता। लातेहार

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह के निर्देश पर रविवार को मंडल कारा, लातेहार में जेल अदालत सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में बतौर मुख्य अतिथि प्राधिकार के सचिव शिवम चौरसिया व एसडीजेएम प्रणव कुमार ने बंदियों को अपने मुकदमें की स्थिति की जानकारी, प्ली बारगेनिंग, वन अधिनियम से संबंधित व अन्य सुलहनीय वादों की विस्तृत जानकारी दी. कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव शिवम चौरसिया

ने बंदियों की समस्या सुनी और शीघ्र उनकी समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया. उन्होंने कहा कि बंदियों को हर संभव सहायता देने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) प्रतिबद्ध है. उन्होने राष्ट्रीय लोक अदालत, मासिक लोक अदालत एवं मध्यस्थता के माध्यम से वाद को समाप्त करने की जानकारी दी. कहा कि वैसे बंदी जो अधिवक्ता रखने में सक्षम नहीं है, उन्हें सरकारी अधिवक्ता मुहैया करायी जाती है. एसडीजेएम ने बंदियों को रिमांड के समय तथा काराधीन होने के पश्चात मिलने वाले उनके अधिकारों की जानकारी दी. उन्होने जेल से निकलने के बाद समाज के मुख्य धारा से जुड़ने का आह्वान बंदियों से किया.

ब्रीफ खबरें

अधिवक्ताओं को ई फाइलिंग के लिए दिया गया प्रशिक्षण

चाईबासा। झालसा द्वारा एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव के निर्देश पर रविवार को विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में अधिवक्ताओं के बीच ई फाइलिंग को लेकर अधिवक्ताओं को वर्चुअल एवं फिजिकल प्रशिक्षण दिया गया. मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित मास्टर ट्रेनर अधिवक्ता अजीत कुमार विश्वकर्मा ने अधिवक्ताओं को ई-फाइलिंग, ई- कमेटी, ई- पे, तथा ई कोर्ट के लाभ के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारियां दी. इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला बार एसोसिएशन के महासचिव फादर अगस्टिन कुल्लू, अधिवक्ता प्रमोद प्रसाद, संतोष गुप्ता,सुकुमार दरीपा आलोक नंदा आदि शामिल थे.

भाजपा कपाली मंडल में निकाली बाइक रैली

चांडिल। भारतीय जनता पार्टी के चांडिल पूर्वी (कपाली) मंडल अध्यक्ष महेश कर्मकार की अध्यक्षता में रविवार को एनडीए गठबंधन के समर्थक और कार्यकर्ताओं ने बाइक रैली निकाली गई. बाइक रैली में भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री सह विधानसभा के संयोजक मधु गोराई, भाजपा नेता गणेश माहली मोटरसाइकिल में सवार होकर कार्यकर्ताओं के संग लोगों का अभिवादन किया. इस दौरान रैली में शामिल कार्यकर्ताओं ने एनडीए उम्मीदवार संजय सेठ के समर्थन में जमकर नारेबाजी की.

परसुडीह में सड़क किनारे से अज्ञात शव बरामद

जमशेदपुर। परसुडीह थाना अंतर्गत मतस्य विभाग के पास रविवार सुबह एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके के लोगों में हड़कंप मच गया. लोगों ने शव मिलने सूचना पुलिस को दी. सूचना पाकर परसुडीह पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. परसुडीह थाना प्रभारी फैज अकरम ने बताया कि सुबह स्थानीय लोगों शव मिलने की सूचना दी थी. पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. मृतक की पहचान नहीं हो पाई है. मृतक की उम्र लगभग 32 साल है.

बंगलाटांड में ट्रांसफॉर्मर खराब, लोग है परेशान

चक्रधरपुर। चक्रधरपुर शहर के वार्ड संख्या 19 बंगलाटांड़ धातकीडीह जाने वाले मोहल्ले में पिछले दो दिनों से बिजली ट्रांसफॉर्मर खराब रहने के कारण स्थानीय लोग परेशान है. भीषण गर्मी में बिजली समस्या रहने से स्थानीय लोगों ने शनिवार रात बिजली विभाग के प्रति जमकर नाराजगी जतायी. स्थानीय लोगों ने बताया कि क्षेत्र में लगभग पांच सौ से अधिक परिवार रहते हैं. यहां एक सौ केवी का बिजली ट्रांसफॉर्मर लगाये जाने के कारण बार-बार बिजली ट्रांसफॉर्मर खराब हो जाता है.एक सप्ताह पहले ही बिजली ट्रांसफॉर्मर लगाया गया था.

डायमंड किंग्स ने सात विकेट से जोहार इलेवन को हराया

किरीबुरु। किरीबुरू क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में तीसरा टी-10 डे-नाइट लोकल नॉकआउट टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारम्भ हुआ. प्रतियोगिता का उद्घाटन सेल, जेजीओएम के महाप्रबंधक नवीन कुमार सोनकुशरे, विशिष्ट अतिथि मेघाहातुबुरु के महाप्रबंधक वी के सुमन, सहायक महाप्रबंधक सुलभ दीक्षित, विकास मिश्रा, ईशान कठोते आदि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया. प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच में डायमंड किंग्स ने जोहार इलेवेन को 7 विकेट से पराजित किया. पहले बल्लेबाजी करते हुये जोहार इलेवेन ने 10 ओवर में 7 विकेट खोकर 64 रन बनाये.

मझगांव प्रखंड ग्रामीण जलापूर्ति योजना का हाल - बेहाल, एक माह से जलापूर्ति बंद

23 सौ परिवारों को नहीं मिल पा रहा पानी,बढ़ी परेशानी

संवाददाता। मझगांव

मझगांव प्रखंड ग्रामीण जलापूर्ति योजना बीते एक माह से बंद. 23 सौ परिवारों को नहीं मिल रहा है पानी. मझगांव प्रखंड ग्रामीण जलापूर्ति योजना मझगांव प्रखंड के बलियापोसी पंचायत के गुडगांव नदी से संचालित हो रही थी लेकिन बीते एक माह से नदी में पानी सूख जाने के कारण बलियापोसी पंचायत, पडसा पंचायत व मझगांव पंचायत के दर्जनों गांव के 23 सौ परिवारों को जलापूर्ति योजना का लाभ से जोड़ा गया है. लेकिन पिछले तीन-चार वर्षो से योजना चालू हुई है तब से प्रत्येक वर्ष मार्च माह के बाद ग्रामीण जलापूर्ति योजना बंद हो जाती है इस वर्ष भी नदी में पानी सूख जाने के कारण सप्लाई बंद कर दी गई है. क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों का आरंभ से ही मांग है की नदी में पानी स्टोर के लिए चेक डैम का निर्माण किया जाए. ग्रामीणों को सबसे ज्यादा परेशानी अप्रैल-मई माह में होती है क्योंकि अधिकतर तालाब कुएं सूख जाते है. जब लोगों को पानी की सबसे ज्यादा जरूरत होती है उस दौरान ही पानी सप्लाई बंद हो जाता है. क्षेत्र के ग्रामीण 42 - 44 डिग्री चिलचिलाती धूप में पानी के लिए भटकने को विवश हो जाते हैं. एक माह बीतने के बाद भी पीएचडी विभाग के पदाधिकारी मौन धारण किए हुए हैं. स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि विभाग को ग्रामीणों के परेशानी से कोई लेना-देना नहीं है.

क्या कहते है लोग

सागर पिंगुवा, सानपडसा ने कहा कि एक माह से ज्यादा हो गया गांव में एक बूंद पानी नहीं मिला है हम लोग दूसरे गांव से पानी लाकर काम चला रहे हैं.

आफताब अंसारी, सानपडसा ने कहा कि पानी बंद होने के बाद से यहां वहां से पानी लाना पड़ रहा है. इस योजना के बाद से गांव में दूसरा योजना भी नहीं मिल रही है विभाग को ग्रामीणों का समस्या समझना चाहिए.

मो अंजार, मझगांव ने कहा कि पूरे बस्ती के लोग लाभुक तो बने लेकिन एक दिन भी पानी नसीब नहीं हुआ, विभाग बिना नाप खोल के ही पाइपलाइन बिछा दी.

सावित्री बिरुवा, पडसा ने कहा कि पानी बंद होने से काफी परेशानी हो रही है, तालाब से पानी लाकर कार्य चल रहा है, सबसे ज्यादा परेशानी पीने के पानी में हो रही है.

मो मुमताज़, मझगांव ने कहा कि सरकार करोड़ों रुपए खर्च कर ग्रामीणों को पानी मुहैया करवाने के लिए योजना आरंभ करी थी, लेकिन ग्रामीणों को कोई फायदा नहीं सिर्फ ठेकेदारी हुई है.

लंकेश्वर तामसोय, जिप सदस्य मझगांव ने कहा कि विभाग के पदाधिकारी को बार-बार अवगत कराया जा रहा है,कि नदी में पानी स्टोर के लिए जल्द से जल्द व्यवस्था किया जाए ताकि ग्रामीणों को पानी मिल सके.

घाटशिला में भाजपा के चुनावी सभा में विपक्ष पर जमकर बरसे मरांडी

झारखंड राज्य का गठन भाजपा की देन: बाबूलाल

संवाददाता। घाटशिला

झारखंड राज्य का गठन पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के प्रयास से ही हुआ था. वर्षों से अलग राज्य की मांग की जा रही थी पर विरोधियों ने अलग राज्य के लिए प्रयास नहीं किया भाजपा सरकार में आई तो अलग राज का गठन किया. उक्त बातें झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा. उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से झारखंड में लूट मची है या किसी से छुपी नहीं है मंत्री के का के नौकर के घर से करोड़ रूपया मिल रहा हैं.

केंद्र सरकार के कार्यकाल में आंतरिक तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुआ विकास : मुंडा

घाटशिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन से पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा किए गए कार्यों से आंतरिक तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकास हुआ है चाहे आर्थिक क्षेत्र में हो या आईटी क्षेत्र में विकास का डंका पूरे देश में ही नहीं विदेश में भी बज रहा है. रेलवे से लेकर नेशनल हाईवे तक की चौमुखी विकास हुआ है. झारखंड खनिज संपदा से भारत है इसके बावजूद यहां के लोग गरीब हैं इसका कारण है कि विरोधी दलों को विकास की सोच ही नहीं है.

महागठबंधन को नहीं मिल रहा था प्रत्याशी : सुदेश महतो

घाटशिला। पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने मऊभंडार में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि महागठबंधन को लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी ही नहीं मिल रहा था. जमशेदपुर लोकसभा से अंतिम समय में एक ऐसे व्यक्ति को प्रत्याशी बनाया जो वर्तमान में बहरागोड़ा से विधायक हैं उनके ऊपर कई मामले दर्ज है. इसी तरह पूरे देश में यही हाल है.

प्रधानमंत्री की सभा में लोगों का उत्साह चरम पर,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रविवार को मऊभंडार में आयोजित जनसभा में लोग सुबह 8 बजे से ही पंडाल में प्रवेश करना शुरू कर दिया. 10 बजते बजते तक पूरा पंडाल जन समूह से उमड़ पाड़ा. काफी संख्या में लोग पंडाल के बाहर चिलचिलाती धूप में खड़े होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सुना. सुरक्षा की दृष्टिकोण से सुरक्षा में तैनात पुलिस पदाधिकारी एवं जवानों ने लोगों को पानी की बोतल पंडाल के अंदर ले जाने के अनुमति नहीं दी इसके कारण गर्मी में पानी पीने के लिए लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा. इसके बावजूद आजसू तथा भाजपा के समर्थक विभिन्न वेशभूषा में सभा स्थल पहुंचे थे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर लोगों में उत्साह चरम पर था. मोदी के मंच पर आते मोदी मोदी के नरा से पूरा पंडाल गूंज उठा. सभा समाप्त होने के बाद पूरी सड़क पर जन सैलाब दिखाई पड़ा.

मोदी की सभा से संबंधित झलकियां

कमल फूल वाली साड़ी पहनी पंहुची महिलाएं : पीएम नरेंद्र मोदी की सभा में महिलाओं में उत्साह देखा गया. अपने छोटे छोटे बच्चों को लेकर भी महिलाएं दिखी. वंही कई महिलाएं कमल फूल वाली साड़ी पहनकर पंहुची थी. उपस्थित महिलाएं किसी भी हाल में पीएम मोदी को एक झलक देखना चाहती थी. पंडाल में भारी उमस के बावजूद मंच के पास धीरे-धीरे बढ़ने का प्रयास कर रही थी.

पीएम का पोट्रेट लेकर पंहुचे युवा, पीएम ने कहा चिट्ठी लिखुंगा : पीएम मोदी का पोट्रेट लेकर कई युवा और बच्चे पंहुचे थे. पीएम ने अपने सुरक्षा में तैनात जवानों से पोट्रेट लेने को कहा. पीएम ने कहा कि पोट्रेट के पिछे अपना नाम और पता लिख दें, मैं तुम्हें चिट्ठी लिखुंगा. इससे पोट्रेट लेकर खड़े बच्चे काफी खुश दिखे. जादूगोड़ा का रजनीश मन्ना भी भगवान बिरसा और पीएम का सुंदर पोट्रेट लेकर पंहुचे थे.

टाइट थी सिक्योरिटी, : पीएम की सभा में मेटल डिटेक्टर से होकर लोगों जाने दिया गया. सभा में आने वाली महिलाओं के पर्स की तलाशी महिला पुलिस द्वारा की गई. सभा स्थल में पानी का बोतल ले जाने पर भी रोक लगाई गई थी.

मोदी से सभी को थी आस पर बंद कंपनी के मुद्दे पर नहीं कही कोई बात

संवाददाता। घाटशिला

रंकणी की मिट्टी को पीएम मोदी ने किया प्रणाम

घाटशिला। पीएम ने सभा के दौरान जब मंच पर चढ़े तो संबोधन का शुभारंभ मां रंकणी के इस मिट्टी को प्रमाण कर किया, लेकिन अपने संबोधन के दौरान मोदी बार जार जमशेदपुर का नाम लेते रहे थे लेकिन जहां सभा घाटशिला में हो रही थी, उस स्थान का नाम अपने 27 मिनट के संबोधन के दौरान एक बार भी नाम नही लिया. इससे लोगों में निराशा देखने को मिली. लोगों को कहना था कि घाटशिला की धरती शुरु से एतिहासिक रही है, यहा पांच पांडव जैसे सुरमाओ का पैर पड़ा था, यहां के तांबा का उपयोग राम मंदिर जैसे पावन मंदिर में उपयोग हुआ, इस सब के वावजूद घाटशिला के नाम का जिक्र सभा के दौरान मोदी को नही करना लोगों को निराश हुए.

प्रधानमंत्री मोदी के आने से लोगों को यह उम्मीद थी कि घाटशिला, मुसाबनी एवं जादूगोड़ा क्षेत्र में जितने भी माइंस पिछले चार पांच वर्षों से बंद पड़े है, और क्षेत्र के लगभग 20 हजार से अधिक लोग प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रुप से बेरोजगार है. उनके बीच उम्मीद की किरण जगाने को लेकर अपने सभा के दौरान जरुर कोई घोषणा करेंगे, लेकिन कंपनी खोलने की घोषणा तो दूर बंद कंपनी के बारे में एक बार भी मंच से जिक्र नही किया. आश्चर्य की बात तो यह है कि जिस मैदान में मोदी की सभा हो रही थी, वह भी एचसीएल/आईसीसी कंपनी की है जो पिछले पांच साल से बंद पड़ी है. इससे सभा में आये लोगों को काफी निराशा हुई और लोगों के यह कहते सुना गया कि मोदी को कंपनी बंदी के बारे में संभवतः स्थानीय सांसद ने जानकारी ही नही दिया होगा. मोदी के यहां से चले जाने के बाद अब कंपनी कभी खुलेगी कम ही उम्मीद है, क्योंकि मोदी उम्मीद की अंतिम किरण थे. जानकारी के अनुसार वर्ष 2019-2020 से ही मउभंडार एचसीएल फैक्ट्री, सुरदा माइंस, केंदाडीह माइंस, पाथरगोड़ा माइंस, राखा माइंस मुसाबनी कंस्ट्रेटर प्लांट आदि पुरी तरह बंद है इन माइंसों को मिलाकर लगभग 15 से 20 हजार लोग बेरोजगार हो चुके है.

धालभूमगढ़ में एयरपोर्ट खोलने को लेकर जगा गये उम्मीद : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सभा में जिक्र करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार धालभूमगढ़ में एयरपोर्ट खोलना चाहती है लेकिन राज्य सरकार बार बार कुछ ना कुछ अड़चन डालकर शुरु नही होने दे रही है. क्योंकि राज्य सरकार नही चाहती की झारखंड का विकास हो. लेकिन केंद्र सरकार धालभूमगढ़ मे एयरपोर्ट बनाने को लेकर पहल जरुर करेंगे. मोदी के इस संबोधन से लोगों में यह उम्मीद जगने लगी है कि चुनाव के बाद धालभूमगढ़ में एयरपोर्ट बनाने को लेकर केन्द्र सरकार जरुर पहल करेगी.

यशस्विनी सहाय के समर्थन में निकाली मोटरसाइकिल रैली

संवाददाता। चांडिल

रांची संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से महागठबंधन के उम्मीदवार यशस्विनी सहाय के समर्थन में रविवार को झामुमो और कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ताओं ने बाइक रैली निकाली और जन संपर्क अभियान चलाकर मतदाताओं से समर्थन मांगा. चांडिल प्रखंड अंतर्गत भादुडीह व रूदिया पंचायत क्षेत्र में झामुमो व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मोटरसाइकिल रैली निकालकर जनसंपर्क अभियान चलाया. मौके पर सभी गांवों में महागठबंधन के प्रत्याशी यशस्विनी सहाय के पक्ष में मतदान कर उन्हें भारी मतों से विजय बनाने की अपील किया गया. लोकसभा चुनाव के लिए 25 मई को होने वाले मतदान में कांग्रेस महागठबंधन के पक्ष में मतदान करने की अपील की गई.

झामुमो ने भी झोंकी ताकत : रांची लोकसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय की जीत सुनिश्चित करने के लिए झामुमो कार्यकर्ताओं ने पूरी ताकत झोंक दी है.

समस्या | सुखाड़ में यह हाल तो बरसात में क्या होगा,लोग परेशान

बाजार के मुख्य मार्ग पर बह रहा है नाला का पानी

संवाददाता। आदित्यपुर

गम्हरिया बाजार के मुख्य मार्ग पर नाला का गंदा पानी खुले सड़कों पर बह रहा है. जब भरी गर्मी और सुखाड़ में यह हाल तो बरसात में क्या होगा ? गम्हरिया के पार्षद सिद्धनाथ सिंह कहते हैं कि मुख्य मार्ग के नाला की साफ सफाई का जिम्मा सड़क निर्माण एजेंसी जेएआरडीसीएल की है जो पिछले 2 साल से मुख्य मार्ग के नाला की सफाई नहीं कराई है, जिसके वजह से आज भरी गर्मी में नाला का गंदा पानी ओवर फ्लो होकर मुख्य मार्ग पर बह रहा है.

बता दें कि कांड्रा सड़क निर्माण एवं रखरखाव करने वाली कंपनी जेएआरडीसीएल की लापरवाही से सैंकड़ों लोग बदबूदार पानी से होकर आवाजाही करने को विवश हैं. इससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. कंपनी के जवाबदेह पदाधिकारी भी मूकदर्शक बन हाथ पर हाथ धर कर बैठे हैं. बता दें कि आदित्यपुर नगर निगम वार्ड 5 स्थित दुर्गापूजा मैदान के पास सर्विस रोड पर निरंतर गंदा पानी बह रहा है. इससे उस रोड से आने-जाने लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं.

पार्षद सिद्धनाथ सिंह समेत स्थानीय लोगों ने जिले के डीसी से कई बार जेएआरडीसीएल कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ है. उक्त कंपनी पर निर्माण से लेकर 15 साल तक रखरखाव करने की राज्य सरकार के साथ इकरारनामा है. इसके बावजूद नियमित रूप से सड़क एवं नाले की साफ सफाई नहीं हो की जा रही है. इसकी मोनिटरिंग करने वाले पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता गणेश हेम्ब्रम ने भी जेएआरडीसीएल कंपनी पर रखरखाव की जिम्मेदारी कह कर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं. वे केवल इतना कहते हैं कि कंपनी को निर्देश दिया जाएगा. वहीं जेएआरडीसीएल कंपनी के साइट इंचार्ज रजनीश कुमार ने बताया कि अतिक्रमण के कारण नाले की साफ-सफाई करने में कठिनाई हो रही है.

न्यूज अपडेट

काली मंदिर के मुख्य गेट के ऊपर फेंकी गंदगी

चक्रधरपुर। चक्रधरपुर शहर के टाऊन काली मंदिर के मुख्य गेट के ऊपर शनिवार देर रात एक मानसिक रूप से बीमार महिला ने गंदगी फेंक दिया . इसकी जानकारी रविवार को स्थानीय लोगों हुई . मामले की सूचना स्थानीय लोगों द्वारा चक्रधरपुर थाना को दिये जाने के बाद थाना प्रभारी राजीव रंजन व थाना के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल किया. साथ ही सीसीटीवी फुटेज को भी देखा गया . जिसमें पाया गया कि देर रात लगभग दो बजे एक महिला हाथ में एक प्लास्टिक में गंदगी रखे हुये मंदिर के मुख्य गेट पर फेंक कर चलते बनी. चक्रधरपुर पुलिस ने रविवार को मंदिर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल किया . जांच में महिला की चक्रधरपुर के वार्ड संख्या सात निवासी एक मानसिक रूप से बीमार महिला के रूप में हुई . इसके बाद पुलिस ने महिला को पकड़कर पूछताछ कर छोड़ दिया.

एक जून से चालीसवां घल्लुघारा दिवस, छह को अरदास

जमशेदपुर। पूरी दुनिया की सिख संगत एक जून से लेकर छह जून तक चालीसवां घल्लुघारा (नरसंहार,) दिवस मनाएगी . छह जून की सुबह सभी गुरुद्वारों में अरदास (प्रार्थना) होगी. बारीडीह गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान एवं राष्ट्रीय सनातन सिख सभा संयोजक कुलविंदर सिंह ने सर्वोच्च धार्मिक पीठ तख्त श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार सिंह साहिब ज्ञानी रघुवीर सिंह के आदेश का हवाला दिया. कुलविंदर सिंह के अनुसार साल 1984 में तत्कालीन केंद्र सरकार के आदेश पर श्री अकाल तख्त साहब एवं श्री दरबार साहिब पर टैंको एवं तोप के गोले दागे गए. मशीनगन से गोलियां चलाई गईं. हजारों श्रद्धालु शहीद हुए.

गोलमुरी चौक पर राहगीरों के बीच चना-शर्बत वितरण

जमशेदपुर। सिखों के पांचवें गुरु व शहीदों के सरताज श्री गुरु अर्जन देव जी के शहादत दिवस पर रविवार को जेम्को सिख नौजवान सभा की ओर से गोलमुरी चौक पर छबील का आयोजन किया गया. परंपरा के अनुसार गोलमुरी चौक पर अरदास हुई. उसके बाद राहगीरों के बीच शर्बत और चना प्रसाद का वितरण किया गया. इस दौरान अमनदीप सिंह ने बताया कि गुरु जी की याद में छबील लगाई गई. उन्होंने कहा कि सभी को गुरु अर्जन देव जी के बताये मार्ग पर चलना चाहिए.

चांडिल में जेएलकेएम चला रहा जन संपर्क अभियान

चांडिल। रांची लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में निर्दलीय उम्मीदवार देवेंद्र महतो के पक्ष में समर्थन जुटाने के लिए जेबीकेएसएस और जेएलकेएम संगठन के सदस्य गांव-गांव में जन संपर्क अभियान चला रहे हैं. चुनाव प्रचार ईश्वर चंद्र कुमार, धीरेन कुमार, बाबू सिंह मुंडा, अबनी मंडल बादल चंद्र महतो, गंगाधर महतो, अशोक कुमार महतो, प्रमेश्वर महतो, परीक्षित महतो, पिताम्वर महतो,राजेश महतो, उकील चंद्र महतो, पुलकेस महतो, केशव महतो,आदि शामिल थे.

गीता कोड़ा ने ईचागढ़ में चलाया जन संपर्क अभियान

चांडिल। सिंहभूम संसदीय क्षेत्र की सांसद गीता कोड़ा ने ईचागढ़ क्षेत्र में रांची लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के एनडीए उम्मीदवार संजय सेठ के लिए चुनाव प्रचार किया. इस दौरान उन्होंने ईचागढ़ व चांडिल प्रखंड के दर्जनों का गांव में जन संपर्क अभियान चलाकर लोगों से संजय सेठ के लिए समर्थन मांगा. उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए रांची से संजय सेठ को जीताना होगा. तरक्की और देश को शक्तिशाली बनाने के लिए भाजपा की सरकार बनानी होगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए बुनियादी सुविधाओं का आधुनिकीकरण कर रहे हैं. सांसद गीता कोड़ा ने देश की विकास में सहभागिता निभाने के लिए लोगों से भाजपा को वोट देने की अपील की.

गणित विभाग का पांच दिवसीय कार्यशाला शुरू

आदित्यपुर। आदित्यपुर स्थित एनआईटी जमशेदपुर में रविवार की सुबह गणित विभाग ने फ्लूइड डायनेमिक्स, एनएम-फ्लुइड्स 2024 (19 मई से 23 मई 2024 तक) के लिए संख्यात्मक और मशीन लर्निंग तकनीकी पर 5 दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ. इस अवसर पर निदेशक प्रो. गौतम सूत्रधार, उप निदेशक प्रो. आरवी शर्मा, डीन प्रमुख, संकाय सदस्य और प्रतिभागी उपस्थित थे. गणित विभाग के अध्यक्ष डॉ. राज नंदक्युलियार ने सभी का स्वागत किया . कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. रजत त्रिपाठी द्वारा पाठ्यक्रम संरचना प्रस्तुत की गई. निदेशक प्रो. गौतम सूत्रधर ने इस अवसर पर अपनी प्रारंभिक टिप्पणी के साथ संबोधित किया.

मोमिन कॉन्फ्रेंस मेधावी छात्रों को करेगी सम्मानित

चाईबासा। प सिंहभूम जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस के तत्वावधान में झारखंड बोर्ड से मैट्रिक और इंटर में प्रथम श्रेणी से पास होने वाले मेधावी विद्यार्थियों को 23 मई को सम्मानित किया जाएगा. 23 मई की सुबह 10.30 बजे बड़ी बाजार स्थित उर्दू लाइब्रेरी में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है.

IN THE COURT OF SRI PRAVEEN KUMAR
Executive Magistrate,
Bermo at Tenughat, Dist. Bokaro

AFFIDAVIT

I, **Sabita Devi** S/O Mukesh Kumar Mahto, aged about 27 Yrs., resident of Village-Karrikhurd, P.O.-Konar Dam, P.S.- Chatro Chatti, District- Bokaro (Jharkhand), Aadhar No.5267 9020 5178 do hereby solemnly affirm and declare as follows:-

1. That, my nationality is Indian.
2. That, my real and correct name is Sabita Devi as per my Aadhar card vide No. 5267 9020 5178.
3. That, in my Bank A/C as well as Pass book of Bank of India, Swang Colliery Branch vide AC No. 489818210001156 my name has been wrongly mentioned as Sabita Kumari. There must be mentioned my correct name as **Sabita Devi** in place of **Sabita Kumari**.
4. That, I am swearing this affidavit to get mention my real and correct name **Sabita Devi** in place of **Sabita Kumari** in my aforesaid Bank Account as well as Passbook and to produce it before the authority concerned for needful purpose.
5. That, the contents of this affidavit are true and correct, nothing has been concealed by me and if any contents found false or incorrect then I am liable for the same.

Affidavit no : 736 date : 16.02.24

BEFORE THE NOTARY PUBLIC, AT DHANBAD

AFFIDAVIT

I, **Kiran Sinha** wife of Ravi Bhushan Shrivastava, aged about_41 years, by faith Hindu, by occupation- house wife / business, Residence of Bharat Niwas, Chiragora, Shamshan road, behind Mission of Knowledge school, Hirapur, P.O, P.S, & District Dhanbad (Jharkhand), do hereby solemnly affirm on oath & declare as follows.

1. That, I am residing in a for a mentioned address.
2. That, I have a son namely Ritesh Kumar s/o, Ravi Bhushan Shrivastava who is married now.
3. That, my said son Ritesh Kumar is working in Kolkata and doing a private job there in Kolkata and living there.
4. That, there is no any concern and relationship with me and my son as because my said son does not have any respect towards parents and which has happened due to instigation by his wife hence I am dispossessing my said son from my moveable and immovable properties from today.
5. That, my said son is living separately from and me and my husband as well as his mess is also separate from me and my husband,
6. That, If anything happens and done by my said son then I and my husband is not responsible for any mis-deed made by my said son Ritesh Kumar, As I have dispossessed him (my son) from us completely.
7. That, my afore mentioned statements are true and correct to the best of my knowledge, Information & belief, I have concealed nothing in it nor any part here of is false or Incorrect.
8. That, I along with my husband will not responsible for legal and Illegal work of my said son namely Ritesh Kumar.
9. That, I am swearing this affidavit to produce it before the Authority concern for needful purpose.

Affidavit No. 45, Dt. 17 May 2024

Formate C- 1

(For candidate to publish in Newspaper , TV)

Desclaration about Criminal Cases

(As per the judgment dated 25th September 2018 of Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) No. 536 of 2011(Public Interest Foundation & Ors Vs. Union Of India & Anr.)

Name and address of candidate:- **ANIRUDH KUMAR, AT & P.O Harli, P.S –Barkagaon, Dist.- Hazaribagh, JHARKHAND**
Name of Political Party :- **COMMMUNIST PARTY OF INDIA**
(Independent candidate should write "Independent" here)Name of Election: **Lok Sabha Election 2024**
Name of Constituency: **Hazaribagh (14) Parliament Constituency**

I **ANIRUDH KUMAR** (name of candidate) a candidate for the abovementioned election,declare for public information details about my criminal antecedents.

(A) Pending criminal cases

SL. No.	Name of Court	Case No. and Dated	Status ofCase(s)	Section (s) of Acts concerned and briefdescription of offence(s)
01	Court of Abhinaw Kumar Judicial Magistrate	COMPLAIN NO-2229/18	PENDING	U/S-120B/147/148/149/448/341/323/504/506/295/295A /296/297/354/354A/379/384/385/386 AND 27 ACT
02	Court of Vivek Kumar 1st Class Hazaribagh	GR-55/2007	PENDING	U/S-147/148/149/323/553/504/379/307 AND 3(2) PREVENTION OF DAMAGE TO PUBLIC PROPERTY ACT

(B) Details about cases of conviction for criminal offences

SL. No.	Name of Court & date(s) of order(s)	Description of offence(s)& punishment imposed	Maximum Punishment Imposed
01	NA	NA	NA
02	NA	NA	NA

***In the case election to council of states or election to Legislative council by MLAs, mention the electionconcerned in place of name of constituency.**

ANIRUDH KUMAR

ब्रीफ खबरें

बीच सड़क छात्रा से छेड़छाड़ व मारपीट

जयनगर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत परसाबाद में बीच सड़क पर एक नाबालिग लड़की के साथ मारपीट व छेड़छाड़ का मामला प्रकाश में आया है. इसको लेकर छात्रा की मां ने कटिया पुलिस पिकेट में आवेदन देकर मामला दर्ज कराया है. उन्होंने बताया है कि उसकी पुत्री समान लाने परसाबाद गई थी. रास्ते में थाना क्षेत्र के गडगी निवासी महेश पासवान का पुत्र पप्पू पासवान दोपहिया वाहन के साथ घात लगाकर बैठा था. वह समान लेकर अपने घर की ओर आ रही उसकी बेटी के साथ परसाबाद रेलवे फाटक के समीप बीच सड़क पर छेड़छाड़ व मारपीट करने लगा और बाल पकड़ कर पटक दिया, जिससे पुत्री का नाक से खून आने लगा. सूचना मेरे पति को मिली तो उन्होंने पुत्री को घायल अवस्था में निजी क्लिनिक में इलाज करवाया.

फलाहारी बाबा के बैकुंठ उत्सव पर अनुष्ठान कल

चौपारण। चौपारण बिगहा स्थित राजागढ़ में सिद्ध महंत फलाहारी बाबा के द्वितीय बैकुंठ उत्सव पर दो दिवसीय विशेष पूजनोत्सव का आयोजन श्री हनुमत सेवा संस्थान द्वारा में किया गया है. संस्थान के आनंद चंद्रवंशी ने बताया कि 21 व 22 मई को विशेष पूजा का आयोजन होगा. इस दौरान रामायण पाठ, बाबा की प्रतिमा का अभिषेक, विशेष आरती, हवन तथा महाभंडारे का आयोजन होगा. आयोजन में पूरे क्षेत्र से हजारों की संख्या में लोग जुटते हैं. बताते चलें कि महाराजगंज बिगहा का हनुमत मंदिर, शिव मंदिर, गढकाली मंदिर, गढ़वाल देव मंदिर के साथ ही महंत फलाहारी बाबा का सुंदर मंदिर एक ही परिसर में है. यह पूरा परिसर अद्भुत आस्था और शक्ति का केंद्र है. दो वर्ष पूर्व महंत फलाहारी बाबा ने इसी कुटिया में समाधि ली थी.

लोकतंत्र का महापर्व : हजारीबाग सीट पर आज 19 लाख मतदाता करेंगे 17 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला

प्रत्याशियों की पारी खत्म, अब वोटरों की बारी

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

होगा वही, जो मतदाताओं ने तय कर रखा है, लेकिन चुनावी शंखनाद और टिकट की घोषणा के बाद से मौसमी कहर झेल जनता के बीच जिन्होंने पसीना बहाया, उसका सुखद फलाफल भी किसी एक प्रत्याशी को मिलना तय है. अब सिर्फ एक अपील कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए हजारीबाग 24 लोकसभा क्षेत्र में हर मतदाता घर से निकलें और मतदान अवश्य करें. मतदाता लोकतंत्र के सजग प्रहरी हैं. स्वतंत्र भारत के संविधान में आस्था रखते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग 20 मई को सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक अवश्य करें. अब प्रत्याशियों की पारी खत्म हो गई. पहले चुनाव प्रचार और पिछले 24 घंटों में डोर-टू-डोर जनसंपर्क कर मतदाताओं को रिझाया.

सोमवार को हजारीबाग संसदीय क्षेत्र से करीब 19 लाख मतदाता 17 प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में बंद कर देंगे. फिर चार जून तक बेसब्री से उन नतीजों की प्रतीक्षा होगी, जिनकी जमीनी परिश्रम को सर्वाधिक जनमत मिलेगा और विजयी का सेहरा पहन जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा चुना हुआ ताज बतौर सांसद धारण करेंगे. चलते-चलते मतदाताओं से इतनी इल्तजा होगी कि खुद वोट दें और आसपास के मतदाताओं को भी अपने लोकतांत्रिक अधिकार का इस्तेमाल हर हाल में करने के लिए प्रेरित करें.

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में 20 मई को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के लिए मतदान होगा. संसदीय क्षेत्र के करीब 19 लाख मतदाता 17 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला अपने मताधिकार से करेंगे. भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने क्षेत्र के मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि लोग सिर्फ वोटर नहीं बल्कि मोटीवेटर बनें और स्वयं वोट करें तथा अपने परिवार के अन्य सदस्यों, आस- पड़ोस वालों एवं रिश्तेदारों से भी वोट जरूर कराएं. स्वस्थ लोकतंत्र के लिए एक-एक मतदाता अपने घरों से निकलें और मतदान जरूर करें.

- मतदानकर्मियों ने बूथों पर गुजारी रात, आज सुबह से कराएंगे वोटिंग
- जिला प्रशासन की ओर से मतदान की तैयारी पूरी, मतदाता भी तैयार

महिला मतदान पदाधिकारियों को माला पहनाकर बढ़ाया गया हौसला, अधिकारियों ने किया रवाना

रामगढ़। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत 14 लोकसभा क्षेत्र हजारीबाग-रामगढ़ के लिए 20 मई को होने वाले मतदान के मद्देनजर रामगढ़ जिले में कुल 14 ऐसे मतदान केंद्र बनाए गए हैं. रविवार को वरीय पदाधिकारी जिला निर्वाचन समन्वय कोषांग सह अपर समाहर्ता गीतांजलि कुमारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी रंजीता टोप्पो, जिला पंचायती राज पदाधिकारी निशा कुमारी सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारियों, अधिकारियों के द्वारा महिला मतदान पदाधिकारियों को पुष्प मालाएं पहनाकर उनका हौसला बढ़ाया गया. इसके बाद अधिकारियों ने सभी महिला मतदान पदाधिकारियों को सफलतापूर्वक निर्वाचन संपन्न कराने की शुभकामनाएं देते हुए रामगढ़ महाविद्यालय रामगढ़ में बनाए गए डिस्पैच सेंटर से रवाना किया.

मतदान के लिए रामगढ़ जिला प्रशासन तैयार

रामगढ़। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक डॉ बिमल कुमार सहित जिला स्तरीय वरीय अधिकारी, अधिकारी रामगढ़ महाविद्यालय रामगढ़ में बनाए गए डिस्पैच सेंटर पर डिस्पैच कार्य के दौरान मौजूद रहे.

बता दें कि इस बार 742735 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे. इसमें 22 बड़कागांव में 386615 मतदाता 197437 पुरुष, 187375 महिलाएं एवं 12 ट्रांसजेंडर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे. 23 रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 356120 मतदाता 181672 पुरुष एवं 174448 महिलाएं अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगी. 22 बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के लिए 237 भवनों में 456 बूथ बनाए गए हैं. वहीं 23 रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए 229 भवनों में 402 बूथ बनाए गए हैं. महिला मतदान पदाधिकारियों द्वारा 14 मतदान केंद्र संचालित किए जाएंगे. निर्वाचन के मद्देनजर 6 युवा मतदान केंद्र, 6 दिव्यांग मतदान केंद्र, 32 पर्दानशी मतदान केंद्र एवं विशेष थीम के तहत 6 मतदान केंद्र बनाए गए हैं. सफलता पूर्वक मतदान संपन्न कराने के लिए मतदान केन्द्रों पर 22 बड़कागांव के लिए 2156 एवं 23 रामगढ़ के लिए 1892 मतदान पदाधिकारी कार्य में लगे हैं.

चुरचू : 54 बूथों पर 42795 मतदाता करेंगे मत का प्रयोग

चरही। प्रखंड में सोमवार को लोक सभा चुनाव को देखते हुए चुरचू बीडीओ ललित राम, चुरचू सीओ, पंचायती राज पाधिकारी त्रिदेव कुमार प्रखंड क्षेत्र में बने विभिन्न मतदान केंद्रों पर निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया. लोकसभा चुनाव के लिए चुरचू प्रखंड में कुल 54 मतदान केंद्र बनाए गए हैं. जिसमें 23 बूथ गंभीर रूप से चिन्हित किए गए हैं. बाकी 31 बूथ सामान्य बूथ के रूप चिन्हित किया गया है. प्रखंड में कुल 42795 मतदाता उम्मीदवारों के किस्मत तय करेंगे.

लोकतंत्र का महायज्ञ संपन्न कराने को तैयार मतदानकर्मी

हजारीबाग। लोकतंत्र का महायज्ञ संपन्न कराने के लिए 20 मई को मतदानकर्मी रवाना हो चुके हैं. पीठासीन पदाधिकारियों के साथ फर्स्ट, सेकेंड और थर्ड पोलिंग मतदान कर्मी निर्धारित बड़े-छोटे वाहनों से रविवार को संबंधित बूथों पर पहुंचे. विभिन्न कागजी प्रक्रिया पूरी करने बाद अब सोमवार को मतदाताओं की चुनावी प्रक्रिया में सहयोग करेंगे. हजारीबाग 14 लोकसभा क्षेत्र से 17 प्रत्याशियों की किस्मत करीब 19 लाख मतदाता अब कुछ ही देर में ईवीएम में बंद करना शुरू करेंगे. सभी चुनाव कर्मी यहां विनोबा भावे विश्वविद्यालय, बाजार समिति प्रांगण और संत कोलंबा कालेज में बनाए गए चुनावी सामग्री वितरण सेंटर से सामान लेकर संबंधित वाहनों से अपने-अपने गंतव्य की ओर निकले. चुनावी सुरक्षा में सेंट्रल पुलिस फोर्स की 41 कंपनियां, 4253 डिस्ट्रिक्ट आर्म्ड पुलिस, 2295 होमगार्ड और 1473 पुलिस ऑफिसर लगाए गए हैं. वहीं 1866 पोलिंग बूथों पर हर तरह की सुविधाएं दी गई हैं. हजारीबाग जिले के चुनाव में करीब 8449 मतदानकर्मियों को लगाया गया है. इसमें जोनल मजिस्ट्रेट 39, माइक्रो आब्जर्वर 177 और 310 सेक्टर मजिस्ट्रेट सहयोग कर रहे हैं.

डिक्की तोड़ पौने तीन किलो चांदी ले उड़े उचक्के, शिकायत हुई दर्ज

संवाददाता। रामगढ़

चार आज्ञात उचक्के शनिवार देर शाम चितरपुर चट्टी बाजार से मोटरसाइकिल की डिक्की तोड़कर लगभग पौने तीन किलो चांदी लेकर फरार हो गए. इस बाबत भुक्तभोगी चितरपुर निवासी मथुरा प्रसाद स्वर्णकार ने रजरप्पा थाना में लिखित आज्ञात लोगों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराया गया है. थाने में दिए आवेदन के अनुसार उनका कहता है कि शनिवार देर शाम को वह अपने स्टाफ पप्पू स्वर्णकार के साथ लगभग टीम किलो चांदी लेकर शनिचरा हाट रामगढ़ गया हुआ था. 250 ग्राम चांदी बेचकर बचे हुए पौने तीन किलो चांदी के साथ अपने मोटरसाइकिल में सवार होकर वापस चितरपुर स्थित अपने दुकान आलोक ज्वेलर्स पहुंचा. सड़क पर मोटरसाइकिल खड़ा कर अपने दुकान के अंदर चला गया. 10 मिनट के बाद जैसे ही मैं अपने मोटरसाइकिल के पास पहुंचा, तो देखा कि डिक्की का ताला टूटा हुआ है. डिक्की खोलकर देखा तो उसमें रखे लगभग पौने तीन किलो चांदी गायब था, जिसकी कीमत लगभग 2 लाख 35 हजार के करीब है. इसके तुरंत बाद हमने इधर उधर जांच की. साथ ही बगल के सीसीटीवी की फुटेज की भी जांच की तो देखा कि चार लोग मोटरसाइकिल की तरफ आते हैं और डिक्की को तोड़कर उसमें रखे पौने तीन किलो चांदी व एक डायरी लेकर फरार हो जाते हैं. इसके बाद हमने इसकी सूचना रजरप्पा थाने को दी. पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी. इधर मामले की छानबीन कर रहे रजरप्पा थाना के अवर निरीक्षक निरंजन सिंह ने कहा कि मामले की छानबीन की जा रही है. सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं. आरोपियों की धर पकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है. जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

फल दुकान से ताला तोड़कर 80 हजार की चोरी

केरेडारी। केरेडारी मुख्य चौक दुर्गा मंडप के समीप स्थित फल दुकान में ताला तोड़ कर अज्ञात अपराधियों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया. चोरों ने दुकान में रखा 80 हजार नगद, वा फल की चोरी कर ले उड़े. इसके अलावे चोरों ने दुर्गा मंडप के दान पेटी में रखा पैसा भी चोरी कर लिये. चोरी की वारदात सामने एसबी मार्ट में लगा सीसीटीवी कैमरा में कैद हो गया. घटना 19 मई की सुबह की है. इस संबंध में दुकानदार मुकेश कुमार ने स्थानीय थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है. घटना के संबंध में दुकानदार मुकेश कुमार ने बताया कि एक सप्ताह का पैसा महाजन को देने के लिए रखे थे. सुबह जब दुकान पहुंचे तो दुकान का दरवाजा टूटा हुआ मिला और गल्ले से पैसा गायब था. सामने के दुकान में लगे सीसीटीवी में दो युवक दुकान में चोरी करते हुए दिखे. दुकान केरेडारी थाना से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित है.

कोडरमा सदर अस्पताल में प्रसव के बाद महिला की मौत

- परिजनों ने डॉक्टर व अस्पतालकर्मी पर लापरवाही आरोप लगा काटा बवाल

संवाददाता। कोडरमा

जिले की धड़कन कोडरमा सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती एक मरीज की मौत हो गई. घटना के बाद मृतक के परिजनों ने अस्पताल के मुख्य गेट के सामने बैठ कर डॉक्टर व अस्पताल कर्मी पर घोर लापरवाही बरतने की बात कह कर जमकर बवाल किया. आरोप है कि सदर अस्पताल कोडरमा में प्रसव के आई एक महिला की मौत चिकित्सक की लापरवाही से हो गयी है. प्रसव के बाद प्रसूति महिला की हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई.

दरअसल हजारीबाग जिले के बरकट्ठा बरकनगांगो निवासी राहुल यादव अपनी 24 वर्षीया पत्नी काजल कुमारी को प्रसव पीड़ा होने के बाद शनिवार की शाम करीब 6 बजे सदर अस्पताल कोडरमा लेकर पहुंचे थे. डॉक्टर द्वारा प्रारंभिक जांच के बाद सिजेरियन के द्वारा महिला का प्रसव किया गया. प्रसव के दौरान महिला ने जुड़वे बच्चे को जन्म दिया. इसके बाद रविवार को महिला की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई. इसके बाद महिला के परिजनों ने सदर अस्पताल में जमकर हंगामा किया सिविल सर्जन ने नहीं उठाया फोन, डीएस ने जांच की बात कही. इधर इस पूरे मामले पर जब सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार से प्रतिक्रिया लेने के लिए फोन किया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया तो वहीं सदर अस्पताल के डीएस डॉ रंजीत कुमार ने कहा कि घटना को लेकर मृतक का पोस्टमार्टम के लिए बोला गया लेकिन परिजनों ने उनका पोस्टमार्टम नहीं करवाया. उन्होंने कहा कि घटना को लेकर एक चिकित्सक समेत पांच अन्य लोगों शॉ कॉज नोटिस दिया गया, वहीं पूरे मामले की जांच की जा रही है. दोषी पाए जाने वाले स्वास्थ्य कर्मियों पर कार्रवाई करने की बात कही है.

बादम मुस्लिम समाज ने शनिवार को हुई कथित घटना का किया खंडन

भाजपा की मोटरसाइकिल रैली पर कथित हमले का आरोप निराधार

संवाददाता। बड़कागांव

प्रखंड के ग्राम बादम में रविवार को मुस्लिम समाज द्वारा शनिवार को हुई घटना पर प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया. इस दौरान बादम मुस्लिम समाज के सदर मो. मोकीत उल्लाह ने कहा के शनिवार को हुई घटना की आड़ में मुस्लिम समाज को बदनाम किया जा रहा है. बादम मुस्लिम समाज न ही भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ है न ही मनीष जायसवाल के खिलाफ है. मनीष जायसवाल खुद बादम मस्जिद चौक आए थे चुनाव प्रचार के लिए तो उनका भव्य स्वागत मुस्लिम समाज द्वारा किया गया था और उनकी बातों को लोगों ने सुना था.

बताया कि शनिवार को भाजपा की मोटरसाइकिल रैली निकाली गई थी, जोकि मुस्लिम मोहल्ले के गली कूचे तक गई. कही किसी ने कोई विरोध या विवाद नहीं किया. जब मोटरसाइकिल रैली मस्जिद चौक मेन रोड पहुंची तो रैली देखने के लिए महिलाएं बाहर निकली हुई थीं. लगभग रैली मस्जिद चौक से पार कर गई तो पीछे से कुछ लड़के आए और महिलाओं को देखकर सांप्रदायिक नारे लगाने लगे, जिसका महिलाओं ने विरोध किया तो लड़के गाली गलोज करने लगे. महिलाओं के साथ विवाद होता देख गांव के कुछ लड़के उनके पीछे दौड़े और इस बीच हाथापाई हुई. इस बीच गांव के ही लोगों ने बीच-बचाव भी किया. जो आरोप लगाया गया है के विशेष समुदाय द्वारा पत्थरबाजी की गई है वह बिलकुल निराधार है.

पत्थरबाजी होती तो सिर्फ दो लड़कों को ही चोट नहीं आती, मोटरसाइकिल भी टूटती और ज्यादा लोगों को चोट आती. आरोप लगाया गया है के भाजपा की रैली पर हमला हुआ और जातिसूचक शब्द का प्रयोग किया गया है, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है. झूठ इसलिए साबित होता है कि अगर भाजपा की रैली पर हमला होता तो जातिसूचक शब्द का प्रयोग फिर किसे किया गया. घटना के बाद भाजपा मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो और सुमन गिरी सहित अन्य लोग लगभग 15 मिनट मस्जिद चौक में रहे. उनके साथ किसी तरह का कोई विवाद नहीं हुआ. जब खेमलाल महतो से सवाल किया गया कि इस तरह का सांप्रदायिक नारा लगाना क्या सही है? तो उन्होंने कहा कि दो चार लड़कों बदमाशी की, हम लोग क्या करें. कहा कि बादम मुस्लिम समाज का कभी इस तरह के विवाद से कोई नाता नहीं रहा है.

कहा कि बादम मुस्लिम समाज न किसी पार्टी, न धर्म और न ही किसी प्रत्याशी के खिलाफ है. आपसी सौहार्द बिगाड़ने वालों के विरुद्ध बड़कागांव थाने में आवेदन दिया गया है. पुलिस प्रशासन से अनुरोध है के मामले पर निष्पक्ष जांच कर उचित करवाई करने की कृपा करें. मौके पर मुख्य रूप से बहा उद्दीन, मो जहीर, संजर आलम, मुन्ना खान, शहबाज अकरम, अब्बास अली, वाज उद्दीन, अकिल अहमद, मुन्ने खान, पिंकू खान, अफरोज, बड्डू सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

क्या-क्या कहा

- बादम मुस्लिम समाज किसी पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ नहीं
- सौहार्द बिगाड़ने वालों के विरुद्ध बड़कागांव थाने में आवेदन

लोकसभा चुनाव विधायक जयप्रकाश के कांग्रेस में शामिल होने और मौजूदा सांसद जयंत सिन्हा को टिकट नहीं देने के बाद से शुरू हुई भाजपा में हलचल

बदली हवा ने दिलचस्प और कांटे का बनाया भाजपा-बनाम कांग्रेस मुकाबला

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में आज मतदान हो रहा है. करीब 19 मतदाता 17 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला ईवीएम में लॉक कर देंगे. अब तक शांत मानी जाने वाली हजारीबाग की सियासी हवा पहले जैसी नहीं है. हवा का रुख कुछ तो सत्ता से पाली गईं उम्मीदों के जोड़-घटाव से बिगड़ा और कुछ कांग्रेस-भाजपा के दांव-पेच ने बिगाड़ दिया. कांग्रेस ने कुर्मी बिरादरी में खास पैठ रखने वाले विधायक जेपी पटेल को तोड़कर भाजपा को झकझोर दिया.

भाजपा को दूसरा झटका लगा मौजूदा सांसद जयंत सिन्हा की जगह विधायक मनीष जायसवाल को टिकट देने से. बेटे जयंत का टिकट कटने के बाद कांग्रेसी खेमे में अब तक खामोश बैठे पिता यशवंत सिन्हा मुखर हो गए. पोते अशिर सिन्हा समेत पूरा खानदान खुलकर कांग्रेस के मैदान में उतर आया. नाराज जयंत अज्ञातवास में हैं. इन सबके बीच कार्यकर्ताओं के इस्तीफों ने भी संगठन में हलचल मचा रखी है. सियासी उठापटक के चलते भाजपा के मनीष और कांग्रेस के जेपी पटेल के बीच मुकाबला दिलचस्प और कांटे का बन गया है.

ऐन मौके पर विधायक जेपी पटेल के पाला बदलने, कुर्मी बिरादरी का गणित गड़बड़ाने, हजारीबाग की सियासत में मजबूत दखल रखने वाले सिन्हा खानदान के विरोध में उतरने और संगठन में तोड़फोड़ से भाजपा को कई मोर्चों पर जूझना पड़ रहा है. सियासी गलियारों में सवाल भी उठने शुरू हो गए हैं कि हजारीबाग में लगातार चौथी बार कमल खिल पाएगा या नहीं. हालांकि भाजपाई दिग्गजों को पीएम नरेंद्र मोदी और राम मंदिर के सहारे जीत का भरोसा है. शहर में कई जगह मनीष जायसवाल की पकड़ मजबूत दिखी. लोगों ने बताया कि मौजूदा विधायक को काम की वजह से समर्थन मिल रहा है, मगर गांव की ओर बढ़ते ही हवा बदलती दिखी.

सोशल मीडिया पोस्ट के बाद से गायब हैं जयंत : भाजपा से मौजूदा सांसद जयंत सिन्हा जीत की हैट्रिक के लिए फरवरी से ही ताबड़तोड़ चुनावी बैठकें कर रहे थे. दो मार्च की सुबह जयंत ने सोशल मीडिया पर लिखा-संसदीय राजनीति से दूर होना चाहते हैं... इस पोस्ट के बाद समर्थकों में हलचल मच गई. उसी शाम भाजपा ने जयंत का टिकट काटकर मनीष जायसवाल को मैदान में उतार दिया. इस पोस्ट के बाद जयंत सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आ रहे.

मनीष जायसवाल

जेपी पटेल

सात बार जीती भाजपा

हजारीबाग भाजपा गढ़ है. भाजपा यहां से सात बार जीत चुकी है. पिछले तीन चुनाव से लगातार जीत रही है. इनमें तीन बार यशवंत सिन्हा और दो बार उनके बेटे जयंत सिन्हा भाजपा के टिकट पर जीते. 1998 में पहली बार संसद सदस्य चुने गए यशवंत सिन्हा वाजपेयी सरकार में वित्त मंत्री बनाए गए. 2014 और 2019 से जयंत लगातार दो बार जीत चुके हैं. वहीं, मतभेदों के चलते यशवंत सिन्हा 2018 में ही भाजपा से अलग हो गए थे. 2022 में वह विपक्ष के उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति का चुनाव भी लड़े, लेकिन हार गए.

पिछले दो लोकसभा चुनाव के नतीजे

लोकसभा चुनाव 2019

उम्मीदवार	दल	मत%
जयंत सिन्हा	भाजपा	67.4
गोपाल प्रसाद साहू	कांग्रेस	23.05

लोकसभा चुनाव 2014

उम्मीदवार	दल	मत%
जयंत सिन्हा	भाजपा	42.07
सौरभ नारायण सिंह	कांग्रेस	25.62

नोट : पिछले दो चुनाव में कांग्रेस का वोट करीब-करीब समान रहा. भाजपा का 20 फीसदी बढ़ा.

कुर्मी, कुशवाहा व मुस्लिम के गणित पर उम्मीदवार बने पटेल

मनीष जायसवाल और जेपी पटेल 2011 में मांडू विधानसभा सीट पर उपचुनाव में आमने-सामने थे. झामुमो से उतरे पटेल ने झारखंड विकास मोर्चा से उतरे मनीष को हरा दिया था. पटेल के पिता टेकलाल महतो एक बार सांसद और मांडू से पांच बार विधायक रहे. जेपी पटेल बाद में भाजपाई हो गए. 2019 में भाजपा के टिकट पर ही विधायक बने, लेकिन लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए पार्टी छोड़ दी. कांग्रेस ने कुर्मी और कुशवाहा वोटर को साधने के लिए उन्हें मैदान में उतार दिया.

चुनावी गणित

हजारीबाग में सर्वाधिक 15.17 फीसदी आबादी मुस्लिम है. अनुसूचित जाति 14.99 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति 12.69 प्रतिशत, सिख 0.27 प्रतिशत, ईसाई 0.91 प्रतिशत, जैन 0.09 प्रतिशत और बौद्ध 0.01 प्रतिशत मौजूद हैं. इसके अलावा कोइरी और कुर्मी वोटर हैं. इस लोकसभा सीट में 5 विधानसभा क्षेत्र हैं.

हमारा सांसद कैसा हो, ज्यादातर लोगों की राय है

स्थानीय हो, जिसे क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी हो

1. शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार की दिशा में काम करे
2. सभी को साथ लेकर चलने वाला होना चाहिए
3. अपने काम से क्षेत्र की पहचान बना सके
4. जो क्षेत्र की समस्याओं को सदन में रख सके

लोकसभा के लिए झारखंड में दूसरे चरण का मतदान चल रहा है. अभी और दो चरणों का मतदान होना है. इसके लिए प्रशासनिक तैयारी पूरी हो चुकी है. वहीं मतदाताओं के बीच यह चर्चा जोरों पर है कि वे किस तरह के प्रत्याशी को अपना सांसद चुनेंगे. हमारा सांसद कैसा हो इस बारे में लोग अपनी अपनी राय दे रहे हैं. झारखंड जंगल, पहाड़ और नदियों से भरा है. हर क्षेत्र की अपनी समस्याएं हैं. हमारे जनप्रतिनिधि को इसकी जानकारी होनी चाहिए. इसलिए लोग चाहते हैं कि जनप्रतिनिधि स्थानीय हो तो बेहतर होगा. वह यहां की संस्कृति और जनभावनाओं को पूरी तरह समझ सकेंगे. आम राय यह है कि सांसद को पढ़ा-लिखा तो होना ही चाहिए. अपने क्षेत्र की समस्याओं के प्रति संवेदनशील भी होना चाहिए. साथ ही लोग चाहते हैं कि उनके क्षेत्र में जो मूलभूत सुविधाओं की कमी है, हमारा जन प्रतिनिधि उसे पूरा कर सके. शुभम संदेश की टीम ने विभिन्न जिलों में लोगों की राय जानी है. पेश है रिपोर्ट.

गिरिडीह

क्षेत्र की समस्या को संसद में उठाये हमारा जनप्रतिनिधि : पूजा विश्वकर्मा

गावां प्रखंड निवासी पूजा विश्वकर्मा ने कहा कि कोडरमा में ऐसा सांसद होना चाहिए, जो स्थानीय हो और क्षेत्र की समस्या को सदन में रख सके . इस लोकसभा क्षेत्र के लोग आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं . बिजली,शिक्षा,सड़क और स्वास्थ्य सुविधा झारखंड में बदहाल है . इस दिशा में नव निर्वाचित सांसद को ध्यान देने की जरूरत है . इस लोकसभा क्षेत्र में कई तरह की समस्याओं का अंबार लगा हुआ है .

सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर करने वाला हो: नीलम ज्योति हेम्ब्रम

नीलम ज्योति हेम्ब्रम ने कहा कि सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी है . नव निर्वाचित सांसद शिक्षकों की कमी को पूरा करें . शिक्षा के विकास से ही समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर किया जा सकता है . इस दिशा में नव निर्वाचित सांसद को विशेष ध्यान देने की जरूरत है .

किसान और मजदूरों की समस्याओं का समाधान करे सांसद : साक्षी सिन्हा

साक्षी सिन्हा ने कहा कि ऐसा सांसद होना चाहिए जो क्षेत्र के मजदूर और किसानों की समस्या का समाधान कर सके . धनवार प्रखंड में डिग्री कॉलेज और अत्याधुनिक अस्पताल की बहुत ही कमी है . नव निर्वाचित सांसद को इस दिशा में ध्यान देना चाहिए . कोडरमा लोकसभा क्षेत्र से मजदूर रोजगार के लिए पलायन करने को विवश है . आजादी के बाद से देश में कई सरकारें बदली,लेकिन मजदूरों की समस्या का समाधान नहीं हो सका है .

विकास को प्राथमिकता देने वाला सांसद होना चाहिए : रेशमा प्रवीण

रेशमा प्रवीण ने कहा कि विकास योजनाओं को प्राथमिकता देने वाला सांसद होना चाहिए . आजादी के इतने दशक बाद भी कोडरमा लोकसभा क्षेत्र विकास से वंचित है . अब-तक चुने गए किसी भी सांसद ने लोगों की समस्या को दूर करने का प्रयास नही किया है .

झूठा वादा करने वाला सांसद नहीं होना चाहिए : सिमा सुचित्रा मुर्मू

सिमा सुचित्रा मुर्मू ने कहा कि झूठा वादा करने वाला सांसद नहीं चाहिए . चुनाव के समय झूठा वादा करने से अविश्वास बढ़ता है . उन्होंने कहा कि इस लोकसभा क्षेत्र में बिजली, पानी और रोजगार सबसे बड़ी समस्या है .

घाटशिला

रोजगार की दिशा में पहल करने वाला सांसद चाहिए : पार्वती मुर्मू

घाटशिला प्रखंड के पावड़ा गांव की रहने वाली पार्वती मुर्मू का कहना है कि हमारा सांसद ऐसा होना चाहिए जो क्षेत्र के हर धर्म और समुदाय के लोगों की समस्याओं का निदान करने वाला हो. घाटशिला जैसी जगह में एकमात्र भारत सरकार की उपक्रम तांबा की फैक्ट्री थी, जो वर्षों से बंद है. इसे खोलने की दिशा में पहल करने वाला स्थानीय सांसद होना चाहिए . ताकि यहां के लोगों को रोजगार मिल सके.

चक्रधरपुर

विकास कार्यों को प्राथमिकता देना वाला हो सांसद: निशा कुमारी

चक्रधरपुर निवासी छात्रा ने कहा कि हमारा सांसद स्थानीय हो और विकास कार्यों को प्राथमिकता देना वाला हो. क्षेत्र में रोजगार की समस्या है, इसके कारण आए दिन बड़ी संख्या में लोगों का पलायन हो रहा है.एक भी बड़ी कंपनी नहीं है. युवा रोजगार के लिए दर-दर भटक रहे हैं. मजबूरन पढ़े-लिखे युवाओं को अपना शहर, गांव छोड़कर दूसरे राज्य जाना पड़ रहा है.जनता द्वारा चुने गये सांसद को इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है.

जो जनता से किये गये वादों को पूरा करे : मुस्कान कुमारी

चक्रधरपुर निवासी जवाहर लाल नेहरु कॉलेज बीए पार्ट वन की छात्रा मुस्कान कुमारी वर्मा ने कहा कि हमारा सांसद ऐसा जो अपने चुनाव से पूर्व किये गये वायदे को पूरा करें. सांसद को ईमानदार व कार्य के प्रति निष्ठावान होना चाहिए. जनता आसानी से अपने सांसद से मिलकर क्षेत्र की समस्याएं रख सकें . साथ ही सांसद ऐसा होना चाहिए जो अपने लोकसभा क्षेत्र में घुमकर समस्याओं का निपटारा कर सकें, न कि चुनाव जीतने के बाद वे जनता को पूरी तरह से भूल जाएं.

शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं का ध्यान हो : सुष्मिता कुमारी

चक्रधरपुर निवासी छात्रा सुष्मिता कुमारी ने कहा कि क्षेत्र में शिक्षा व स्वास्थ्य की सुविधा बेहतर नहीं है.इसलिए सांसद ऐसा हो जो शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं पर विशेष रुप से कार्य कर सकें. ग्रामीण क्षेत्र के स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थिति अच्छी नहीं है.चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल में एक्सरे तक की सुविधा नहीं है. वहीं कई गांवों में दसवीं तक के विद्यालय नहीं है. लोगों को अपने बच्चों की पढ़ाई को लेकर काफी चिंता होती है. इसके लिए उन्हें काफी दूर जाना पड़ता है. एक स्थानीय सांसद ही क्षेत्र की इन समस्याओं का निराकरण कर सकता है.

हजारीबाग

जो शिक्षा, रोजगार के साथ क्षेत्र का विकास करे : चंद्रशेखर मिश्र

हजारीबाग सालगांव निवासी चंद्रशेखर मिश्र का कहना है कि हमें वैसै सांसद चाहिए जो स्थानीय हो और अपने क्षेत्र का विकास कर सके. साथ ही लोगों के बीच लोकप्रिय हो. हजारीबाग में अभी भी विकास के बहुत सारे काम करने बाकी हैं जिसे वह पूरा करे. रोजगार की समस्या काफी विकट होती जा रही है. इसे लेकर युवाओं में आक्रोश है. इसलिए जरुरी है कि जो शिक्षा और रोजगार की व्यवस्था कर सके, हमें वैसा सांसदा चाहिए.

ऐसा सांसद चुनेंगे जो शिक्षा के क्षेत्र में काम करे : मेघाली सेनगुप्ता

मेघाली सेनगुप्ता एक निजी स्कूल में शिक्षक हैं और वह पहली बार वोट करने जा रहे हैं. उनका कहना है कि हम तो उसे अपना सांसद चुनेंगे जो शिक्षा के क्षेत्र में काम करे. शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाएं और शिक्षा को बढ़ावा दें. क्योंकि शिक्षा के अभाव में ही बहुत सारी समस्याएं हैं. लोग शिक्षित होंगे तो बहुत सारी समस्याएं स्वतः खत्म हो जाएगी. हाल के दिनों में बेरोजगारी की वजह से पलायान भी बढ़ा है. शिक्षा के विकास के कारण पलायन भी रुकेगा.

जो अपना वादा पूरा करे हमें वैसा सांसद चाहिए : सुनील पांडे

समाजसेवी सुनील पांडे कहते हैं कि ऐसा सांसद चाहिए जो हजारीबाग विकास की राह पर ला सके. वह यह भी कहते हैं कि चुनाव के समय प्रत्याशी बड़े-बड़े दावा करते हैं और जीतने के बाद वह गायब हो जाते हैं . ऐसे में क्षेत्र का विकास नहीं हो पता है और वोटर नाराज हो जाते हैं. ऐसी स्थिति नहीं आनी चाहिए. सांसद वैसा हो जो क्षेत्र की समस्याओं को जानता हो और उनके समाधान के लिए वह प्रयास भी करे.

धनबाद

संसद में जन समस्याओं को प्रमुखता से उठाए,रोजगार की व्यवस्था करे : सुजीत

झरिया के रहने वाले छात्र सुजीत कुमार ने कहा कि धनबाद का सांसद ऐसा हो जो धनबाद की जन समस्याओं को संसद में पूरी प्रमुखता से उठाए. धनबाद में आय दिन बढ़ रहे गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार और करप्शन पर लगाम लगाए. बेरोजगारों के लिए रोजगार की व्यवस्था करे.

जो जनता की बीच जाकर उनकी बातों को सुने और समस्याओं का निराकरण करे : मंतुष पटेल

झरिया के रहने वाले छात्र मंतुष पटेल ने कहा कि धनबाद का सांसद ईमानदार हो, जनता की बातों को सुने और जनता के बीच में जा कर समस्याओं का निदान करे .साथ ही संसद में आवाज उठा कर धनबाद को एक अच्छा अस्पताल और छात्रों के लिए एक शिक्षण संस्थान दिलाये.

बिजली-पानी की व्यवस्था दुरुस्त करे, जाम की समस्या से निजात दिलाए : अजय कुमार

जामाडोबा के रहने वाले अजय कुमार सिंह ने कहा कि धनबाद का सांसद ऐसा हो जो सड़क , पानी , बिजली को दुरुस्त करने के साथ साथ धनबाद में आय दिन लगने वाले जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए फ्लाई ओवर बनवाये और क्षेत्र की समस्याओं का निराकरण करे.

महिलाओं के लिए रोजगार की व्यवस्था करे विद्यालयों की कमी दूर करे : सुमित्रा देवी

जामाडोबा की रहने वाली सुमित्रा देवी ने कहा कि धनबाद का सांसद ऐसा हो जो महिलाओं के भविष्य के प्रति सोचे. उनके लिए रोजगार की व्यवस्था करे.साथ ही स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने की दिशा में कार्या करे. अभी भी क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में उच्च विद्यलयों की कमी है जिसे दूर करने की जरुरत है, ताकि गरीब परिवार के बच्चों को शिक्षा और स्वास्थ्य में किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो.

धनबाद में विकास कार्यों को प्राथमिकता दे और समस्याओं को सदन में उठाए : जगनारायण सिंह

जामाडोबा के रहने वाले जगनारायण सिंह का कहना है कि धनबाद का सांसद स्थानीय हो और जो धनबाद में विकास की धारा बहाये. संसद में आवाज बुलंद कर धनबाद को एम्स और एयरपोर्ट दिलवाये.वर्षों से जाम की समस्या से जूझ रहे धनबाद वासियों जाम से निजात दिलाने के लिए फ्लाईओवर बनवाये.

जो शिक्षित हो और क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को बहाल करने में सक्षम हो : देवपूजन कौशल

जामाडोबा डुमरी चार नम्बर के रहने वाले देवपूजन कौशल ने कहा धनबाद का सांसद ऐसा हो जो अपने संसदीय क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को बहाल करे. साफ छवि के साथ साथ शिक्षित हो . जो जन समस्याओं के प्रति गंभीर हो और उसका निराकरण करने वाला हो. इस समय जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है. जिसकी वजह से गंभीर बीमारियों के लिगों को बाहर जाना पड़ता है. इसलिए यहां मल्टी हॉस्पिटल की जरुरत है. ग्रामीण इलाकों में बच्चों की पढ़ाई के लिए काफी दिक्कत होती है. साथा ही धनबाद कोयलांचल का प्रमुक शहर है. यहां बिमान सेवा दुरुस्त होनी चाहिए. इसके लिए एयरपोर्ट की जरुरत है. इन सब बातों में जो ध्यान दे, हम उन्हें ही सांसद चुनना चाहेंगे.

लातेहार

सिंचाई के साधन विकसित कर सके: कैलाश सिंह

कैलाश सिंह का कहना है कि क्षेत्र में सिंचाई के साधनों का घोर अभाव है. हमारे क्षेत्र में सिंचाई के लिए कोई बड़ी तालाब या नहर नहीं है. किसानों की खेती मॉनसून पर आधारित है. जिस साल बारिश अच्छी नहीं होती है, उस साल क्षेत्र में सूखा पड़ जाता है. किसानों की खेती मारी जाती है. अगर क्षेत्र में सिंचाई के साधन की व्यवस्था की जाती तो शायद किसानों को अधिक फायदा होता. दूसरा कि क्षेत्र में रोजगार के साधन नहीं हैं. मजूदर सरकारी योजनाओं में काम तो करते हैं लेकिन समय पर मजदूरी नहीं मिल पाती है.

बोकारो

जो देश का मान सम्मान हमेशा ऊंचा रख सके : शेखर सुमन

बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के सुरजुडीह निवासी शेखर सुमन ने कहा कि राष्ट्र का मान सम्मान एवं सुरक्षा सबसे पहले है, इसलिए हमारा सांसद ऐसा हो जो देश का मान सम्मान हमेशा ऊंचा रख सके. साथ ही पूरी दुनिया में भारत को विश्वगुरु बना सके. इस तरह की जिनकी विचारधारा हो, वैसा ही हमारा सांसद हो. सांसद राष्ट्रीय पार्टी का हो और राष्ट्रीय मुद्दे पर जो डंके की चोट में जनता की सेवा करे.

पढ़ा लिखा और जागरूक इंसान हो हमारा सांसद : संदीप

बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के दुर्गापुर निवासी संदीप कुमार महतो ने कहा कि हमारा सांसद ऐसा हो, जो पढ़ा लिखा और जागरूक इंसान हो. क्षेत्रीय से लेकर राष्ट्रीय मुद्दे पर जिनकी गहरी समझ हो. साथ ही जो युवाओं को सही दिशा दिखाकर पूरे लोकसभा क्षेत्र की तकदीर एवं तस्वीर बदलने की जुनून रखता हो.जो क्षेत्रीय भाषा संस्कृति व हमारी पहचान को बरकरार रखने के लिए हमेशा संघर्ष करता रहा हो, ऐसा हमारा सांसद हो.

जो क्षेत्र से लगातार हो रहे पलायन को रोक सके : महेश कुमार

गिरिडीह के कसमार प्रखंड अंतर्गत दुर्गापुर पंचायत निवासी महेश कुमार का कहना है कि हमारा प्रत्याशी ऐसा हो जो झारखंड के ग्रामीण क्षेत्र से हो रहे पलायन को रोक सके. उन्होंने कहा कि पलायन समस्या बन गयी है, जिसपर कोई प्रतिनिधि बात ही नहीं करता है, न तो संसद में आवाज उठाता है, न हीं जमीनी स्तर पर कोई विकास कार्य हो रहा है, इसलिए जो इन मुद्दों पर गहरी समझ रखता हो, वैसे प्रत्याशी को ही वोट देकर सांसद बनाएंगे.

किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सके : लालदेव

कसमार प्रखंड क्षेत्र के हिसिम निवासी लालदेव महतो ने कहा कि देश में किसान सबसे ज्यादा बदहाल हैं, लेकिन किसानों की बदहाली को दूर करने की दिशा में कोई कार्य न कर अंबानी अडानी को मजबूत बनाया जा रहा है. इसलिए हमारा सांसद ऐसा हो जो किसानों की बदहाली दूर कर सके, खेती किसानी को लेकर नई कृषि नीति लागू कर किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सके.

जो आदिवासियों के हित में कार्य करे : जगेश्वर मुर्मू

कसमार प्रखंड के हिसिम पंचायत के त्रियोनाला निवासी सामाजिक कार्यकर्ता जगेश्वर मुर्मू का कहना है कि आदिवासियों के कल्याण के लिए हमेशा बड़ी बड़ी योजनाएं तो बनाई जाती है, लेकिन धरातल पर आदिवासी कल्याण की योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं के बराबर हो रहा है. हमारा सांसद ऐसा हो जो आदिवासियों के हित में कार्य करे और उनके जीवन में बदलाव लाकर क्षेत्र का विकास कर सके.

जो जनसमस्याओं को संसद में प्रमुखता से रख सके : रिंकू कुमार

बोकारो जिले के जरीडीह बाजार निवासी रिंकू कुमार ने कहा कि हमारा गिरिडीह संसदीय क्षेत्र समस्याओं के मामले में हमेशा चर्चे में रहता है, इसलिए प्रत्याशी ऐसा हो जो जनसमस्याओं को संसद में प्रमुखता के साथ रख सके और जन भावनाओं को सम्मान करें . साथ ही जिनकी नियत में ईमानदारी एवं विकास कार्य में तत्परता दिखे, वैसा हमारा सांसद हो .

बेरोजगारी की धधकती आग

देश के राजनेता और सरकार नौजवानों के नाम पर चाहे जितने भी घड़ियाली आंसू क्यों न बहा लें, लेकिन इस सच्चाई से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि बेरोजगारी दिनों दिन हनुमान की पूंछ की भांति बढ़ती जा रही है. देश के नौजवान बेरोजगारी की धधकती आग में बेतरह झुलस रहे हैं. उनकी सारी योग्यताएं और क्षमताएं दम तोड़ रही हैं. उनका भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान भी निराशा के अंधकार में गुम होता जा रहा है. राजनीतिक स्तर पर चाहे जितने भी दावे क्यों न कर लिये जायें, लेकिन जो आंकड़े बोल रहे हैं, उसके अनुसार नरेंद्र मोदी की सरकार नई नौकरियां तैयार करने के मामले में भी अभी तक मनमोहन सिंह सरकार से पीछे है. बाकी किसी वर्ग के लिए नरेंद्र मोदी सरकार का पहला तीन साल चाहे जैसा भी रहा है, देश के करोड़ों बेरोजगार नौजवानों के लिए ये साल अच्छे नहीं रहे. "अच्छे दिन" के वादे के साथ केंद्र की सत्ता में आई नरेंद्र मोदी सरकार नए रोजगार सृजित करने के मामले में पूर्ववर्ती मनमोहन सिंह सरकार से भी पीछे है. नए रोजगार तैयार होने की दर पिछले आठ सालों के न्यूनतम स्तर पर है. इससे भी बुरी खबर यह है कि निकट भविष्य में भी रोजगार तैयार करने को लेकर कोई सकारात्मक संकेत नहीं मिल रहे हैं. नरेंद्र मोदी सरकार अपने तीन साल पूरे करने जा रही है. नरेंद्र मोदी ने 26 मई 2014 को अपनी कैबिनेट के साथ शपथ ग्रहण किया था. केंद्रीय श्रम मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले आठ सालों में सबसे साल 2015 और साल 2016 में क्रमशः 1.55 लाख और 2.31 लाख नई नौकरियां तैयार हुईं. मनमोहन सिंह सरकार के कार्यकाल में साल 2009 में 10 लाख नई नौकरियां तैयार हुई थीं. जहां एक तरफ केंद्र सरकार नई नौकरियां नहीं तैयार कर पा रही है, वहीं भारत में बहुत बड़े वर्ग को रोजगार देने वाले आईटी सेक्टर में हजारों युवाओं की छंटनी हो रही है. आईटी सेक्टर पर नजर रखने वाली संस्थाओं के अनुसार भारत के आईटी सेक्टर में सुधार की निकट भविष्य में कोई संभावना नहीं दिख रही है. केंद्र में सत्ता में आने से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हर साल दो करोड़ नए रोजगार पैदा करने का वादा किया था. रोजगार सृजन में लगातार पिछड़ते जाने के बाद हो रही आलोचनाओं के जवाब में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मीडिया से कहा था कि उनकी पार्टी ने नौकरी नहीं बल्कि "रोजगार" सृजन का वादा किया था. अमित शाह ने दावा किया कि मोदी सरकार की स्किल इंडिया और स्टार्ट-अप इंडिया जैसे कार्यक्रम से काफी रोजगार पैदा हुए हैं. भारत की आधी आबादी 35 साल से कम उम्र की है. साल 2020 तक भारत की औसत आयु 29 साल होगी जो पूरी दुनिया में सबसे न्यूनतम में से एक होगी. युवाओं की बड़ी संख्या को देखते हुए केंद्र सरकार को हर साल 1.20 करोड़ से 1.50 करोड़ तक नए रोजगार तैयार करने की जरूरत होगी.

> आईटी सेक्टर पर नजर रखने वाली संस्थाओं के अनुसार भारत के आईटी सेक्टर में सुधार की निकट भविष्य में कोई संभावना नहीं दिख रही है. केंद्र में सत्ता में आने से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हर साल दो करोड़ नए रोजगार पैदा करने का वादा किया था.

सुभाषित

माता शत्रुः पिता वैरी येन बालो न पाठितः ।
न शोभते सभामध्ये हंसमध्ये बको यथा ॥

जो माता-पिता अपने बच्चों को पढ़ाते लिखाते नहीं, विद्या अर्जन नहीं कराते, वे अपने बच्चों के लिए शत्रु के समान हैं. इसलिए कि उनके बच्चे विद्वानों की सभा में उसी प्रकार शोभा नहीं देते, जिस प्रकार हंसों के बीच बगुले की शोभा नहीं होती.

अब अपने बारे में सोच रही जनता

आम चुनाव के लिए मतदान के चार चरण गुजरने के बाद सत्ता और विपक्ष दोनों को केवल एक सवाल खाये जा रहा है कि इस बार मतदान इतना नीरस क्यों है? सवाल स्वाभाविक ही है. आम लोगों में मतदान को लेकर दिलचस्पी देखने को नहीं मिल रही है. देश का 40 फीसदी मतदाता बूथ तक पहुंच ही नहीं रहा है. क्या यह इस बात का संकेत नहीं है कि जनता पहली बार इस चुनाव में अपने बारे में सोच रही है.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

लोकतांत्रिक चुनावों में मतदान करने के लिए मतदाता को आखिर कौन-सी चीज प्रेरित करती है? यह भूल जाएं कि मतदान करना राष्ट्रीय कर्तव्य है, जैसा कि चुनाव आयोग से लेकर प्रधान न्यायाधीश और सरसंघचालक तक हर कोई जोर देकर कह रहा है. दूसरी बात, यह याद रखें कि मतदान इस देश में अब तक अनिवार्य नहीं किया गया है, स्वैच्छिक ही है. अगर स्वतंत्रेच्छा वाकई कोई चीज है, तो मतदान प्रतिशत यह बताता है कि औसतन 40 प्रतिशत मतदाताओं की मतदान करने की कोई इच्छा नहीं है. चौतरफा सवाल इसी 40 प्रतिशत पर है. सबकी जिज्ञासा भी यही है कि ये वोटर कौन हैं और इनकी अनिच्छा से नुकसान या फायदा किसको हो रहा है. हम इस जिज्ञासा को पलट कर रखेंगे और पूछेंगे कि जो 60 प्रतिशत मतदाता मतदान कर रहे हैं, वे ऐसा क्यों कर रहे हैं. उन्हें कौन-सी चीज मतदान केंद्रों तक ले जा रही है? यह चुनाव क्या किसी मुद्दे पर खड़ा है, जो लोगों को वोट डालने को उत्प्रेरित कर सके? अब तक तो किसी भी दल का उठाया मुद्दा स्थाई रूप से काम करता नहीं दिख रहा! कोई ऐसा राजनीतिक या सामाजिक नैरेटिव भी नहीं बना है, जो देश भर में चुनावों को एक सूत्र में बांध सके. इस बार तो 2014 की तरह मोदी जैसे चमत्कारिक शख्स को दिल्ली का ताज पहनाने का सवाल भी नहीं है. या फिर 2019 वाला बालाकोट-जनित उत्साह भी नहीं है, जब पहली बार राष्ट्रीय सुरक्षा का सवाल इलीट कमरों से निकल कर जनता का मुद्दा बन गया था.

चुनाव को मुद्दे पर खड़ा करना वास्तव में विपक्ष का काम होता है. विपक्ष इसमें पूरी तरह सफल दिख रहा है. वहीं, सत्ता पक्ष इस बार विपक्ष के उठाए मुद्दों पर फील्डिंग करती दिख रही है और उसके अपने सकारात्मक मुद्दे चर्चा से गायब हैं. महज नागरिकता-बोध या लोकतांत्रिक कर्तव्यनिष्ठा क्या इसके पीछे हो सकती है? यदि ऐसा होता, तो हमारे दैनंदिन सामाजिक जीवन में भी नागरिकता-बोध कम से कम साठ प्रतिशत झलकता. बीते कुछ वर्षों की बड़ी घटनाओं को एक बार पलट कर देखें, तो हम पाएंगे कि सरकार के लागू किए फैसलों के प्रति अपने-अपने अनुभवों पर ठहर कर सोचने या उनका सुख-दुख मनाने की मोहलत लोगों को कायदे से नहीं मिली. मसलन, पहले 2016 में नोटबंदी कर दी गई. बिल्कुल औचक और अप्रत्याशित. इसी के बाद 2017 में आधी रात इस देश में माल और सेवा कर (जीएसटी) लागू किया गया. छोटे-बड़े व्यापारियों, दुकानदारों आदि को इससे अभ्यस्त होने में काफी वक्त लगा. जब तक मामला पटरी पर आता, पिछला लोकसभा चुनाव निपट गया. चुनाव के बाद जीवन सहजता की ओर बढ़ रहा था कि नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में हुए आंदोलनों ने दैनिक जीवन को प्रभावित किया. दिल्ली जैसे महानगर में लोग दफ्तर से घर आने के लिए सुगम रास्ते खोजने में ही उलझे रह गए. आंदोलन का पटाक्षेप हुआ तो स्वास्थ्य इमरजेंसी लगा दी गई, यानी कोरोना लॉकडाउन.

लॉकडाउन ने अतिगरीब तबकों का तो जो किया सो किया, संतुष्ट मध्यवर्ग को सामाजिक-राजनीतिक प्रक्रियाओं से अलगाव में डाल दिया, जो अब भी इस देश का 40 प्रतिशत तो बनता ही है. दार्शनिक जॉर्जियो आगम्बेन के शब्दों में कहें, तो कोरोना के चलते दुनिया भर की सरकारों द्वारा की गई समाज की तालाबंदी (सोशल डिस्टेंसिंग) ने हमें छूछी देह में तब्दील कर डाला, जिसका काम खाने, सोने और मनोरंजन करने तक सीमित रह गया. यह तकरीबन दो साल का जैविक-राजनैतिक अनुकूलन था, जिसके आज हम उत्पाद हैं. आगम्बेन पूछते हैं, जिसके पास अपना वजूद कायम रखने के अलावा कोई मूल्य ही न बचा हो, वह समाज कैसा होगा? समाज चूंकि वजूद की मुंडेर पर आ खड़ा हुआ था, तो कुछ लोग उस मुंडेर से कूद भी रहे थे. 2021 के बाद राष्ट्रीय अपराध आंकड़ा ब्यूरो के आत्महत्याओं के आंकड़ों को देखिए- व्यापारी और नौजवान आधुनिक इतिहास में पहली बार किसानों को खुदकशी में पीछे छोड़ चुका है. ये वे लोग थे, जिनके पास किसानों की तरह अपने खा लेने भर को उगाने की जमीन तक नहीं थी. ये आत्महत्याएं अब भी जारी हैं.

जो मुंडेर की इस ओर बच गए, उनका क्या? इस बीच बड़े पैमाने पर निम्नवर्ग और मध्यवर्ग सामाजिक सरोकारों से कट कर घर-परिवार, गृहस्थी और खर्चा-पानी जुटाने तक सिमट गया. बाकी सरकार खुद कहती है, कि 80 करोड़ लोगों को वह प्रत्येक पांच किलो राशन देकर कूदने से बचाए हुए है. प्रो. अरुण कुमार ने एक अध्ययन में इस आबादी की संख्या 60 करोड़ के आसपास रखी है. मान लेते हैं कि सरकारी राशन पर जी रहे ये लोग 50 करोड़ भी होंगे, तो तकरीबन 99 करोड़ की मतदाता आबादी का ये आधा बैठते हैं. एक के बाद एक विपदाओं से जूझते हुए बच गए ये लोग पिछले कुछ समय से ठहर कर अपने बारे में सोच रहे हैं. अपने अनुभवों को गुन रहे हैं. मध्यवर्ग का एक हिस्सा जो 2021 के बाद कड़ी मेहनत कर के अब सम पर आया है, वह भी शायद सोच रहा है. सत्ताधारी दल के आम कार्यकर्ता भी सोचने लगे हैं. लोग सोच रहे हैं, तो उन्हें पुरानी बातें याद आ रही हैं. वे बेचैन हो जा रहे हैं. यानी मामला अब वजूद से आगे जा चुका है. अपने बारे में सोच रहे मुल्क की ये दो-चार बानगी हैं. ऐसे दर्जनों लोगों की गवाहियां मेरे पास दर्ज हैं. जरूरी नहीं कि सोचना हमेशा तात्कालिक कर्म में ही तब्दील हो जाए, लेकिन समाज बरसों बाद अपने बारे में सोच रहा है यही बड़ी बात है. इसी से तो उसे लगातार बीते कुछ वर्षों में दूर रखा गया था. लोकतंत्र संवाद में रत एक राष्ट्र होता है. संवाद की पहली शर्त है विचार. विचार करने वाला मनुष्य ही खुद को अभिव्यक्त करता है. सामूहिक अभिव्यक्ति की स्थिति तो अभी दूर है. संवाद में भी समय लगेगा. अभी लोग सोच रहे हैं. और जब आदमी सोचता है तो उसे अपने साथ हुआ गलत याद आता है और दूसरे के साथ हुए गलत के प्रति सहानुभूति उपजती है. संयोग कहें कि अपने कटु अनुभवों को याद करने और दूसरों के साथ हुए अन्याय को समझ पाने की यह मोहलत आम चुनाव की अवधि से टकरा गई है. इतिहास गवाह है कि यह समाज हमेशा कमजोर के साथ खड़ा रहा है. ऐसे में दूसरा संयोग यह है कि मजबूत सत्ता अपना नैरेटिव खड़ा नहीं कर पाई है. घर में बैठ कर सोच रहा एक आम भारतीय मतदाता इन्हीं दो संयोगों के बीच बाहर की धूप को तौल रहा है.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

शांति की खोज

कोई भी मनुष्य चाहे वह सही मार्ग पर अथवा मार्ग से भटका हुआ, हर किसी को जीवन में सुख और शांति की कामना होती है, किंतु सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि यदि आप दिल्ली की ट्रेन में बैठकर मुंबई पहुंचने का स्वप्न देख रहे हैं तो यह कैसे संभव होगा. यदि सुख और शांति तक पहुंचना है तो फिर उसके लिए सही मार्ग का भी तो चयन करना होगा, जो अनुभव से ही संभव है. यदि अनुभव और मंथन युक्त दिशा निर्देश उपलब्ध हो जाय तो शांति मय संतोषप्रद जीवन लक्ष्य को सिद्ध कर लेगा. कोई भी जो दार्शनिक, लेखक, वक्ता हो उनके लेख, कथा, कविता, सूचना, जानकारी या मनोरंजन सभी का एक ही चरम लक्ष्य है. अपना अनुभवजन्य ज्ञान बांटकर लोगों को खुशी, संतोष, सुख-शांति के प्रयास की सहज दृष्टि देना. बेशक सभी अपने अपने स्तर पर बुद्धिमान ही होते है. तब भी कोई कितना भी विद्वान हो, किन्तु सर्वाधिक सहज सफल मार्ग के दिशानिर्देश की सभी को आकांक्षा होती है. यह लेखन की अघोषित जिम्मेदारी होती है. ब्लॉगिंग में लेखन खुशी हर्ष व आनन्द फैलाने के उद्देश्य से होता है और होना भी चाहिए. अधिकांश पाठक अपने रोजमर्रा के तनावों से मुक्त होने और प्रसन्नता के उपाय करने आते है. लेकिन हो क्या रहा हैं? जिनके पास दिशानिर्देश की जिम्मेदारी है, वे ही दिशाहीन दृष्टिकोण रखते है. शांति और संतुष्टि की चाह लेकर आए लेखक-पाठक, उलट हताशा में डूब जाते हैं. घुटन से मुक्ति के आकांक्षी, विवादों में घिर कर विषादग्रस्त हो जाते हैं. अभी पिछले दिनों एक शोध से जानकारी हुई कि ब्लॉग सोशल साईट आदि लोगों में अधैर्य और हताशा को जन्म दे रहे हैं. यह सही है कि जगत में अत्याचार, अनाचार, अन्याय का बोलबाला है, किन्तु विरोध स्वरूप भी लोगों में द्वेष आक्रोश और प्रतिशोध के भाव भरना उस अन्याय का निराकरण नहीं है. आक्रोश सदाचारियों में तो दुष्कृत्यों के प्रति अरुचि घृणा आदि पैदा कर सकते हैं, पर अनाचारियों में किंचित भी आतंक उत्पन्न नहीं कर पाते. द्वेष, हिंसा, आक्रोश और बदला समस्या का समाधान नहीं देते, उलट हमारे मन मस्तिष्क में इन बुरे भावों के अवशेष अंकित कर ढ़ेर सारा विषाद छोड जाते हैं. मैं समझता हूं मशीनी जीवन यात्रा और प्रतिस्पर्द्धात्मक जीवन के तमाम तनाव झेलते पाठकों के मन में द्वेष, धृणा, विवाद, हिंसा, आक्रोश, प्रतिशोध, और अन्ततः विषाद पैदा करे ऐसी सामग्री से भरपूर बचा जाना चाहिए. तभी जनसामान्य शांति की खोज की दिशा में आगे बढ़ पाएगा.

हर युवा के लिए सुनिश्चित हो प्रशिक्षुता अधिकार

• बेरोजगारी

संतोष मेहरोत्रा

कांग्रेस ने 2024 के आम चुनाव के जारी अपने घोषणा पत्र में उच्चतर सर्टिफिकेट, डिग्री, डिप्लोमाधारी तमाम युवाओं को प्रशिक्षुता का अधिकार देने का वादा किया है. यह संकल्प 25 वर्ष से नीचे के सभी युवाओं को उन जगहों पर प्रशिक्षण और रोजगार की गारंटी सुनिश्चित करता है, जहां पर वे प्रशिक्षु रहते हुए कौशल सीखेंगे. यह प्रारूप जर्मनी के कौशल मॉडल सिद्धांत पर आधारित है (जहां स्कूली शिक्षा पाने के दौरान छात्रों को किसी न किसी काम का कार्यानुभव करवाया जाता है). भारत में व्यावसायिक कौशल परिदृश्य सदा से आपूर्ति-संचालित रहा है, जिसमें विद्यार्थी को शिक्षा तो मिलती है, लेकिन असल मायने में कोई व्यावसायिक कौशल नहीं सिखाया जाता. इस व्यवस्था में, रोजगार प्रदाताओं का उनसे न तो कोई सीधा संपर्क होता है, न ही उन्हें प्रशिक्षु-कामगार रखने की जरूरत महसूस होती है. यह स्थिति भारत में सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम की कारगुजारी की समीक्षा करने की जरूरत दर्शाती है और यह भी कि क्योंकर प्रशिक्षुता का अधिकार सुधार लाने की दिशा में एक सही कदम होगा. भारत में 2000 के दशक तक, लगभग आधी सदी तक व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण का क्षेत्र उपेक्षित रहा है (यह भारत की योजना नीतियों में समुचित स्कूली शिक्षा पर ध्यान न देने जैसा है) जिसकी कीमत आज हम चुका रहे हैं. वर्ष 1991 में, जब भारत में आर्थिक सुधार होने शुरू हुए, साक्षरता दर 51 प्रतिशत थी, अर्थात् भारत की कुल आबादी का आधा हिस्सा अनपढ़ था और यह तबका अधिकांशतः कृषि क्षेत्र में केंद्रित था. हालांकि 1990 के दशक में स्कूली शिक्षा पर अधिक खर्च करने के रूप में नए सिरे से जोर देना शुरू हुआ, परंतु शिक्षा के साथ व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण देना फिर भी उपेक्षित बना रहा (हालांकि उच्च तकनीकी शिक्षा में ऐसा नहीं था). 11वीं पंचवर्षीय योजना (2007-12) पहली ऐसी थी, जिसमें कौशल विकास के विषय पर एक अलग से अध्याय था. परिणामस्वरूप, भारत का उत्पादन क्षेत्र एवं सेवा श्रम बल की संरचना आज भी निम्न शिक्षा वालों से बनी है. बदतर स्थिति यह कि राष्ट्रीय सैम्पल सर्वे विभाग का रोजगार-बेरोजगारी अध्ययन 2011-12 बताता है कि श्रम बल का महज 2.2 प्रतिशत हिस्सा औपचारिक प्रशिक्षु श्रेणी से है. आवधिक श्रम बल सर्वे के आंकड़े दर्शाते हैं कि औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त श्रमिकों की संख्या वर्ष 2011-12 में 2.2 फीसदी थी (1 करोड़ 43 लाख) जो 2017-18 में घटकर 2 प्रतिशत (91 लाख 40 हजार) रह गई. लेकिन अगले पांच साल यानी 2022-23 में यह 3.7 फीसदी (2 करोड़ 5 लाख) हो गई. इसलिए, जिन्हें हम व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित कह सकते हैं, वे कहां से आन जुड़े? आवधिक श्रमबल सर्वे-2017-18 बताता है कि कुल व्यावसायिक प्रशिक्षुओं में 22 फीसदी वह थे, जिन्होंने 6 माह से कम अवधि का कोर्स किया हो, अब यह अंश बढ़कर 37 प्रतिशत हो गया है. अधिक चिंताजनक यह कि 2017 में 29 फीसदी प्रशिक्षु ऐसे थे, जिन्होंने दो साल या अधिक अवधि के कोर्स किए थे, जो अब घटकर 14.29 फीसदी रह गए हैं. भारत कौशल मिशन नामक कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षुता अवधि बहुत कम है (कुछ मामलों में तो महज 10 दिन). वर्ष 1961 से भारत का अपना प्रशिक्षुता अधिनियम है, जिसके तहत तमाम पंजीकृत कंपनियों और उद्यमों के लिए जरूरी है कि वे अपने यहां एक साल या उससे अधिक अवधि के लिए प्रशिक्षु रखें, ताकि वे नौकरी पर रहते हुए व्यावयायिक दक्षता हासिल कर पाएं. दस साल पहले गैर-कृषि उद्यम वर्ग में लगभग 2,50,000 पंजीकृत प्रशिक्षु थे. अगस्त, 2016 में, भारत सरकार ने राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना शुरू की, जिसके लिए 10,000 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया. हालांकि इसका उद्देश्य था कि वर्ष 2020 तक 50 लाख युवा प्रशिक्षु बनकर कौशलयुक्त हो सकेंगे, लेकिन 2022 तक 20 लाख ही बन पाए. 2017 से 2022 के बीच, इस योजना के लिए रखे गए 10,000 करोड़ रुपये में केवल 650 करोड़ रुपये ही राज्यों को मिले. 2023 में राष्ट्रीय प्रशिक्षुता योजना-2 शुरू की गई, लेकिन इसके आंकड़े फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं. शिक्षित बेरोजगार, कौशल कार्यक्रम के प्रति अनिच्छुकता, घटिया दर्जे का प्रशिक्षण और पढ़ाई उपरांत नौकरी मिलने की नगण्य दर के आलोक में कौशल परिदृश्य में आमूलचूल परिवर्तन करना एक त्वरित आवश्यकता बन गई है. केवल बड़ी-बड़ी बातें करने और बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए सरकारी आंकड़ों से काम नहीं बनने वाला.

> वर्ष 1961 से भारत का अपना प्रशिक्षुता अधिनियम है, जिसके तहत तमाम पंजीकृत कंपनियों और उद्यमों के लिए जरूरी है कि वे अपने यहां एक साल या उससे अधिक अवधि के लिए प्रशिक्षु रखें, ताकि वे नौकरी पर रहते हुए व्यावयायिक दक्षता हासिल कर पाएं. दस साल पहले गैर-कृषि उद्यम वर्ग में लगभग 2,50,000 पंजीकृत प्रशिक्षु थे.

मेघालय में अवैध कोयला खनन की चुनौती

• पर्यावरण

पंकज चतुर्वेदी

मेघालय के पूर्वी जयंतिया जिले में कोयला उत्खनन की 26 हजार से अधिक रेट होल माइंस अर्थात् चूहे के बिल जैसी खदानें बंद करने के लिए राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण द्वारा दिए गए आदेश को दस साल हो गए, लेकिन आज तक एक भी खदान बंद नहीं हुई. सुप्रीम कोर्ट ने भी इन खतरनाक खदानों को बंद करने लेकिन पहले से निकाल लिए गए कोयले के परिवहन के आदेश दिए थे. इस काम की निगरानी के लिए मेघालय हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त जस्टिस बीके काटके समिति ने अपनी 22वीं अंतरिम रिपोर्ट में बताया है कि किस तरह ये खदानें अभी भी प्रदेश के परिवेश में ज़हर घोल रही हैं. उल्लेखनीय है कि अधिक बरसात के लिए मशहूर मेघालय में अब प्यास ने डेरा जमा लिया है. यहां की नदियां जहरीली हो रही हैं, धरती पर स्थाई पर्यावरणीय संकट है और सांस में कार्बन घुल रहा है. यह सब हो रहा है इन खतरनाक खदानों से कोयले के अवैध, निर्बाध खनन के कारण. जब इन खदानों में फंस कर लोग मरते हैं तो प्रशासन-पुलिस कागज भरती है, वादे होते हैं, उसके बाद कोयले की दलाली में सभी काले हो जाते हैं. गुवाहाटी के होटलों में सौदे होते हैं और बाकायदा कागज बनाकर दिल्ली के आसपास के ईंट-भट्टों तक कोयले का परिवहन हो जाता है. हाईकोर्ट की कमेटी बताती है कि अकेले पूर्वी जयंतिया जिले के चूहा-बिल खदानों के बाहर 14 लाख मीट्रिक टन कोयला पड़ा हुआ है, जिसको यहां से हटाया जाना है. दस साल बाद भी इन खदानों को कैसे बंद किया जाए, इसकी विस्तृत कार्यान्वयन रिपोर्ट अर्थात डीपीआर प्रारंभिक चरण में केन्द्रीय खनन योजना और डिजाइन संस्थान लिमिटेड (सीएमपीडीआई) के पास लंबित है. जाहिर है, न तो इसको ले कर कोई गंभीर है और न ही ऐसा करने की इच्छा-शक्ति. जस्टिस काटके की रिपोर्ट में कहा गया है कि 'मेघालय पर्यावरण संरक्षण और पुनर्स्थापन निधि (एमईपीआरएफ) में 400 करोड़ रुपये की राशि बगैर इस्तेमाल की पड़ी है और इन खदानों के कारण हुए प्रकृति को नुकसान की भरपाई का कोई कदम उठाया नहीं गया. मेघालय में प्रत्येक एक वर्ग किलोमीटर में 52 रेट होल खदानें हैं. अकेले जयंतिया हिल्स पर इनकी संख्या करीब 26 हजार है. असल में ये खदानें दो तरह की होती हैं. पहली किस्म की खदान बामुश्किल तीन से चार फीट की होती है. इनमें श्रमिक रेंग कर घुसते हैं, जिनमें अधिकांश बच्चे ही घुसते हैं. दूसरे किस्म की खदान में आयताकार आकार में 10 से 100 वर्गमीटर माप में जमीन को काटा जाता है और फिर उसमें 400 फुट गहराई तक मजदूर जाते हैं. यहां मिलने वाले कोयले में गंधक की मात्रा ज्यादा है और इसे दोयम दर्जे का कोयला कहा जाता है. एनजीटी द्वारा रोक लगाने के बाद मेघालय की पिछली सरकार ने स्थानीय संसाधनों पर स्थानीय आदिवासियों के अधिकार के कानून के तहत इस तरह के खनन को वैध रूप देने का प्रयास किया था, लेकिन कोयला खदान (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम के तहत कोयला खनन के अधिकार, स्वामित्व आदि हित केंद्र सरकार के पास सुरक्षित हैं, इसलिए राज्य सरकार इस अवैध खनन को वैध का जामा नहीं पहना पायी. लेकिन गैरकानूनी खनन, भंडारण और पूरे देश में इसका परिवहन चलता रहता है. रेट होल खनन न केवल अमानवीय है, बल्कि इसके चलते यहां से बहने वाली कोपिली नदी का अस्तित्व ही मिट-सा गया है. एनजीटी ने अपने पाबंदी के आदेश में साफ कहा था कि खनन इलाकों के आसपास सड़कों पर कोयले का ढेर जमा करने से वायु, जल और मिट्टी के पर्यावरण पर बुरा असर पड़ रहा है. भले ही कुछ लोग इस तरह की खदानों पर पाबंदी से आदिवासी अस्मिता का मसला जोड़ते हों, लेकिन हकीकत सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत नागरिक समूह की रिपोर्ट में बतायी गयी थी कि अवैध खनन में प्रशासन, पुलिस और बाहर के राज्यों के धनपति नेताओं की हिस्सेदारी है और स्थानीय आदिवासी तो केवल शोषित श्रमिक ही हैं. ज्यादा चिंता इस बात की है कि कोयले की कालिख राज्य की जल निधियों की दुश्मन बन गई है. लुका नदी पहाड़ियों से निकलने वाली कई छोटी सरिताओं से मिलकर बनी है, इसमें लुनार नदी मिलने के बाद इसका प्रवाह तेज होता है. इसके पानी में गंधक की उच्च मात्रा, सल्फेट, लोहा व कई अन्य जहरीली धातुओं की उच्च मात्रा, पानी में आक्सीजन की कमी पाई गई है. अदालत की फटकार है, पर्याप्त धन है, लेकिन इन खदानों से टपकने वाले तेजाब से प्रभावित हो रहे जनमानस को कोई राहत नहीं है. यह हरियाली चाट गया, जमीन बंजर कर दी, भूजल इस्तेमाल लायक नहीं रहा और बरसात में यह पानी बहकर पहाड़ी नदियों में जाता है तो वहां भी तबाही है.

> रेट होल खनन न केवल अमानवीय है, बल्कि इसके चलते यहां से बहने वाली कोपिली नदी का अस्तित्व ही मिट-सा गया है. एनजीटी ने अपने पाबंदी के आदेश में साफ कहा था कि खनन इलाकों के आसपास सड़कों पर कोयले का ढेर जमा करने से वायु, जल और मिट्टी के पर्यावरण पर बुरा असर पड़ रहा है.

मीडिया में अन्यत्र

तीर्थाटन के पर्यटन होने पर नुकसान की आशंका

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा शुरू होते ही श्रद्धालुओं के सैलाब से जिस तरह प्रशासनिक व्यवस्थाएं चरमराई हैं, उसने कई सवालों को जन्म दिया है. तीखी गर्मी के बीच लगे कई किलोमीटर लंबे जाम कष्टकारी और जानलेवा साबित हुए हैं. दरअसल, अक्षय तृतीया के दिन दस मई को केदारनाथ, यमनोत्री और गंगोत्री के कपाट खुले थे. उसके ठीक बाद बारह मई को बद्रीनाथ के कपाट खुलने के बाद तो श्रद्धालुओं का तांता लग गया. स्थिति इतनी विकट हो गई कि पहले पांच दिनों में ढाई लाख से अधिक श्रद्धालु तीर्थों के दर्शन कर चुके थे. इसके अलावा सत्ताईस लाख से अधिक श्रद्धालु अपना पंजीकरण करा चुके थे. बताया जाता है कि पिछले साल के मुकाबले इन दिनों में करीब पांच गुना अधिक श्रद्धालु तीर्थस्थलों तक पहुंचे. स्थिति का अनुमान न लगा पाने के कारण व्यवस्था व सुविधाएं अस्त-व्यस्त होकर रह गईं. गर्मी के दौरान कई किलोमीटर लंबे जाम में फंसे होने के कारण कुछ लोगों के रास्ते में मरने की खबरें आ रही हैं. जो साफ बताता है कि उत्तराखंड का शासन-प्रशासन तीर्थ यात्रियों की संभावित संख्या का सही अनुमान नहीं लगा सका. दरअसल, पारिस्थितिकीय रूप से बेहद संवेदनशील इस हिमालयी क्षेत्र की संरचनाएं बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों के दबाव झेलने में सक्षम नहीं हैं. हमारे नीति-नियंताओं ने इस क्षेत्र में भारी-भरकम विकास के नाम पर जो कुछ भी किया वह हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता को नजरअंदाज करते हुए ही किया. चारधाम ऑल वेदर रोड बनाने के प्रयास तो हुए लेकिन यात्रा को सहज-सुगम बनाने के लक्ष्य हासिल नहीं किये जा सके. दरअसल, देश के मध्यम वर्ग में आई संपन्नता व बैंकिंग सुविधाओं के चलते वाहनों की खरीद में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है. लोग बसों आदि के बजाय अपने वाहन लेकर इन तीर्थ स्थलों पर पहुंच रहे हैं. सरकारें भी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुगम नहीं बना सकी. जिसके चलते दर्जनों किलोमीटर लंबी वाहनों की कतारें जानलेवा साबित हो रही हैं. हकीकत यह भी है कि उत्तराखंड का शासन-प्रशासन आने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या का ठीक-ठीक अनुमान नहीं लगा सका है. जिसके चलते तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाएं भी कम पड़ गई. अफरा-तफरी और कुछ श्रद्धालुओं की मौत के बात शासन-प्रशासन जागा है. फिर आनन-फानन में दर्शन के इच्छुक तीर्थयात्रियों की संख्या को सीमित किया गया. दरअसल, तीर्थयात्रियों का दबाव कम करने हेतु यात्रा के लिए होने वाले नामांकन को भी फिलहाल टाला गया है. **(दैनिक ट्रिब्यून)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

अभिमान/अहंकार/दर्प

हमारे धर्म शास्त्रों में शब्द को ब्रह्म कहा गया है. शब्द में बहुत बड़ी शक्ति होती है. शब्द की शक्ति से संग्राम से लेकर दिलों तक को जीता जा सकता है. शब्दों के माध्यम से हम अपने इष्ट देवी-देवता तक पहुंच सकते हैं. कुछ ऐसी ही अवधारणा से मंत्रों की सृष्टि हुई होगी. मंत्र के प्रयोग से बड़े से बड़ा काम हो जाता है, ऐसी धारणा लोगों में है. कहा जाता है कि मंत्र बहुत ही शक्तिशाली शब्दों का समूह होता है, लेकिन कोई भी मंत्र तभी सार्थक परिणाम देता है, जब शब्दों का सही उच्चारण किया जाता है. मंत्रों का अशुद्ध उच्चारण न केवल प्रभावहीन होता है, बल्कि कभी कभी उल्टा परिणाम भी सामने ला खड़ा कर देता है. इसमें दो मत नहीं हो सकता कि कोई भी शब्द तबतक प्रभावशाली नहीं होता, जबतक उसका यथोचित प्रयोग न हो. इस क्रम में विचारणीय शब्द हैं अहंकार, अभिमान, दंभ और गर्व. इन शब्दों में आत्मश्लाघा यानी अपने आप की प्रशंसा के तत्व विद्यमान हैं, परंतु इन्हें एक नहीं समझा जा सकता. इनके अर्थों में अलग-अलग कुछ विशिष्टताएं हैं. अहंकार वह चित्तवृत्ति है, जो तब पैदा होता है, जब व्यक्ति अपने गुणों को वास्तविकता से कुछ अधिक समझने लगता है. दूसरा है दर्प. यह जिस व्यक्ति में होता है तो इसका अर्थ है कि वह व्यक्ति घमंड में ऐसा चूर है कि शिष्टाचार, नियमादि की चिंता नहीं करता. जब किसी व्यक्ति में अभिमान आ जाता है, तो वह सम्मान में स्वयं को बड़ा और दूसरों को छोटा समझने लगता है. दंभ उस चित्त वृत्ति का नाम है, जो अयोग्य व्यक्ति को इस भ्रम में डाले रखता है कि उससे अधिक काबिलियत किसी में नहीं हो सकती. इन सबों में सर्वोच्च है गर्व. यह तब आता है, जब व्यक्ति अपने धन, बल, कुल, विद्या आदि की वास्तविक स्थित पर अभिमान करता है. इसमें अपनी महत्ता का उचित ज्ञान होता है और गौरव का भाव पैदा होता है.

सुनते रहें, सुनाते रहें दुःख दर्द की दास्तां

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

सुख को भला कौन पूछता है. वह तो चाट के पत्ते की तरह है, खाया और फेंका, लेकिन दुःख-दर्द भला कोई इस तरह फेंकता है ? बड़े संभाल के रखते हैं हम उसे. वर्तमान में जो है, उसे तो भुगतते ही है, जो भुगत चुके हैं, उसे भी याद करते रहते हैं, मौक़ा मिलते ही दोहराते रहते हैं कि कहीं भूल न जाएं. दुःख चीज़ ही ऐसी है. दार्शनिकों के चिंतन में वह पसरा पडा है. कवियों की कविताओं में वह बिखरा हुआ है. राजनेताओं के जुबान पर वह बड़े ठाट से विराजमान है. समाजसेवकों के जुमलों में उसने पैठ बना ली है. सब के सब दुःख-दर्द की ही बात करते हैं. हर जगह व्याप्त दुःख की मानों जुगाली करते हैं. इधर यह जुगाली कुछ ज्यादह ही बढ़ गई है. राजनीति पर तो दुःख-दर्द ने मानो कब्ज़ा ही कर लिया है. कोई ऐसी पार्टी नहीं है, जो दुःख-दर्द से कराह न रही हो. ख़ासतौर पर किसानों का दुख-दर्द, बेरोजगारों का, गरीबों का दुःख-दर्द, दलितों, वंचितों का दुःख-दर्द, स्त्रियों का, आदिवासियों का दुःख-दर्द, संक्षेप में जनता का दुःख-दर्द - हर दल के दुःख-दर्द की कहानी है. इसे बड़े भावुक होकर बताया जाता है. संवेदनाएं प्रकट की जाती हैं. निवारण की प्रस्तावित कोशिशों और उपायों की चर्चा की जाती है. आरोप प्रत्यारोप लगाए जाते हैं. क्यों है और क्यों नहीं गया यह अभी तक. जुमलेबाज़ी शबाब पर है. दुःख-दर्द पर इतनी चिंता व्यक्त की जा रही है, और जनता है कि फिर भी नायिका की तरह रूठी हुई है. सामान्यतः दुःख और दर्द एक दूसरे में व्याप्त 'जुड़वां भाई' हैं. ठीक इस तरह जैसे शरीर और मन हैं, देह और आत्मा है. हम मन को शरीर से और शरीर को आत्मा से अलग नहीं कर सकते, उसी तरह दुःख और दर्द को भी अलग नहीं कर सकते. दर्द शरीर है तो दुःख आत्मा है. दर्द शरीर में होता है, दुःख मन में विराजता है. दुःख-दर्द एक मनो-दैहिक अवधारणा है. दुःख दर्द जुड़वां हैं, माना. लेकिन उन्हें अलग अलग भी देखा जा सकता है. उर्दू-शायरी में तो दुख दर्द भरा पडा है, मुहब्बत का दर्द. होती है मुहब्बत, तो दर्द; टूटती है मुहब्बत, तो दर्द. दर्दे दिल दर्दे जिगर. सहते रहते हैं, सहने में ही मज़ा है. मुहब्बत का मारा, अपने दिल और जिगर का दर्द लेकर किसी हकीम के पास नहीं फटकता. दर्द ही में मुब्तला रहता है —मुब्तला-ए-गम. लोग दुःख-दर्द पालते हैं, सहते हैं, उठाते हैं, बताते हैं, गिनाते हैं, बढ़ाते हैं. भाषा भी तो हमारी कमाल की है. दुःख दर्द का साथ देने के लिए सदैव तत्पर रहती है. कहीं राहत नहीं है.

मोटिवेशन

आत्मविश्वास से जुड़ीं कुछ बेसिक बातें

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

ऐसे स्टूडेंट्स की कमी नहीं जो पढ़ाई में बहुत अच्छे होते हैं, इनफैक्ट क्लास के बेस्ट स्टूडेंट होते हैं लेकिन उनमें आत्मविश्वास की काफी कमी होती है. वे दूसरों के सामने जाने से, बात करने से हेजिटेट करते हैं. ऐसे स्टूडेंट्स पढ़ाई में अच्छा होने के बावजूद बड़ी सफलता से चूक जाते हैं.

आत्मविश्वासी बनने के लिए हमें इन पांच बातों पर ध्यान देना चाहिए.

- हमें किसी एक फील्ड में एक्सेल करने की कोशिश करनी चाहिए.
- हमें सभी गतिविधियों भाग लेना चाहिए.
- नए लोगों से इंटरेक्ट करना चाहिए.
- शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना चाहिए.
- समय-समय पर यात्रा करनी चाहिए.

इनके साथ-साथ कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण बेसिक बातें हैं, उनपर लोग ध्यान नहीं देते. ये बातें हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं.
आइए, उन बेसिक बातों को जानें और अभी से उनपर ध्यान देना शुरू करें.

1. **अंडरगारमेंट्स** : जो अंदर फिट वह बाहर भी हिट. यह एक विज्ञापन का पंच लाइन है, जो बहुत सही है. भले दिखाई न दे, लेकिन फटे, बेढंगे, पुराने अंडरगारमेंट्स व्यक्ति को अंदर से डल बनाते हैं. फटे ढीले ढाले गंजी-मोजों को डिस्कार्ड करें. साफ-सुथरे, सही साइज के अंडरगारमेंट्स पहनना शुरू करें. इससे आप खुद में अच्छा फील करेंगे, आपके आत्मविश्वास में भी बढ़ोत्तरी होगी.

2. **सही पाउडर-क्रीम** : मौसम के अनुसार आदमी को सही पाउडर-क्रीम का प्रयोग करना चाहिए. अपनी त्वचा को ध्यान में रखकर सही ब्रांड के क्रीम का प्रयोग करें, ताकि त्वचा स्वस्थ रहे और उसका ग्लो बरकरार रहे. सही डियो और आफ्टर शेव भी बहुत मायने रखता है. लाइट स्मेल वाले परफ्यूम यूज करें. ये सारी बातें हमारे आत्मविश्वास को बूस्ट करती हैं.

3. **सही कपड़े और फुटवियर**: एक या दो महंगे ब्रांडेड ड्रेस रोज पहनने से बेहतर है, औसत मूल्य के ड्रेस पहनना, सप्ताह के सातों दिन अलग-अलग. सही साइज के आयरन किए कपड़े पहनें. फैशन के नाम पर बहुत ढीला या एक्सेस टाइट ड्रेस किसी विशेष अवसर पर चल सकता है, लेकिन दिन प्रतिदिन की जिंदगी में ऐसा नहीं पहनना चाहिए. साथ ही फुटवियर और बेल्ट पर भी ध्यान दें. बहुत लोग ड्रेस तो बहुत अच्छा पहनते हैं, लेकिन अनपॉलिश्ड पुराने जूते पहनते हैं, पुरानी चप्पल पहनते हैं. कटी- फटी पुरानी बेल्ट लगा लेते हैं. जी नहीं, हमेशा पॉलिश्ड शूज पहनें. दो तीन पेयर शू - स्लिपर हों तो बेहतर. अच्छी बेल्ट और घड़ियां भी दो-तीन होनी चाहिए, जिन्हें आप बदल-बदल कर पहनें. एक कहावत है- अच्छा पहनावा सारे दरवाजे खोल देता है. आत्मविश्वास दूना कर देता है.

4. **हेयर स्टाइल** : ज्यादातर लड़कियों और महिलाओं को लगता है कि वे खुले बालों में बहुत आकर्षक दिखती हैं. यह उनकी गलतफहमी है. सभी में अलग-अलग हेयर स्टाइल सूट करता है. आपको जानना चाहिए कि आप किन-किन हेयर स्टाइल में ज्यादा आकर्षक दिखती हैं. सही फिटिंग वाले ड्रेस के साथ अपने हेयर स्टाइल पर भी ध्यान दें. ये बातें लड़कों पर भी लागू होती हैं. ज्यादातर लड़के पोनीटेल में आकर्षक कम, कार्टून ज्यादा दिखते हैं. फैशन के नाम पर कार्टून न बनें. सही कपड़ों के साथ हेयर स्टाइल सही रखने से हमारा आत्मविश्वास कई गुना बढ़ जाता है.

5. **बॉडी लैंग्वेज** : इतना कुछ तो हो गया लेकिन इन सब से जुड़ा हुआ एक महत्वपूर्ण बिंदु है हमारा बॉडी लैंग्वेज. इस पर बहुत ध्यान देने की जरूरत है. हमें अपने वॉक पर, अपने उठने बैठने खड़े होने पर विशेष ध्यान देना चाहिए. अपने फेशियल एक्सप्रेशंस को इंप्रूव करना चाहिए. सही बॉडी लैंग्वेज दूसरों को तो आकर्षित करता ही है, इससे हम खुद में बहुत अच्छा फील करते हैं. इससे हमारे आत्मविश्वास में बहुत वृद्धि होती है.

मूल मंत्र : जेम्स मैडिसन ने कितनी सही बात कही है-उपाय जानकर भी उसे न मानना जान-बूझकर अज्ञानी बने रहना है. आत्मविश्वासी बनने के सारे राज हमें मालूम हो गए हैं, क्यों न उन्हें अपनाकर अपनी जिंदगी को बेहतरीन बनाएं.

वैवाहिक संबंध की दुनिया में इन दिनों एक शब्द दुनिया भर में ट्रेंड में है- स्लीप डाइवोर्स. ना-ना..., उस तरह का नहीं, यह डिवोर्स कुछ अलग तरह का है. यह डिवोर्स ऐसा है जो बस एक दूसरे को नींद की पूरी आजादी देता है. अनिद्रा जो इन दिनों एक वैश्विक समस्या बनी है जिसके कारण कई तरह की मानसिक-शारीरिक परेशानियां लोग झेल रहे हैं, उन सब से निजात दिलाने का एक नया नाम है स्लीप डिवोर्स. क्या और कैसे होता है स्लीप डिवोर्स और रिश्तों पर यह कैसा असर डालता है, आइए करें इस पर चर्चा...

क्या आपने भी ले रखा है स्लीप डिवोर्स?

क्या है स्लीप डिवोर्स

आमतौर पर घर में पति-पत्नी का एक बेडरुम होता है और उसमें मौजूद एक ही बेड पर दोनों सोते हैं. पर इन दिनों पति पत्नी दिन भर तो साथ रहते, खाते-पीते हैं, पर जब बात सोने की आती है तो उनका बेड यहां तक कि कमरा भी अलग. यह किसी अलगाव या मतभेद के कारण नहीं. दरअसल जीवन की आपाधापी में फंसे पति-पत्नी अपनी नींद को प्राथमिकता देते हुए सोने का यह नया ढर्रा अपनाएं हैं जिसे जमाना इन दिनों स्लीप डिवोर्स के नाम से जान रहा है. हालांकि हम भारतीय जब इसे पूरी तरह अपनाएंगे तो यकीनन डिवोर्स जैसे शब्दों को हटा कर कुछ अलग नाम देंगे.

इसलिए चलन में

अक्सर पति-पत्नी दोनों कामकाजी होते हैं. दोनों के शिफ्ट, वर्क पीरियड अलग होते हैं. ऐसे में स्लीपिंग शेड्यूल भी अलग होते हैं. इसके अलावा एक दूसरे की नींद में हाथ-पांव मारने की आदत, खर्राटे लेने की आदत भी नींद को प्रभावित करती है. स्वस्थ तन मन के लिए सात से नौ घंटे तक की जरूरी मानी जाती है. ऐसे में अमेरिका जैसे पश्चिम देश ही नहीं, अपने देश के मैट्रो सिटीज में भी इन दिनों कई पति-पत्नी अलग बेड और अलग कमरे में सोना पसंद कर रहे हैं.

क्या हैं फायदे-गैर फायदे

एक जाहिर सा फायदा है कि इससे नींद पूरी होती है. नींद की कमी कई स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों की वजह तो बनती ही है, इससे मूड पर भी असर पड़ता है और व्यक्ति चिड़चिड़ाने लगता है. अक्सर उसका गुस्सा और चिड़चिड़ाहट अपने पार्टनर पर ही निकलता है. ऐसे में स्लीप डिवोर्स रिश्ता बिगाड़ने की जगह रिश्ता जोड़ने वाला भी साबित हो सकता है. लेकिन यह ट्रेंड समाज वैज्ञानिक के माथे पर शिकन डालता है कि कहीं इससे वैवाहिक रिश्ते में दूरी न आए. उनकी नजदीकियां ना प्रभावित हों. उनकी अंतरंगता में खलल न दे. अगर वे अपने कनेक्शन को बनाए रखने के लिए कोई दूसरा तरीका नहीं ढूंढते हैं तो स्लीप डिवोर्स के कारण उनके रिश्ते में दूरी पैदा हो सकती है. स्लीप डिवोर्स तभी बेहतर तरह से काम कर सकता है जब दोनों पार्टनर्स की इसपर सहमति हो, दोनों में ढेर सारा प्यार और एकदूसरे पर विश्वास हो. ऐसा ना होने पर रिश्ते की नींव डगमगा सकती है.

नया नहीं है यह चलन

सिद्धार्थ सिन्हा
वरीय चिकित्सक

आईटी, चिकित्सा आदि फील्ड जहां नौकरी घड़ी की सूई से बंधी नहीं रहती, जहां पति-पत्नी दोनों कार्यरत हैं और अलग-अलग शिफ्ट में काम करते हैं, ऐसे व्यस्त परिवारों में यह बेहद आम है. लेट नाइट लॉगिंग, ऑनलाइन मीटिंग या काम से देर रात लौटने पर पार्टनर को डिस्टर्ब करने की जगह अलग कमरे में सोना बेहतर विकल्प लगता है. फिर अपने भारतीय समाज में तो बच्चे उस उम्र तक जब उन्हें खुद प्राइवेसी नहीं चाहिए होती है, अक्सर मां के साथ ही सोना पसंद करते हैं. ऐसे में पति-पत्नी अलग कमरे में ही सोते हैं क्योंकि एक बेड पर सबकी गुंजाइश कहां निकल पाती. इस व्यवस्था में कुछ गलत भी नहीं है क्योंकि बेशक नींद पूरी होनी जरूरी है. हां, इसमें ध्यान रखना होगा कि वैवाहिक (शारीरिक) संबंध नहीं प्रभावित हो. अगर यह प्रभावित होता है तो, समस्या हो सकती है.

कोई और विकल्प ढूंढिए

एक कहावत है-आउट ऑफ साइट आउट ऑफ माइंड. जो नजर से दूर, वह मन से भी दूर. यह सही है कि नींद पूरी न हो तो बहुत तरह की शारीरिक मानसिक समस्याएं शुरू हो जाती हैं. पार्टनर चूंकि सबसे करीबी होता है तो इसका असर कहीं न कहीं पार्टनर पर पड़ता है. पर अलग-अलग बेड पर सोना इसका इलाज नहीं है. इसके लिए कोई और विकल्प खोजना चाहिए. जिंदगी कितनी व्यस्त है कि इसकी वजह से अलग-अलग कमरे में सोना पड़ रहा है. दिन में तो समय नहीं ही मिल रहा है, खाना साथ नहीं खा पा रहे हैं, अलग अलग शेड्युल है दोनों का, वर्क स्टेशन अलग है तो साथ बिताने का समय कहां है. अगर एलिट क्लास की तरह आप साल में एक दो बार छुट्टियों पर चले जाते हैं, वेकेंशस प्लानिंग कर उस वक्त साथ रहते हैं, वीकेंड पर साथ समय बिताते हैं ...फिर भी पति-पत्नी जैसे संवेदनशील रिश्ते के लिए यह काफी नहीं. भले आपस में प्यार है, खूब विश्वास है, तब भी. पति-पत्नी के रिश्ते की जब हम बात करते हैं तो इसमें आपसी संवाद बहुत मायने रखता है. दिन में समय नहीं, रात में अलग अलग सो रहे हैं तो साथ बात करने का मौका कहां मिल रहा. नींद से संबंद्धित समस्या है तो कोई और समाधान ढूंढ़ना चाहिए.

मोनिका आर्या
पत्रकार

यह आदत तो ठीक नहीं

डॉ नम्रता प्रसाद
समाजशास्त्री

सुविधा की जिस स्थिति को स्लीप डिवोर्स कहा जा रहा, यह कुछ दिनों के लिए तो ठीक है, पर यदि नियमित और आदत के तौर पर इसे अपना लिया जाए तो वैवाहिक संबंध के लिए बहुत अच्छी स्थिति नहीं कही जा सकती. इसमें कोई दो राय नहीं कि दो अलग कमरे में सोना पति-पत्नी को वैवाहिक (शारीरिक) रिश्तों के प्रति उदासीन बनाएगा.

यात्रा वृतांत : संजय डुबरी -2

दिखी झाड़ियों के पीछे अलमस्त शेरनी

राकेश रमण

पहली सफारी पर निकले तो जिप्सी पर हमारे सारथी थे रामकुमार यादव जी. मैंने उन्हें स्नेह वश छोटा नाम दिया-नाना. नेबुआ से जब हम आगे बढ़े तो मात्र दो-तीन किलोमीटर के बाद ही हमें पक्की सड़क छोड़ देनी पड़ी. अब हम एकदम निहायत जंगल के रास्ते पर चल रहे थे. खुली गाड़ी में जंगल को अनुभव करना और खासकर चूते हुए महुआ के फूलों की सुगंध के साथ पतझड़ के पत्तों की खड़खड़ एक नए वातावरण का सृजन कर रही थी. यही तो खास बात है जंगल की. आप जब भी जंगल जायेंगे, एक नया और आकर्षक रूप आपको स्वागत करता मिलेगा.

लगभग 10 किलोमीटर की यात्रा के बाद संजय डुबरी का प्रवेश द्वार आने वाला था. हालांकि इसके पहले ही बफर जोन में हमें सबसे पहले हिरण की एक प्रजाति चिंकारा के दर्शन हुए. हमारे नए मित्र अपूर्व जी काफी प्रसन्न थे और जंगल को देखकर उनके अंदर का गायक पुराने हिंदी फिल्मों के गीतों को दुहराने लगा था- हे, नीले गगन के तले, धरती का प्यार पले

वाकई यह एक अनछुआ और जैविक दबाव से मुक्त स्वाभाविक जंगल प्रतीत हो रहा था. संजय डुबरी में प्रवेश के लिए पहले से सारी कार्रवाई जयंतो दा ने कर रखी थी. प्रवेश द्वार पर वन विभाग की तरफ से हमें हमारे मार्गदर्शक महेश जी मिले और हम सफारी में प्रवेश कर गए. प्रवेश करते ही यह आभास हो गया कि यह जंगल वन्य प्राणियों से परिपूर्ण है क्योंकि हमें जगह-जगह पर मोर, जंगली सूअर, बंदर लंगूर, चिंकारा, सियार आदि मिलते चले जा रहे थे. हमारे सारथी हमें लेकर मार्ग संख्या दो पर स्थित मंडोली पहुंचे. यह घासों से भरा हुआ एक नाला है. घास इतने बड़े कि उसमें घुसने पर हाथी तक दिखाई नहीं दे. हमें

वहां जंगल विभाग के दो ट्रैकर दिखाई दिए. पता लगा कि वह शेरों की निगरानी कर रहे हैं. घासों के बीच शेरनी अपने चार बच्चों के साथ बैठी है. काफी प्रतीक्षा के बाद भी हमें उस दिन बाघिन और उसके बच्चों का दर्शन नहीं हो पाया. हालांकि हमने मार्ग संख्या एक में भी अपनी खोज जारी रखी.

अगले दिन और इसके आगे के दो दिन हम लोगों ने कुल आठ बार संजय दुबरी व्याघ्र आरक्ष के मार्ग संख्या एक और दो की यात्रा की. यहां के चप्पे चप्पे से जैसे हमारी जान पहचान हो गई. हमने कई सुंदर और मनोहरी तस्वीरें भी उतारी. जिनमें कई अनदेखे पक्षी थे तो कई नए और कई पुराने वन्य प्राणी भी. हालांकि महुआ चुनने के लिए ग्रामीणों के द्वारा लगाए गये आग से इस सफारी का बड़ा भाग बुरी तरह जल गया था और वह दृश्य हमें व्यथित कर रहा था. फिर भी संजय दुबरी का आकर्षण हमें बांधे रखने में सफल रहा. हमें यहां के अनुभवी मार्गदर्शक बाबूल्ले जी ने बताया कि यह सफारी 1674 वर्ग किलोमीटर में फैला है जिसमें कोर क्षेत्र 812 और बफर 862 वर्ग किलोमीटर है. बफर क्षेत्र में कुछ ग्रामीण आबादी है जो महुआ चुनने के लिए पत्तों में आग लगा देती है और यह आग पूरे जंगल में फैल जाती है.

तीसरी सफारी के समय सुभाष जी हमारे मार्गदर्शक बने. उनके मार्गदर्शन में ही हमें प्रथम बार लजोरी तालाब के निकट बाघिन का अप्रतिम दर्शन हुआ. वन विभाग में ही अपनी नौकरी के एकतालिस वर्ष बिताने के बावजूद मैंने इतने निकट से कभी स्वच्छन्द घूमते बाघ का दर्शन नहीं किया था. एकदम से रोमांच हो आया. यह एक बाघिन थी जो गर्मी भरा दिन नाले के कीचड़ में बिताने के बाद स्नान के लिए तालाब जा रही थी.

अहा! जंगल के पेड़ों और झाड़ियों के बीच चलती हुई उस शेरनी के चाल को देखना कितना मोहक और आकर्षक है. निडर और अलमस्त. थोड़ा आगे चलकर वह तालाब की मेड़ पर बैठ गयी. फिर देर तक बैठी रही. उसे जल्दी क्या थी! उसके लिए तो सफारी भ्रमण का समय निर्धारित नहीं था न! पर, हमारे लिए तो था. हमें लौटना पड़ा.

आज हमारी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं था. इसलिए शाम को हमने रिजॉर्ट की तालाब के निकट चांदनी रात में, इस उपलब्धि का जश्न मनाया. (क्रमशः)

फैशन

जमाना जेंडर न्यूट्रल फैशन का

अनामिका सिंह
फैशन डिजाइनर

फैशन की दुनिया में इन दिनों जेंडर न्यूट्रल फैशन इन है. यानी ऐसा फैशन जो पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए समान रूप से चलन में हो. जेंडर न्यूट्रल ड्रेसिंग ऐसी होती है जो किसी एक जेंडर को नहीं दिखाती है, बल्कि इसे किसी भी जेंडर के फैशन में शामिल किया जा सकता है. आइए आज जेंडर न्यूट्रल फैशन में शामिल कुछ प्रॉप्स की करें बात

ब्लेजर

इन दिनों किसी भी ड्रेसिंग का स्पेशल बनाने के लिए ब्लेजर का खूब प्रयोग होता है. अगर आप जेंडर न्यूट्रल ड्रेसिंग कर रहे हैं तो एक अच्छा डार्क कलर का ब्लेजर वार्डरोब में शामिल करें.

एसेसरीज

जेंडर न्यूट्रल एसेसरीज में सस्पेंडर, बेसबॉल कैप, स्कार्फ, बेल्ट, जैकेट के लिए पिन, सनग्लासेस आदि आते हैं.

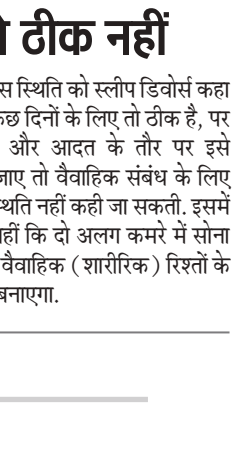

बॉय फ्रेंड जींस

बॉय फ्रेंड जींस जिसे पहन कर पता नहीं चलता कि आपकी बॉडी फेमिनिन है या मैस्कुलिन. जेंडर फैशन वार्डरोब में इसकी खूब ठसक है. अब महिलाएं भी इसे खूब कैरी कर रही हैं. दरअसल यहां पर आपको ढीली पैंट्स पहनने की सलाह दी जा रही है ताकि बॉडी कर्व के हिसाब से आपको पुरुष और महिलाओं वाले लुक में शामिल न किया जा सके.

डबल स्लीव्स

फुल स्लीव की टीशर्ट के ऊपर हाफ स्लीव टी शर्ट इसे ही फैशन की दुनिया में डबल स्लीव्स कहते हैं. यह भी जेंडर न्यूट्रल फैशन है जिसे कार्गो के साथ कैरी कर के लड़के और लड़कियां, दोनों कूल लुक पा सकते हैं. कोशिश कीजिए नीचे वाली टी शर्ट हल्के कलर की तो ऊपर वाली टी शर्ट डार्क कलर की हो.

बरमूडा के साथ हवाईयन शर्ट

हवाईयन शर्ट जो प्रिंटेड और लूज होती हैं किसी एक जेंडर की बात नहीं कहती हैं बल्कि ये तो जेंडर न्यूट्रल होती हैं. इन शर्ट को आप बरमूडा के साथ पहनें.

ग्रे, व्हाइट और ब्लैक कलर

ग्रे, ब्लैक और व्हाइट कलर जेंडर न्यूट्रल ड्रेसिंग पर खूब फबते हैं. जैसे ग्रे ब्लेजर के साथ सफ़ेद शर्ट और ब्लैक पैंट्स.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

पैरा एथलेटिक्स में भारत को दो पदक

कोबे (जापान)। भारत के लिए ऊंची कूद के पैरा एथलीट निषाद कुमार ने रविवार को यहां कोबे 2024 पैरा एथलेटिक्स विश्व चैम्पियनशिप के तीसरे दिन रजत पदक और प्रीति पाल ने महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा का कांस्य पदक जीता. तोक्यो पैरालंपिक के रजत पदक विजेता निषाद ने पुरुषों की ऊंची कूद टी47 फाइनल में 1.99 मीटर के प्रदर्शन से दूसरा स्थान हासिल किया और भारत का खाता खोला. निषाद ने पेरिस में 2023 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में इसी स्पर्धा का रजत पदक जीता था. अमेरिका के रोड्रिक टाउनसेंड ने 2.05 मीटर की कूद से स्वर्ण पदक अपने नाम किया. एक अन्य भारतीय राम पाल अपने सत्र के सर्वश्रेष्ठ 1.90 मीटर के प्रदर्शन से छठे स्थान पर रहे. टी 47 में वो पैरा ट्रैक एथलीट हिस्सा लेते हैं.

मास्टर्स शतरंज में अरविंद को मिली बढ़त

नयी दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने स्थानीय खिलाड़ी एआर सालेह सलेम को हराकर शारजाह मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में एकल बढत बना ली है. उनके बाद चार खिलाड़ी दूसरे स्थान पर हैं. जिनमें ईरान के अमीन टाबाटाबाइ और बर्डिया दनेश्वर और अमेरिका के हैंस मोके नीमैन और सैम शांकलैंड शामिल हैं. शीर्ष वरीयता प्राप्त अर्जुन एरिगेसी आठ अन्य खिलाड़ियों के साथ तीसरे स्थान पर हैं. इनमें भारत के संकल्प गुप्ता भी शामिल हैं. शारजाह मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के चार दौर अभी बाकी हैं. 16 खिलाड़ी तीन अंक लेकर अगले पायदान पर हैं. एरिगेसी और वोलोडार मुरजिन की बाजी बराबरी पर खत्म हुई.

आर्यमन को ब्लैक बेल्ट डॉन की उपाधि

रांची। इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी (इमा) के मुख्य प्रशिक्षण केंद्र संत जोसेफ क्लब में प्रतिभा सम्मान समारोह सह बेल्ट सेरेमनी का आयोजन किया गया. इस अवसर पर इमा के तकनीकी निदेशक सह नेशनल कोच शिहान सुनील किस्पोट्टा ने ग्रेडिंग में सफल रहे 86 खिलाड़ियों को बेल्ट एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया. छह साल के आर्यमन जैन को ब्लैक बेल्ट प्रथम डॉन की उपाधि से नवाजा गया. कोच ने आर्यमन को ब्राउन बेल्ट उतार कर उन्हें ब्लैक बेल्ट पहनाया. इस अवसर पर कई खिलाड़ियों को यलो बेल्ट, ऑरेंज बेल्ट, ग्रीन बेल्ट, ब्लू बेल्ट, पर्पल बेल्ट और ब्राउन बेल्ट से नवाजा गया. कोच शिहान सुनील किस्पोट्टा ने कहा कि ब्लैक बेल्ट को प्राप्त करना हर एक खिलाड़ी का सपना होता है.

चेन्नइयिन एफसी ने जितेश्वर का करार बढाया

चेन्नई। पूर्व चैम्पियन चेन्नइयिन एफसी ने इंडियन सुपर लीग में शानदार प्रदर्शन करने वाले मिडफील्डर युमखाइबाम जितेश्वर सिंह का करार 2025 तक बढाने का फैसला किया. मणिपुर के इस मिडफील्डर ने 2022 में चेन्नइयिन एफसी के लिए पदार्पण किया था. वह टीम के लिए 44 मैच खेल चुके हैं. टीम के मुख्य कोच ओवेन कॉयल ने कहा, जीतू कहीं नहीं जा रहा है. वह अगले सत्र में भी हमारे साथ होगा. जितेश्वर पिछले साल एएफसी अंडर 23 एशियाई कप खेलने वाले भारतीय टीम का भी हिस्सा थे.

सात्विक और चिराग ने जीता थाईलैंड ओपन खिताब

एजेंसी। बैंकॉक

भारत की स्टार जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने पेरिस ओलंपिक की तैयारियां पुख्ता करते हुए चीन के लियू यि और चेन बो यांग को हराकर थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन पुरुष युगल खिताब जीत लिया. पेरिस ओलंपिक की तैयारियां पुख्ता करते हुए दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी ने 29वीं रैंकिंग वाली विरोधी टीम पर 21.15, 21.15 से जीत दर्ज की.

एशियाई खेलों की चैम्पियन जोड़ी का यह सत्र का दूसरा और कैरियर का नौवां बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब है. उन्होंने मार्च में फ्रेंच ओपन सुपर 750 खिताब जीता था. दोनों मलेशिया सुपर 1000 और इंडिया सुपर 750 में उपविजेता रहे थे. चिराग ने जीत के बाद कहा, बैंकॉक हमारे लिये खास है. हमने 2019 में यहां पहली बार सुपर सीरीज और फिर थॉमस कप जीता था. सात्विक ने कहा , उम्मीद है कि इस जीत के बाद आने वाले टूर्नामेंटों में भी हम लय कायम रखेंगे. पेरिस ओलंपिक के बारे में पूछने पर चिराग ने कहा, हम ही नहीं सभी खिलाड़ी वहां पदक जीतने ही जाना चाहते हैं. उम्मीद है कि हम वहां भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे. सात्विक और चिराग आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में दूसरे दौर में हार गए थे. इसके बाद सात्विक की चोट के कारण एशियाई चैम्पियनशिप नहीं खेल सके. थॉमस कप में भी वे अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये. वे एक भी गेम

थाईलैंड ओपन

- साइराज व चिराग ने चीन के लियू व चेन बो को हराया
- दोनो भारतीय मलेशिया सुपर 1000 में उपविजेता रहे थे

गंवाये बिना थाईलैंड ओपन फाइनल में पहुंचे थे. लियू और चेन ने भी फाइनल तक के सफर में शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन भारतीय जोड़ी के शानदार फॉर्म का उनके पास कोई जवाब नहीं था.

सात्विक और चिराग ने जल्दी ही 5 . 1 की बढत बना ली. इसके बाद चेन और लियू ने लगातार चार अंक लेकर वापसी की. जब स्कोर 7 . 7 था तब चीनी जोड़ी ने 39 शॉट की रेली लगाई और 10.7 से बढत बना ली. उन्होंने कुछ लंबी रेलियां लगाई लेकिन चिराग ने तूफानी रिटर्न के जरिये स्कोर 10.10 कर लिया. ब्रेक के बाद सात्विक और चिराग ने 14.11 की बढत बनाई. यह बढत जल्दी ही 16.12 की हो गई.. चीनी जोड़ी ने तीन अंक बनाये लेकिन इसके बाद भारतीय जोड़ी ने लगातार पांच अंक लेकर गेम जीत लिया. दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने 8.3 के साथ शुरुआत की और ब्रेक तक पांच अंक की बढत बनाये रखी. चेन और लियू ने तीन अंक लगातार बनाये लेकिन सात्विक ने उनकी लय तोड़ी. जब स्कोर 15 . 11 था तब सात्विक को खेल में विलंब करने पर चेतावनी मिली और चिराग ने दो अंक गंवाये जिससे चीनी जोड़ी ने 15 . 14 की बढत बना ली. भारतीय जोड़ी ने इसके बाद शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्हें फिर कोई मौका नहीं दिया.

निजता के उल्लंघन को लेकर प्रसारक पर भड़के रोहित

एजेंसी। नयी दिल्ली

मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने आईपीएल के टीवी प्रसारक पर निजता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कहा कि एक्सक्लूजिव और व्यूज के चक्कर में एक दिन प्रशंसकों, क्रिकेटरों और क्रिकेट के बीच का विश्वास खत्म हो जाएगा. रोहित ने उनके और कोलकाता नाइट राइडर्स के सहायक कोच अभिषेक नायर के बीच बातचीत का वीडियो वायरल होने पर निराशा जताई. इस वीडियो में वह मुंबई इंडियंस के साथ अपने भविष्य पर बात करते नजर आ रहे हैं.

रोहित ने एक्स पर लिखी पोस्ट में आईपीएल के टीवी प्रसारक स्टार स्पोर्ट्स पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा, मेरे मना करने के बावजूद स्टार स्पोर्ट्स ने मेरी बातचीत को न सिर्फ रिकॉर्ड किया बल्कि प्रसारित भी कर दिया. यह निजता का उल्लंघन है. उन्होंने आगे लिखा कि कैमरा हर कदम पर पीछा करता है. दर्शकों की संख्या बढाने के लिए मीडिया और सोशल मीडिया पर मची होड़ पर कहा, एक्सक्लूजिव पाने और व्यूज तथा इंगेजमेंट पर ही फोकस रखने से एक दिन प्रशंसकों, क्रिकेट और क्रिकेटरों के बीच का विश्वास खत्म हो जाएगा.

अभिषेक और क्लासेन की आंधी में उड़ा पंजाब किंग्स

एजेंसी। हैदराबाद

- सनराइजर्स ने पहले क्वालीफायर के लिए पेश की अपनी दावेदारी
- प्रभसिमरन सिंह ने 45 गेंदों पर बनाए धुआंधार 71 रन

इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 69वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने इतिहास रच दिया. पंजाब किंग्स द्वारा दिए गए 215 रन के लक्ष्य को 5 गेंद रहते ही हासिल कर लिया और चार विकेट से मुकाबला अपने नाम किया. हालांकि पिछले साल राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सनराइजर्स ने 215 रन के लक्ष्य को हासिल किया था. राजीव गांधी स्टेडियम में पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट गंवाकर 214 रन बनाए. 215 रन के लक्ष्य को सनराइजर्स हैदराबाद ने 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया.

पंजाब किंग्स के कप्तान जितेश शर्मा ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. अथर्व ताइड़े और प्रभसिमरन सिंह ने ठोस शुरुआत की और पहले 6 ओवर में बिना किसी नुकसान के 61 रन बना लिए. 27 गेंदों में 46 रन बनाकर ताइड़े आउट हुए तो प्रभसिमरन ने अपना अर्धशतक पूरा किया और राइली रूसो के साथ मिलकर टीम को 150 के पार पहुंचाया। प्रभसिमरन 45 गेंदों में 71 रन बनाकर आउट हुए तो शशांक सिंह भी 2 रन जोड़कर पवेलियन लौट गए.

नटराजन ने चटकाए 2 विकेट

राइली रूसो ने तेजतर्रार 49 रन की पारी खेली और 4 छक्कों के साथ 3 चौके लगाए तो जितेश शर्मा ने 15 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से 32 रन बनाकर नाबाद रहे और पंजाब किंग्स को 215 तक पहुंचाया . टी नटराजन ने हैदराबाद के लिए एक बार फिर शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 33 रन देकर 2 विकेट चटकाए। पैट कमिंस और वियासकांत को भी एक एक सफलता मिली .

अभिषेक शर्मा ने फिर मचाया गदर

215 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरा सनराइजर्स हैदराबाद की शुरुआत खराब रही और ट्रेविस हेड पहली गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गए।.इसके बाद अभिषेक शर्मा और राहुल त्रिपाठी ने पारी को संभाला। राहुल 33 रन बनाकर आउट हुए तो अभिषेक ने एक बार फिर धुंआधार पारी खेली और 28 गेंदों में 6 छक्के और 5 चौकों की मदद से 66 रन जड़ दिए . नितेश रेड्डी और क्लासेन ने बची हुई पंजाब की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और हैदराबाद को 4 विकेट से जीत दिला दी . यह इस सीजन की हैदराबाद की सबसे बड़ी रन चेज और इतिहास की सबसे बड़ी संयुक्त रन चेज है .

आंखों में दिखे आंसू, सबके बीच रहकर भी अकेले पड़ गए माही

मैदान से धौनी की भावुक विदाई!

एजेंसी। बेंगलुरु

गत विजेता और पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स की टीम आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में नहीं पहुंच सकी. घरेलू टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने करो या मरो के मैच में चेन्नई को हराकर प्लेऑफ में जगह बनाई. मैच के बाद अब एकबार फिर सारी निगाहें धौनी की ओर टकटकी लगाए देख रही थी. जिस तरह एक के बाद एक इशारे मिल रहे थे, उसकी कड़ियों को जोड़ने पर यही लगता था कि धौनी आखिरी बार आईपीएल खेल रहे हैं. इसके बाद शायद संन्यास ले लेंगे. येलो आर्मी अगर चैंपियन बनती या फाइनल में भी पहुंचती तब तो ऐसे बिग इवेंट धौनी को ग्रैंड विदाई मिलती. मगर अब एकबार फिर से कयासों का दौर शुरू हो चुका है.

आरसीबी से हार के बाद धौनी की एक दिल तोड़ने वाली तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. जब जीत की उम्मीदें धीरे-धीरे धुंधली पड़ रही थी. टीम को तीन गेंद पर 11 रन की जरूरत थी. धौनी पहली ही गेंद पर छक्का लगाने के बाद दूसरी पर आउट हो चुके थे. डगआउट में वापस जाकर दोबारा मैदान पर नजर गड़ाने की कोशिश कर रहे थे. सिर पीछे झुकाए, जो छूट गया उसके बारे में सोच रहे थे. आंखों में नमी थी. चेहरे पर खामोशी थी. एक अजीब सी शांति, जिसके भीतर जज्बातों का तूफान पल रहा था. शायद धौनी बखूबी जानते हैं कि वह 42 साल की उम्र में शानदार फॉर्म के बावजूद फाइनल के नजदीक पहुंचाने का मौका गंवा चुके हैं.

धौनी के तमाम चाहने वाले इस बात को लेकर टेंशन में हैं कि क्या 18 मई दिन शनिवार को धौनी ने सीएसके के लिए अपना आखिरी मैच खेला लिया और क्या उनका आईपीएल करियर का दुखद अंत हो गया.

धौनी सीएसके परिवार का हिस्सा या मेंटोर नहीं रहेंगे तो मुझे आश्चर्य होगा : हेडन

नयी दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज मैथ्यू हेडन का मानना है कि करिश्माई विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धौनी ने इंडियन प्रीमियर लीग में अपना आखिरी मैच खेल लिया है, लेकिन वह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ किसी भूमिका में जुड़े रहेंगे . सीएसके का इस आईपीएल में शुक्रवार को अपने आखिरी लीग मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार के बाद सफर खत्म हो गया . इस मैच में धौनी ने 13 गेंद में 25 रन की आतिशी पारी खेली लेकिन यह टीम को प्लेऑफ में पहुंचाने के लिए काफी नहीं था . जीत के लिए 219 रन का पीछा करते हुए सीएसके को फाइनल में पहुंचने के लिए 201 रन की जरूरत थी लेकिन टीम सात विकेट पर 191 रन ही बना सकी . आखिरी ओवर फाइनल में पहुंचने के लिए टीम को 17 रन की जरूरत थी . धौनी ने यश दयाल की गेंद पर इस सत्र का सबसे लंबा 110 मीटर का छक्का लगाकर चेन्नई की उम्मीदें बनाये रखी थी लेकिन वह अगली गेंद पर आउट हो गये . इसके बाद टीम चार गेंद में सिर्फ एक रन ही बना सकी . धौनी ने मौजूदा सत्र में 220 .55 की शानदार स्ट्राइक रेट से और 53 .67 की औसत से 161 रन बनाये . वह इस अब तक इस आईपीएल के सबसे बड़े आकर्षण रहे है और हर मैदान में बड़ी संख्या में उनके प्रशंसक पहुंच रहे थे . चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल में खेल चुके पूर्व सलामी बल्लेबाज हेडन ने कहा कि धौनी अगले सत्र में अगर सीएसके का हिस्सा या मेंटोर नहीं होंगे तो उन्हें काफी आश्चर्य होगा .

आरसीबी के चमत्कारिक प्रदर्शन से अब दूसरी टीमों को प्रेरणा मिलेगी : कार्तिक

एजेंसी। बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक का मानना है कि लगातार छह जीत दर्ज करके आईपीएल प्लेआफ में जगह बनाने वाली उनकी टीम के चमत्कारिक प्रदर्शन से भविष्य में दूसरी टीमों को प्रेरणा मिलेगी. पहले आठ में से सात मैच हारने वाली आरसीबी ने बाहर होने की कगार से निकल कर वापसी की और अंतिम चार में जगह बनाई है. फाफ डु प्लेसी की कप्तानी वाली टीम ने शुक्रवार को गत चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स को 27 रन से हराकर चौथा स्थान हासिल किया. कार्तिक ने आरसीबी की विज्ञप्ति में कहा, लोग कुछ सफर को हमेशा याद रखेंगे. जिस तरह आठ मैचों के बाद हमने वापसी की. हमें छह मैच जीतने थे. लोग इस टीम को याद रखेंगे. उन्होंने कहा, इस टूर्नामेंट में हर साल सात मैचों के बाद ऐसी एक या दो टीमें जो सिर्फ एक या दो मैच जीती होंगी, हमें याद करके कहेंगी कि आरसीबी ने यह कर दिखाया था और हम भी कर सकते हैं . उन्होंने कहा, आप इसी के लिए क्रिकेट खेलते है जिसमें लोग आपका अनुकरण करेंगे और विश्वास करें कि वे भी कुछ खास कर सकते हैं. यह आसान नहीं है. हमने जो आज हासिल किया, वह बहुत खास है. प्लेऑफ में आरसीबी का सामना तीसरे स्थान पर रहने वाली राजस्थान रॉयल्स या सनराइजर्स हैदराबाद से होगा .

दिनेश कार्तिक

- आरसीबी ने बाहर होने की कगार से निकल कर वापसी की
- सीएसके को हराकर चौथा स्थान हासिल किया

त्वेसा 67 के कार्ड से संयुक्त 21वें स्थान पर

ब्रेंडनबर्ग (जर्मनी)। भारतीय गोल्फर त्वेसा मलिक ने अमुंडी जर्मन मास्टर्स के तीसरे दौर में पांच अंडर 67 का शानदार कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त 21वें स्थान पर बनी हुई हैं. यह लेडीज यूरोपीय टूर में करीब चार साल में त्वेसा का सर्वश्रेष्ठ राउंड है. वह अपना लेडीज यूरोपीय टूर कार्ड (एलईटी) बरकरार रखने की कोशिश में जुटी हैं. उन्होंने तीसरे दौर में एक ईगल और पांच बडी लगायी जबकि दो बोगी कर बैठीं. यह 2021 के बाद एलईटी पर उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है, उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में सनशाइन लेडीज टूर पर 65 का सर्वश्रेष्ठ कार्ड खेला था. भारत की कट हासिल करने वाली अन्य दो खिलाड़ी प्रणवी उर्स (71) और दीक्षा डागर (73) क्रमशः संयुक्त 31वें और संयुक्त 43वें स्थान पर बनी हुई हैं. वाणी कपूर, अमनदीप द्राल, स्नेहा सिंह और एमेच्योर अवनि प्रशांत कट हासल करने से चूक गयी थीं.

रिंकू के रैपिडफायर की कड़वी यादों को एक ओवर में धो दिया दयाल ने

एजेंसी। बेंगलुरु

महेंद्र सिंह धौनी ने 20वें ओवर की पहली फुलटॉस गेंद को चिन्नास्वामी स्टेडियम की छत के ऊपर भेजा तो गेंदबाज यश दयाल को पिछले साल रिंकू सिंह के बल्ले से निकले लगातार पांच छक्के याद आ गए लेकिन उन्होंने खुद को संभाला और बेहतरीन आखिरी ओवर डालकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आईपीएल प्लेआफ में जगह दिलाई.

रिंकू ने पिछले सत्र में दयाल को लगातार पांच छक्के जड़ कर कोलकाता नाइट राइडर्स को चमत्कारिक जीत दिलाई थी. दयाल को शनिवार को जब आखिरी ओवर सौंपा गया तो सामने धौनी और रविंद्र जडेजा थे जिन्हें बस 17 रन की जरूरत थी. दयाल ने पिछले अनुभव से सबक लेते हुए धौनी के छक्के के बाद धीमी गेंद डाली और भारत के पूर्व कप्तान का विकेट लेकर चेन्नई की उम्मीदों पर पानी फेर दिया. अगली चार गेंदों पर उन्होंने एक ही रन दिया. पिछले सत्र के बाद दयाल को गुजरात टाइटंस ने रिलीज कर दिया था. आरसीबी ने उन्हें नीलामी में पांच करोड़ रुपये में खरीदा और टीम के भरोसे पर खरे उतरते हुए दयाल ने पिछले जख्मों पर मरहम भी लगा दिया. उन्होंने कहा, जब पहली गेंद पर छक्का लगा तो मुझे पिछले साल की याद आ गई. लेकिन मैने पूरे सत्र में अच्छी गेंदबाजी की थी और मैं खुद से कहता रहा कि सिर्फ एक अच्छी गेंद की जरूरत है.

उन्होंने कहा, मुझे स्कोरबोर्ड देखने की जरूरत नहीं थी. मुझे बस अच्छी गेंद करनी थी. मैने आत्मविश्वास बनाये रखा. दयाल ने कहा, पिछली बार जो कुछ हुआ, उससे मैं नर्वस हो गया था. लेकिन आरसीबी टीम में आने के बाद से मैने काफी मेहनत की और अच्छी गेंद डालने पर ही फोकस रहा. सीनियर्स ने मुझे डांटा नहीं और हमेशा मेरे साथ खड़े रहे. इससे मुझे बहुत मदद मिली.

आईपीएल केकेआर ने अब तक 13 मुकाबले खेले, जिनमें से 9 में जीत हासिल की, 3 में मिली हार

केकेआर को नरेन का ओपनिंग साझेदार अब ढूंढ़ना होगा

एजेंसी। कोलकाता

श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम का इंडियन प्रीमियर लीग 2024 सीजन में धमाल जारी है. बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान की मालिकाना हक वाली कोलकाता टीम ने इस आईपीएल सीजन के प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली है. केकेआर ने अब तक (16 मई) 13 मुकाबले खेले हैं, जिनमें से 9 में जीते, 3 हारे और 1 बारिश से धुल गया. इस तरह टीम के 19 अंक हैं. केकेआर अब पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रहते हुए प्लेऑफ में एंट्री करेगी. मगर इससे पहले ही टीम को एक तगड़ा झटका लगा है.

ये दो स्टार प्लेयर हैं ओपनिंग के दावेदार : अब आईपीएल प्लेऑफ में टीम के मेंटोर गौतम गंभीर को नई रणनीति के तहत नरेन का ओपनिंग साझेदार ढूंढ़ना होगा. यह गंभीर और टीम मैनेजमेंट के लिए एक बड़ी समस्या बन गई है. वैसे नरेन के साथ ओपनिंग के लिए दो मजबूत दावेदार हैं. यह अफगानिस्तान के विकेटकीपर रहमानुल्लाह गुरबाज और भारतीय ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर हैं.

पिछले यानी 2023 सीजन में गुरबाज ने 10 मुकाबलों में ओपनिंग की थी. जबकि वेंकटेश ने 2 मैचों में मोर्चा संभाला था. इस लिहाज से गुरबाज की दावेदारी ज्यादा मजबूत नजर आ रही है. दूसरा मजबूत पहलू ये भी है कि साल्ट के जाने के बाद अब केकेआर टीम में बतौर विकेटकीपर गुरबाज और श्रीकर भरत ही बचे हैं. ऐसे में केकेआर की मजबूरी भी होगी कि गुरबाज को ही मौका दिया जाए.

साल्ट के जाने के बाद ओपनिंग का संकट

टीम के स्टार ओपनर फिल साल्ट अपने घर इंग्लैंड लौट गए हैं . यहां उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज खेलनी है . इसके बाद वो इंग्लैंड के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2024 में उतरेंगे . साल्ट के जाने के बाद केकेआर टीम में ओपनिंग का संकट छा गया है . दरअसल, इस सीजन में अब तक साल्ट ने 12 मुकाबलों में सुनील नरेन के साथ ओपनिंग की है . एक मैच बारिश के कारण बगैर टॉस के ही धुल गया था . यह इस सीजन की सबसे बेस्ट ओपनिंग जोड़ी भी रही . साल्ट के जाने के बाद कोलकाता टीम के मजबूत पिलर पर हथौड़ा पड़ा है .

2023 में केकेआर की ओपनिंग

- जेसन रॉय और वेंकटेश अय्यर
- जेसन रॉय और रहमानुल्लाह गुरबाज (4 मैच)
- एन जगदीसन और रहमानुल्लाह गुरबाज (4 मैच)
- एन जगदीशन और जेसन रॉय
- एन जगदीशन और सुनील नरेन
- जेसन रॉय और लिटन दास
- रहमानुल्लाह गुरबाज और वेंकटेश अय्यर
- रहमानुल्लाह गुरबाज और मनदीप सिंह

आखिरी मुकाबले में हो सकता है एक्सपेरिमेंट

जबकि वेंकटेश ने इस सीजन में धांसू रन भी बनाए हैं . ऐसे में गंभीर उन पर भी दाव खेल सकते हैं . साथ ही साल्ट की जगह गुरबाज या भरत को मिडिल ऑर्डर में उतारकर टीम को मजबूती दी जा सकती है . हालांकि इसकी संभावना कम ही नजर आ रही है . केकेआर को पहला क्वालिफायर 21 मई को अहमदाबाद में खेलना है .

सफल निशानेबाज रहीं मनु

एजेंसी। भोपाल

ओलंपियन निशानेबाज मनु भाकर राइफल और पिस्टल ओलंपिक चयन ट्रायल (ओएसटी) में सबसे सफल निशानेबाज रहीं. उन्होंने रविवार को यहां अंतिम दिन महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल ओएसटी टी4 मैच में जीत हासिल की. मनु की दो स्पर्धाओं के,ट्रायल में यह चौथी जीत रही.

उन्होंने महिलाओं की 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल के ट्रायल भी जीते. मनु ने ओएसटी टी4 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में 240.8 का स्कोर बनाया. उन्होंने हांग्झोउ एशियाड की चैम्पियन पलक को 4.4 अंक से पछाड़ा. रिदम सांगवान ने तीसरा स्थान हासिल किया. इससे पहले इलावेनिल वलारिवान ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल ओएसटी टी4 में 254.3 के स्कोर से जीत दर्ज की. यह स्कोर चीन की हान जियायू के इस महीने बाकू में आईएसएसएफ विश्व कप में बनाये गये 254.0 के मौजूदा विश्व रिकॉर्ड से 0.3 अंक अधिक रहा. रमिता (253.3) और मेहुली घोष (230.3) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं. दिव्यांश पंवार ने पुरुषों की एयर राइफल ओएसटी टी4 में 253.3 के स्कोर से जीत दर्ज की. यह स्कोर उनके मौजूदा विश्व रिकॉर्ड से 0.4 कम रहा.

ब्रीफ खबरें

बसनही में देसी कट्टा के साथ बदमाश गिरफ्तार

सहरसा। बसनही थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर एक देसी कट्टा, जिंदा कारतूस और 25 लीटर देसी महुआ शराब के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार व्यक्ति नोनैती गांव के घनश्याम पासवान का पुत्र सनोज कुमार बताया जा रहा है. बसनही थानाध्यक्ष संतोष कुमार निराला ने बताया छापेमारी कर एक देसी कट्टा एक जिंदा कारतूस के साथ साथ 25 लीटर देसी शराब बरामद किया गया है. गिरफ्तार व्यक्ति को उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.

गया: घर में लगी आग संपत्ति जलकर खाक

गया। नगर पंचायत के रानीगंज गड़ेरिया गांव में शनिवार रात एक किसान के घर में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई. घटना में करीब एक लाख से अधिक की संपत्ति जलकर खाक हो गई. ग्रामीणों का कहना है कि आग करीब रात के बारह बजे लगी थी. जिस समय घर के पूरे परिवार बेखबर सो रहे थे. अच्छा रहा कि आग की लहर तेज होने के बाद घर में धुआं फैलने से लोगों को अचानक नींद खुल गई. जिससे घर में सो रहे बच्चे व अन्य परिवार आग बेकाबू होने से पहले बाहर आ गए. घर के मालिक धनंजय कुमार ने बताया कि हमलोग सो रहे थे. अचानक लकड़ी जलने की आवाज से नींद खुली.

सामान के साथ तीन चोर हुए गिरफ्तार

पूर्णिया। पुलिस ने तीन चोरों को गिरफ्तार किया. बनभाग चुनापुर पंचायत अंतर्गत मध्य विद्यालय आदमपुर में बीते 14 मई की देर रात कक्ष का ताला तोड़कर स्मार्ट बोर्ड और प्रोजेक्टर की चोरी हुई थी. इसी मामले में पुलिस ने तीन चोरों को सामान के साथ गिरफ्तार कर लिया. थानाध्यक्ष नवदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि अनुसंधानकर्ता अमृता सिंह के नेतृत्व में अपर थानाध्यक्ष आर्या पृथ्वी नायडू, पुअनि सनी कुमार एवं सअनि विजय कुमार यादव की गठित टीम ने चोरी का उद्भेदन करते हुए मुख्य आरोपी को दबोचा. छापेमारी कर चोरी का स्मार्ट बोर्ड बरामद किया.

कांटी की जनसभा में गिरिराज सिंह ने केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाईं, बोले

मोदी सरकार ने अपना वादा पूरा किया

संवाददाता। मुजफ्फरपुर

लोकसभा चुनाव को लेकर बिहार में सियासी पारा गर्म है. राजनीतिक दलों के बीच जुबानी हमला जारी है. वोटरों को अपने पक्ष में लाने के लिए सभी दल अपने विरोधियों की कमियां और अपनी खूबियां खोज खोजकर गिना रहे हैं. अब तक चार चरणों के चुनाव हो चुके हैं. जहां बचे हैं वहां पर नेता अपने प्रत्याशियों को जिताने के दौरे पर हैं. इसी क्रम में गिरिराज सिंह उप मुख्यमंत्री सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के साथ कांटी के स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में वैशाली से लोजपा (आर) प्रत्याशी वीणा देवी और बंदरा के रतवारा में मुजफ्फरपुर से भाजपा के राजभूषण चौधरी निषाद के समर्थन में आयोजित सभाओं को संबोधित किया.

गिरिराज सिंह ने कहा कि आज तक लालू ने केवल गरीबों का हक छीनने का काम किया है. वे 2024 का चुनाव नहीं लड़ रहे हैं, बल्कि अपने युवराज के लिए 2025 की तैयारी कर रहे हैं. लोगों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पीएम मोदी की सरकार ने बिजली, पानी, शौचालय, राम मंदिर समेत जनता से किए सभी वायदे को पूरा किया है. भाजपा और एनडीए के सभी दल मिलकर 2024 का चुनाव जीतकर गरीबों के छूटे हुए काम पूरा करेंगे. 2025 तक सभी गरीबों को पक्का मकान मिलेगा. उनकी सुख सुविधाओं सो सुनिश्चित करने के लिए सरकार सभी काम करेगी. बंदरा के रतवारा में उन्होंने केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और फिर से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सशक्त सरकार बनाने में सहयोग की अपील की. इन सभाओं में वैशाली से प्रत्याशी वीणा देवी और मुजफ्फरपुर में बीजेपी के उम्मीदवार राजभूषण चौधरी निषाद के लिए वोट की अपील की.

सभा को उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी संबोधित किया. कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने जिस तरह अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनवाया है, हमलोग उसी तरह सीता माता का भव्य मंदिर बनाएंगे. मोदी सरकार गरीबों की चिंता करने वाली सरकार है. उप मुख्यमंत्री ने कहा कि लालू जी के लिए आरक्षण का मतलब केवल बेटा-बेटी हैं.

बोले गिरिराज

- लालू ने केवल गरीबों का हक छीनने का काम किया
- मुजफ्फरपुर से भाजपा के राजभूषण निषाद हैं
- वैशाली से लोजपा (आर) प्रत्याशी वीणा देवी हैं

यह जुमलों का नहीं हकीकत का चुनाव है: तेजस्वी

लोकसभा चुनाव के प्रचार को लेकर नेता सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं. वे इसका इस्तेमाल कर अपनी बात लोगों तक पहुंचा रहे हैं. इस दौरान तेजस्वी यादव ने अपनी एक्स पर पोस्ट की और लिखा कि इंडिया गठबंधन पूरे देश में तीन सौ से अधिक सीटें जीत रहा है. देश की महान जनता जान चुकी है कि ये चुनाव बकवास करने का नहीं विकास करने का चुनाव है. यह बुराई पर अच्छाई की जीत चुनाव है, यह जुमलों का नहीं हकीकत का चुनाव है, यह ग्लोबल नहीं स्थानीय मुद्दों का चुनाव है, यह खास का नहीं आम आदमी का चुनाव है, यह बेरोजगारी नहीं बल्कि नौकरी का चुनाव है, यह बकवास करने का नहीं विकास करने का चुनाव है. यह बीजेपी वालों के संविधान बदलने जैसे नापाक इरादे जैसे नौकरी, संविधान, आरक्षण और लोकतंत्र बचाने का चुनाव है. यह देश के किसान-नौजवान, छात्र-शिक्षक, नारी सम्मान और व्यापारी-कर्मचारी का चुनाव है. तेजस्वी ने कहा कि यह चुनाव संविधान और लोकतंत्र बचाने का है. कहा कि हमने 170 से अधिक सभाएं की है. हमारा एक हेलीकॉप्टर भाजपा व जदयू नेताओं के 20 हेलीकॉप्टर पर भारी है. उन्होंने कहा कि हम मुद्दों की बात करते हैं, जबकि पीएम मोदी बांटने और नफरत की राजनीति करते हैं. तेजस्वी ने कहा कि एनडीए सरकार में न कारखाना खुले, न नौकरी मिली, न महंगाई कम हुई और न गरीबी खत्म हुई. इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर 15 अगस्त को बेरोजगारी से आजादी दिलाएंगे और पूरे देश में एक करोड़ नौकरी देंगे. गरीब बहनों को साल में एक लाख रुपये, पांच सौ में गैस सिलेंडर, 200 यूनिट बिजली फ्री देंगे. पांच की जगह 10 किलो अनाज देंगे. अग्निवीर योजना खत्म कर नियमित नियुक्ति करेंगे.

इंडिया गठबंधन का सूपड़ा साफ होने वाला है : अमित

संवाददाता। बेतिया

लोकसभा चुनाव को लेकर बिहार में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दौरा जारी है. इसी क्रम में शाह रविवार को बेतिया में चुनावी सभा को संबोधित किया. अपने भाषण के दौरान अमित शाह ने विपक्ष पर जमकर हमला बोला. शाह ने ऐलान किया कि डायरी में लिख कर रख लेना, चार चरण में मोदी जी 270 पार कर चुके हैं. लालू जी की पार्टी (राजद) को चार और राहुल बाबा को चालीस सीट भी नहीं मिलने वाला है. शाह ने कहा कि इंडिया गठबंधन का सूपड़ा साफ होने वाला है.

इस दौरान शाह ने पूर्वी चंपारण लोकसभा सीट से एनडीए समर्थित भाजपा उम्मीदवार संजय जायसवाल को जिताने की अपील की. इंडिया गठबंधन पर आरोप लगाते हुए कहा कि ये लोग झूठ बोलकर जनता को गुमराह कर रहे हैं. ये कहते हैं कि मोदी जी 400 पार होंगे तो आरक्षण खत्म कर देंगे. शाह ने कहा कि इससे बड़ा झूठ नहीं हो सकता. दस सालों से मोदी जी के पास पर्याप्त बहुमत है, क्या आरक्षण पर हाथ लगाया है? उन्होंने कहा कि जब तक संसद में भाजपा का एक भी सांसद है, एससी-एसटी-पिछड़ों के आरक्षण को कोई हाथ नहीं लगा सकता. यह मोदी की गारंटी है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन के लोग देश को परचून की दुकान समझते हैं. कहते हैं कि बहुमत मिला तो एक-एक साल के लिए प्रधानमंत्री बनायेंगे. ऐसे होता है क्या?

केंद्रीय गृह मंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा कि ओबीसी के आरक्षण पर डाका डालने का काम कांग्रेस ने किया है. कांग्रेस ने कर्नाटक और तेलंगाना में मुस्लिमों को आरक्षण दिया है, जो संविधान सम्मत नहीं है. धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता. शाह ने कहा कि मैं लालू जी से पूछना चाहता हूं, आप जिस कांग्रेस की गोदी में बैठे हैं, उसने पांच फीसदी आरक्षण मुसलमानों को दिया है, किसका हिस्सा कटा, यह हिस्सा ओबीसी का कटा है. शाह ने आरोप लगाते हुए कहा कि अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए लालू यादव पिछड़ा विरोधी कांग्रेस की गोद में बैठ गए हैं. शाह ने कहा कि कांग्रेस के नेता मणिशंकर अय्यर कहते हैं, पाकिस्तान के पास एटम बम है, पीओके की बात न करें.

अहियापुर में युवती के साथ गैंगरेप

संवाददाता। मुजफ्फरपुर

वाहन में युवती के साथ दुष्कर्म

पटना। बदमाशों ने वाहन में दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया. मामला नौबतपुर थाना क्षेत्र का है. बताया जा रहा है कि नौकरी का झांसा देकर पहले बुलाया उसके बाद गाड़ी में बैठा कर युवती के साथ दुष्कर्म किया गया. जहां पुलिस को डायल नंबर 112 पर कॉल आया कि थाना क्षेत्र के शेखपुरा बांध के पास बेहोशी अवस्था में एक महिला और एक युवती पड़ी हुई है. पुलिस उस जगह पर पहुंची और दोनों को बेहोशी की हालत में अस्पताल ले गई. जानकारी के अनुसार गाड़ी में मां के सामने ही बेटी का दुष्कर्म किया गया. दानापुर के डीएसपी दीपक कुमार ने बताया कि घटना की सूचना पुलिस को मिली थी. पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए महिला और युवती को अस्पताल ले गई. होश में आने के बाद महिला ने बताया कि उसकी बेटी को कंकड़बाग के एक कंपनी में नौकरी लगाने की बात हो रही थी. उसके लिए दो व्यक्ति मिलने के लिए डुमरी स्टेशन के पास बुलाया था. जब मां-बेटी डूंमरी स्टेशन के पास पहुंची तो वहां गाड़ी से दो लोग आए हुए थे. उस गाड़ी में तीन लोग पहले से बैठे हुए थे. इसके बाद फिर हम दोनों को गाड़ी में बैठने के लिए कहा गया. हम दोनों को बैठा कर चलते बने.

अहियापुर थाना क्षेत्र से दुष्कर्म की घटना सामने आयी है. इसमें पीड़िता के बॉयफ्रेंड के अलावा उसके तीन दोस्तों भी शामिल हैं. पीड़िता की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है. पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है. बताया जाता है कि दोनों के बीच पांच साल पहले मिस्ड कॉल से दोस्ती हुई थी फिर उसके बाद वे प्रेमिका बन गए.

पुलिस को दिए आवेदन में लड़की ने बताया कि उसका बॉयफ्रेंड राजू कुमार उसे बाइक पर बैठाकर अहियापूर इलाके में घूमने ले गया. वह चकअहमद गांव का रहने वाला है. सुनसान इलाके में बगीचे में उसने फोन करके अपने तीन दोस्तों को भी बुला लिया और गैंगरेप किया. पीड़िता के बयान पर मुजफ्फरपुर के महिला थाने में कांड की प्राथमिक की दर्ज की गई है. जिसमें राजू और उसके तीन दोस्तों को अभियुक्त बनाया गया है. पुलिस ने नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. शेष तीन की तलाश जारी है. पुलिस का दावा है कि उन्हें भी पकड़ लिया जाएगा.

रक्सौल में कारोबारी के घर से लाखों रुपये जब्त

मोतिहारी। लोकसभा चुनाव को देखते हुए भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में मोतिहारी पुलिस अलर्ट है. इसी क्रम में पुर्वी चंपारण जिले के भारत नेपाल सीमा के रक्सौल शहर से भारी मात्रा में रुपये बरामद किए गए हैं. रक्सौल सदर के एक मीठा कारोबारी के घर से रुपये के साथ उसके गिनती करने वाली मशीन भी जब्त की गई है. साथ ही दो लोगों को डिटेन किया गया. लोकसभा के चुनाव को लेकर पुलिस ने जगह-जगह चेकपोस्ट बनाया है, जहां हर आने जाने वाली गाड़ी पर नजर रखी जा रही है. इसी बीच पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर रक्सौल शहर के एक कारोबारी के घर से छापेमारी कर भारतीय और नेपाली करेंसी बरामद की. एसपी कान्तेश कुमार ने बताया कि रुपये बरामदगी मामले को लेकर आयकर विभाग को बुलाया गया है.

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर साधा निशाना

दक्षिण में भाजपा साफ, बाकी में हुई हाफ

संवाददाता। पटना

पटना स्थित सदाकत आश्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की. इस दौरान उन्होने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर जमकर निशाना साधा. साथ ही दावा किया कि 4 जून के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया अलायंस की सरकार बनने जा रही है. जिसके संकेत बीते चार चरणों में मिल गए हैं.

मीडिया को संबोधित करते हुए जयराम रमेश ने कहा कि अब तक हुए चार चरणों के चुनाव में ही इंडिया गठबंधन को स्पष्ट जनादेश मिल गया है. दक्षिण में भाजपा साफ और बाकी में हाफ हो गई है. यही कारण है कि पीएम मोदी की भाषा में बदलाव आया है. केवल ध्यान भटकाने के लिए बयानबाजी की जा रही है. उनके चुनावी भाषणों में मंगलसूत्र, भैंस, मंदिर-मस्जिद पर बात हो रही है. वास्तविक मुद्दे पूरी तरह गायब हैं. अपने चहेते उद्योगपतियों का कर्ज माफ करने वाले वाले मोदी जी किसानों की कर्ज माफी पर कुछ नहीं बोल रहे हैं. जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री ने एक बार फिर से ध्रुवीकरण का रास्ता अपनाया है. वो विकास के मुद्दों और हमारे घोषणा पत्र में हमने जो गारंटियां दी है. उसके बारे में नहीं बोल रहे. सिर्फ सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं. पहले उन्होंने मोदी की गारंटी का नारा दिया. फिर 19 अप्रैल के बाद ये नारा गायब हो गया. 27 अप्रैल के बाद 400 पार का नारा भी गायब हो गया. अब पीएम मोदी भी जान गए हैं.

इंडिया अलायंस

- इंडिया गठबंधन को स्पष्ट जनादेश मिल गया है
- पीएम के भाषण से वास्तविक मुद्दे पूरी तरह गायब हो गये हैं

कारोबार

ऊंचा हवाई किराया एक चुनौती है : मेनन

नयी दिल्ली। थॉमस कुक इंडिया के कार्यकारी चेयरमैन माधवन मेनन ने कहा है कि ऊंचा हवाई किराया एक चुनौती बना हुआ है, जो भारत में छुट्टियों में घूमने वालों और व्यावसायिक यात्रियों को प्रभावित करता है. उन्होंने कहा कि निर्धारित उड़ानों में वृद्धि के बावजूद एयरलाइन क्षमता भी एक चुनौती बनी हुई है. मेनन ने कहा कि हमें उम्मीद है कि नेटवर्क में नए विमान आने से मांग-आपूर्ति की दिक्कतें कुछ कम होंगी. कहा कि थॉमस कुक इंडिया स्वामित्व वाले अपने भौतिक नेटवर्क का विस्तार तेजी से करने पर जोर दे रहे हैं.

जीडीपी वृद्धि दर 6.7% रहने का है अनुमान

नयी दिल्ली। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च (इंडरा) को उम्मीद है कि मार्च तिमाही में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.7% और वित्त वर्ष 2023-24 में लगभग 6.9-7% रह सकती है. रेटिंग एजेंसी के प्रमुख सुनील सिन्हा ने यह अनुमान जताया है. सरकार चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2024) और वित्त वर्ष 2023-24 के लिए जीडीपी वृद्धि के शुरुआती अनुमान 31 मई को जारी करेगी. भारतीय अर्थव्यवस्था 2023-24 की जून तिमाही में 8.2%, सितंबर तिमाही में 8.1% और दिसंबर तिमाही में 8.4% की दर से बढ़ी है.

संजीव पुरी बने सीआईआई के अध्यक्ष

नयी दिल्ली। आईटीसी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक संजीव पुरी ने 2024-25 के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष पद संभाल लिया है. उद्योग मंडल ने रविवार को यह जानकारी दी. पुरी ने टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस के चेयरमैन आर दिनेश का स्थान लिया है. पुरी आईटीसी लिमिटेड के प्रमुख हैं. आईटीसी समूह एफएमसीजी, होटल, पेपरबोर्ड और पैकेजिंग, कृषि कारोबार और आईटी क्षेत्र में कार्यरत है. वह आईटीसी इन्फोटेक इंडिया लिमिटेड, ब्रिटेन और अमेरिका में इसकी अनुषंगियों के चेयरमैन भी हैं. राजीव मेमानी ने 2024-25 के लिए सीआईआई के मनोनीत अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला है.

जीसीएमएमएफ ने अमेरिकी डेयरी एसोसिएशन के साथ डील की थी

अमेरिका में भी मिलेंगे अब अमूल के मिल्क प्रोडक्ट्स

भाषा। नयी दिल्ली

अडानी की कंपनी हो या अमूल की कंपनी, सभी अपने कारोबार का विस्तार करने में लगे हैं. इन भारतीय कंपनियां की कोशिश सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विदेश में भी ग्राहक तैयार करना है. इसलिए कंपनी विदेशी कंपनियों के साथ डील कर विदेशी बाजार में अपनी पहचान स्थापित करना है. इस कड़ी में अब देश की प्रतिष्ठित कंपनी अमूल भी शामिल हो गई है. वह दिन दूर नहीं जब अमूल के मिल्क प्रोडक्ट्स अमेरिका में भी मिलेंगे.

इसके लिए कंपनी ने अमेरिका में कारोबार करने की पूरी तैयारी कर ली है. अमूल भारत में एक पॉपुलर ब्रांड है. अमूल की टैगलाइन ''अमूल दूध पीता है इंडिया'' काफी मशहूर है. अब नया स्लोगन ''अमूल दूध पीता है अमेरिका'' आने वाला है. कंपनी अब अमेरिका में रहने वाले भारतीय और एशियाई लोगों पर फोकस करेगी. अमेरिका में इन लोगों की संख्या काफी ज्यादा है. इससे कंपनी के कारोबार को सहारा मिलेगा.

देश की अमूल ब्रांड की मालिक गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) ने बीते दिनों अमेरिका में अमूल ब्रांड का दूध बेचने के लिए अमेरिकी डेयरी मिशिगन मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (एमएमपीए) के साथ डील की थी. अमेरिका की 108 साल पुरानी कंपनी के साथ डील के बाद जीसीएमएमएफ पहली कंपनी बन गई है जो कि अमेरिका के डेयरी क्षेत्र में काम करेगी.

अमूल दूध

- अमूल कंपनी से 35 लाख से अधिक किसान जुड़े हुए हैं
- यूएस में भारतीय व एशियाई लोग होंगे अमूल के ग्राहक
- कंपनी का टार्गेट न्यूयार्क, न्यू जर्सी, शिकागो जैसा शहर है

अमूल ने आर्थिक ग्रोथ लगातार बनाए रखा है

अमूल की शुरुआत गुजरात के एक गांव से शुरू हुई थी. बाद में इस कारोबार में किसानों, चरवाहों, पशुपालकों और महिलाओं को जोड़ा गया. अमूल ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान दे रहा है. अमूल रोजाना ग्रामीण अर्थव्यवस्था में करीब 30 फीसदी का योगदान करता है. अमूल का दावा है कि वो ऐसी सहकारी समिति है जो अपनी कमाई का 80 फीसदी हिस्सा किसानों को देती है. अमूल ने लगातार आर्थिक ग्रोथ बनाए रखा. आनंद मिल्क यूनियन लिमिटेड (एएमयूएल) एक डेयरी सहकारी संस्था है. यह गुजरात के आणंद में स्थित है. अमूल ब्रॉन्ड गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड के अधीन है.

एफटीए रणनीति के लिए एसओपी पर विचार

नयी दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय ने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर बातचीत के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने पर विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों और व्यापार विशेषज्ञों के साथ विस्तृत चर्चा की है. इन समझौतों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करने के लिए, वाणिज्य मंत्रालय ने 16-17 मई को दो दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन किया था. इस दौरान एफटीए रणनीति और व्यापार वार्ताओं के लिए एसओपी पर विचार किया गया.

2027 तक जर्मनी और जापान से आगे निकल जाएंगे : कांत

भाषा। नयी दिल्ली

नई दिल्ली में आयोजित 'सीआईआई वार्षिक बिजनेस समिट 2024' के दूसरे दिन शनिवार को एक सत्र में अपने संबोधन में जी-20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने कहा कि ढांचागत सुधारों ने देश को कमजोर पांच से शीर्ष पांच में पहुंचा दिया है. उन्होंने कहा कि क्षेत्रों में हुए भारी सुधारों के कारण पिछली तीन तिमाहियों में लगभग 8.4% की दर से वृद्धि हुई है. कांत ने अपने संबोधन में कहा कि 2027 तक हम जर्मनी और जापान से आगे निकल जाएंगे. कहा कि 2035-2040 के बीच वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (ग्लोबल जीडीपी) में भारत का योगदान 30% तक होने की संभावना है. विश्लेषकों का यह कहना सही है कि 2035-2040 के बीच वैश्विक जीडीपी वृद्धि में भारत का योगदान 30% तक हो जाएगा. कांत ने विकास में तेजी लाने के लिए भारतीय उद्योग जगत से राज्यों के साथ तालमेल बनाकर काम करने का आग्रह किया.

टाटा मोटर्स 43,000 करोड़ निवेश करेगी

एजेंसी। नयी दिल्ली

टाटा मोटर्स समूह ने नए उत्पादों और प्रौद्योगिकी पर चालू वित्त वर्ष (2024-25) के लिए निवेश लक्ष्य को बढ़ाकर 43,000 करोड़ रुपये कर दिया है. इस निवेश में सबसे अधिक हिस्सा समूह की ब्रिटिश इकाई जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) को होगा. कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी. बीते वित्त वर्ष 2023-24 में टाटा मोटर्स समूह ने जेएलआर के लिए तीन अरब पाउंड (लगभग 30,000 करोड़ रुपये) और टाटा मोटर्स के लिए 8,000 करोड़ रुपये का निवेश तय किया था. इस तरह यह कुल मिलाकर यह 38,000 करोड़ रुपये बैठता है. टाटा मोटर्स समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) पी बी बालाजी ने तिमाही नतीजों के बाद कहा कि बीते वित्त वर्ष में जेएलआर का निवेश 3.3 अरब पाउंड (33,000 करोड़ रुपये से अधिक) रहा, जबकि टाटा मोटर्स का निवेश 8,200 करोड़ रुपये से अधिक रहा. इस तरह बीते वित्त वर्ष में समूह का कुल निवेश 41,200 करोड़ रुपये था. बालाजी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की बात करें, तो जेएलआर के लिए निवेश 3.5 अरब पाउंड (35,000 करोड़ रुपये) रहेगा. इसकी वजह यह है कि हम कई उत्पादों के लिए योजनाएं लेकर आ रहे हैं. उन्होंने कहा कि टाटा मोटर्स के लिए हमारा निवेश 8,000 करोड़ रुपये के दायरे में रहेगा. जेएलआर के लिए निवेश में करीब छह प्रतिशत की वृद्धि होगी.

शेयर बाजार — कंपनियों के बेहतर नतीजे असमंजस में फंसे बाजार को राहत प्रदान कर सकते हैं

विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी बाजार की दिशा

भाषा। नयी दिल्ली

कंपनियों के तिमाही नतीजे, वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां इस सप्ताह शेयर बाजार का रुख तय करेंगी. विश्लेषकों ने यह राय जताई है. यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों का होगा. विश्लेषकों का मानना है कि मौजूदा आम चुनाव की वजह से निवेशक अभी सतर्क रुख अपना सकते हैं. मुंबई में लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के मतदान के कारण सोमवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे.

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौड़ ने कहा कि चौथी तिमाही के नतीजों का सीजन समाप्त होने वाला है. कंपनियों के बेहतर नतीजे असमंजस में फंसे बाजार को कुछ राहत प्रदान कर सकते हैं. उन्होंने बताया कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पावेल का सोमवार को संबोधन है. इससे बाजार की धारणा प्रभावित हो सकती है. उन्होंने कहा कि इसके अलावा जापान और अमेरिका के आर्थिक आंकड़े तथा वैश्विक मुद्रा बाजार में उतार-चढ़ाव बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण होंगे. सप्ताह के दौरान ओएनजीसी, सेल, बीएचईएल, जेके टायर, वन97 कम्युनिकेशंस, पावर ग्रिड, इंटरग्लोब एविएशन, आईटीसी और एनटीपीसी अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी.

मास्टर कैपिटल सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंदर सिंह नंदा ने कहा कि इस सप्ताह बाजार का परिदृश्य प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से तय होगा. भारत में पीएमआई विनिर्माण और सेवा क्षेत्र का आंकड़ा आना है. इसके अलावा ब्रिटेन के मुद्रास्फीति, अमेरिका के बेरोजगारी दावे, एसएंडपी के वैश्विक सेवा और वैश्विक विनिर्माण आंकड़े आने हैं. साथ ही घरेलू मोर्चे पर कई बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे घोषित किए जाएंगे. इसके अलावा निवेशकों की निगाह रुपये-डॉलर के रुख और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों पर रहेगी. मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा कि अगले कुछ सप्ताह में बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है.

नायरा एनर्जी का पेट्रोल बिक्री 48 प्रतिशत बढ़ा, निर्यात घटा

संवाददाता। नयी दिल्ली

देश की निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी ईंधन खुदरा कंपनी नायरा एनर्जी ने 2024 के कैलेंडर साल की पहली तिमाही में पेट्रोल की बिक्री में 48 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है. वहीं इस दौरान कंपनी के निर्यात में गिरावट आई है. तिमाही के दौरान कंपनी ने विशेष रूप से ईंधन की स्थानीय मांग को पूरा करने का प्रयास किया है.

कंपनी के बयान में कहा गया है कि जनवरी-मार्च तिमाही में उसने अपनी गुजरात की वाडिनार तेल रिफाइनरी में उत्पादित सभी पेट्रोलियम उत्पादों का 70 प्रतिशत स्थानीय बाजार में बेचा. बयान में कहा गया है कि नायरा एनर्जी ने मुख्य रूप से देश में बढ़ती पेट्रोलियम उत्पादों की मांग को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया. कंपनी ने कहा कि 'भारत में, भारत के लिए' के अपने संदेश से प्रेरित होकर उसने सालाना आधार पर घरेलू खुदरा बिक्री में 24 प्रतिशत और संस्थागत बिक्री में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है. हालांकि, कंपनी ने इसका अधिक ब्योरा नहीं दिया है. पहली तिमाही में स्थानीय स्तर पर पेट्रोल की बिक्री बढ़कर 8.9 लाख टन हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में छह लाख टन रही थी. इस दौरान कंपनी की डीजल बिक्री 17 लाख टन पर स्थिर रही.

ब्रीफ खबरें

बीजद के विधायक भाजपा में शामिल

भुवनेश्वर । बीजू जनता दल के निमापारा से विधायक समीर रंजन दाश रविवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए. भाजपा की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल, पार्टी के ओडिशा प्रभारी विजय पाल सिंह तोमर और अन्य नेताओं ने पार्टी मुख्यालय में दाश का स्वागत किया. दाश ने सुबह क्षेत्रीय दल से इस्तीफा दे दिया था. तीन बार के विधायक 2024 विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का टिकट नहीं मिलने से नाराज थे. दाश ने कहा कि बीजद के नेतृत्व में विश्वास खोने के बाद मैं भाजपा में शामिल हो गया हूं.

चलती ट्रेन पर लोहे का खंभा गिरा, तीन घायल

रायपुर। रायपुर के बाहरी इलाके में रविवार को एक चलती ट्रेन के डब्बे पर पटरी के पास स्थित लोहे का खंभा गिर गया, जिससे इस घटना में कम से कम तीन यात्री घायल हो गए. रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुई, जब लोकमान्य तिलक टर्मिनस (मुंबई) जाने वाली शालीमार एक्सप्रेस रायपुर के निकट उरकुरा रेलवे स्टेशन से गुजर रही थी. पटरी के किनारे स्थित लोहे का खंभा चलती ट्रेन पर गिर गया, जिससे ट्रेन के एसी कोच खिड़कियों के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए.

नए आपराधिक कानूनों के खिलाफ सुनवाई आज

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय भारतीय आपराधिक कानूनों में व्यापक संशोधन वाले तीन नये कानूनों के अधिनियमन को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा. लोकसभा ने पिछले साल 21 दिसंबर को तीन प्रमुख कानूनों - भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता और भारतीय साक्ष्य (द्वितीय) विधेयक को पारित किया था. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को इन विधेयकों पर अपनी मुहर लगा दी थी.

सड़क दुर्घटना में छह लोगों की हुई मौत

इडाहो फॉल्स (अमेरिका)। अमेरिका के इडाहो में शनिवार को दो चौपहिया वाहनों की टक्कर होने से छह लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य लोग घायल हो गए. प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी. इडाहो राज्य पुलिस ने एक बयान में बताया कि इडाहो फॉल्स में यूएस हाईवे 20 पर एक पिकअप वाहन और एक वैन के बीच सुबह करीब साढ़े पांच बजे टक्कर हो जाने से छह लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य लोग घायल हो गए. पुलिस ने बताया कि इस दुर्घटना में घायल हुए सभी लोगों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है.

मणिपुर में एक की गोली मारकर हत्या

इम्फाल। मणिपुर में इम्फाल पश्चिम जिले के नाओरेमथोंग इलाके में अज्ञात हमलावरों की गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अज्ञात हमलवारों ने पीड़ितों के किराए के मकान के बाहर शनिवार रात करीब आठ बजे गोलीबारी की. उगोलीबारी में मारे गए व्यक्ति की पहचान 41 वर्षीय श्रीराम हंगसदा के रूप में हुई है. वह झारखंड का निवासी था. घायलों को राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

लोकतंत्र का महापर्व : पांचवें चरण में आज लोकसभा की 49 सीटों के साथ ही ओडिशा विधानसभा की 35 सीटों पर भी होगा मतदान

ईसी ने की शहरी मतदाताओं से अधिक से अधिक मतदान करने की अपील

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के मतदान से एक दिन पहले निर्वाचन आयोग ने रविवार को कहा कि मुंबई, ठाणे और लखनऊ जैसे शहरों में लोगों ने अतीत में मतदान के प्रति उदासीनता दिखाई है. आयोग ने इन शहरों के मतदाताओं से इस बार बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की. निर्वाचन आयोग ने कहा कि अतीत में इन शहरों ने मतदान प्रक्रिया में शहरी उदासीनता का प्रदर्शन किया है. उसने कहा, 'आयोग विशेष रूप से इन शहरों के मतदाताओं से बड़ी संख्या में मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लेकर इस कलंक को मिटाने का आह्वान करता है.'

निर्वाचन आयोग ने तीन मई को भी एक बयान जारी कर दूसरे चरण में मतदान प्रतिशत का उल्लेख करते हुए कहा था कि वह कुछ महानगरों में मतदान के प्रतिशत से काफी निराश है. मतदान को लेकर शहरी उदासीनता से लड़ने की रणनीति पर काम करने के लिए निर्वाचन आयोग ने पिछले महीने कई महानगरों के आयुक्तों के साथ एक बैठक की थी. मतदान प्रक्रिया को लेकर शहरी और युवा उदासीनता को ऐसी घटना के रूप में वर्णित किया जाता है जब युवा मतदाता और महानगरों में रहने वाले लोग मतदान के दिन अपने मतदान केंद्रों पर नहीं आते हैं. लोकसभा चुनाव के पिछले चार चरणों में अब तक 66.95 प्रतिशत मतदान हुआ है. पिछले चार चरणों में लगभग 45.10 करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है. निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक इस साल फरवरी में देश में मतदाताओं की कुल संख्या लगभग 97 करोड़ है.

अब तक 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लोकसभा की 379 सीटों के लिए मतदान हो चुका है. निर्वाचन आयोग ने कहा कि बिहार, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, झारखंड, महाराष्ट्र, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल सहित आठ राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की 49 सीटों पर सोमवार को पांचवें चरण में मतदान होगा. ओडिशा विधानसभा की 35 सीटों पर भी मतदान होगा.

शाहरुख ने लोगों से वोट देने का अनुरोध किया

मुंबई। फिल्म अभिनेता शाहरुख खान ने लोगों से आग्रह किया है कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग करें. महाराष्ट्र में सोमवार को लोकसभा चुनाव के तहत मतदान होना है. मुंबई की छह और महाराष्ट्र की सात अन्य सीट पर कल आम चुनाव के पांचवें चरण में मतदान होगा. शाहरुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में अपने प्रशंसकों और समर्थकों से भारतीय होने के नाते कर्तव्य निभाने की अपील की. उन्होंने शनिवार को लिखा, 'जिम्मेदार भारतीय नागरिक होने के नाते हमें इस सोमवार को महाराष्ट्र में मतदान करने के अपने अधिकार का प्रयोग करना चाहिए. आइए हम भारतीय होने के नाते अपना कर्तव्य निभाएं और अपने देश के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखते हुए मतदान करें. आगे बढ़ें और अपने मतदान के अधिकार को बढ़ावा दें.'

पुलिस ने कड़ा सुरक्षा घेरा डाल मार्च को 'आप' मुख्यालय पर ही रोका

भाजपा मुख्यालय नहीं पहुंच पाए सीएम अरविंद केजरीवाल

एजेंसी। नयी दिल्ली

आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ रविवार को दिल्ली में मौजूद बीजेपी मुख्यालय तक मार्च निकालने की कोशिश की. हालांकि, पुलिस के आला सुरक्षा बंदोबस्त की वजह से वो आम आदमी पार्टी के मुख्यालय से आगे नहीं बढ़ पाए. मार्च निकालने से पहले उन्होंने आम आदमी पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और कहा कि केंद्र की मोदी सरकार आम आदमी पार्टी को एक ख़तरे की तरह देखती है. उन्होंने बीजेपी पर "ऑपरेशन झाड़ू" चलाने का आरोप लगाया और कहा कि "प्रधानमंत्री ने ये सोच लिया है कि वो आम आदमी पार्टी को पूरी तरह ख़त्म कर देना चाहते हैं." आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को एलान किया था कि वो आज दोपहर 12 बजे दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय की तरफ़ मार्च करेंगे. उनका आरोप था कि केंद्र की मोदी सरकार आम आदमी पार्टी के नेताओं को गिरफ़्तार कर रही है. इस वजह से उनकी बीजेपी को चुनौती थी कि उन्हें और उनके नेताओं को गिरफ़्तार कर लिया जाए. वहीं बीजेपी ने आरोप लगाया है अरविंद केजरीवाल यह प्रदर्शन इसलिए कर रहे हैं क्योंकि वो स्वाति मालीवाल और बिभव कुमार के मामले से ध्यान भटकाना चाहते हैं.

केजरीवाल ने कहा

"प्रधानमंत्री जी ने आम आदमी पार्टी को पूरी तरह ख़त्म करने और कुचलने का इरादा बनाया है. इसके लिए उन लोगों ने ऑपरेशन झाड़ू चलाया है. बहुत सारे लोग उनसे मिलने जाते हैं जो हमें भी जानते हैं. उनसे मिलकर आने के बाद वो हमें बताते हैं कि प्रधानमंत्री जी आम आदमी पार्टी की बात करते हैं. वो कहते हैं कि ये 'आप' पार्टी वाले तेज़ी से बढ़ रही है, इनके कामों की चर्चा देश भर में होने लगी है." "उन्होंने (पीएम मोदी) कहा कि ये आम आदमी पार्टी बहुत तेज़ी से बढ़ रही है और इनके कामों की चर्चा हो रही है और आने वाले समय में राष्ट्रीय स्तर पर आम आदमी पार्टी बीजेपी के लिए कड़ी चुनौती हो सकती है. इसलिए प्रधानमंत्री जी का मानना है कि इस पार्टी को अभी ख़त्म कर दिया जाए ताकि भविष्य में बीजेपी के लिए चुनौती न बने." उन्होंने कहा, "पिछले दो साल से इन्होंने (बीजेपी) हमारे नेताओं को गिरफ़्तार करना शुरू कर दिया. इन्होंने मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन को गिरफ़्तार कर लिया, कल मेरे निजी सचिव तक को गिरफ़्तार कर लिया. मैं प्रधानमंत्री को कहना चाहता हूं कि आप एक-एक करके गिरफ़्तार कर रहे हैं, आज हम सब साथ ही आ रहे हैं आप गिरफ़्तार कर लो, हम डरने वाले नहीं है." "इस ऑपरेशन झाड़ू के तहत आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं को गिरफ़्तार किया गया है और गिरफ़्तार किया जाएगा. आने वाले समय में आम आदमी पार्टी के बैंक अकाउंट सीज़ किए जाएंगे. आम आदमी पार्टी का दफ़्तर खाली करा के सड़क पर लाया जाएगा."

बीजेपी ने क्या कहा?

बीजेपी के प्रवक्ता शहज़ाद पूनावाला ने रविवार को अरविंद केजरीवाल से सवाल किया है कि वो बिभव कुमार और स्वाति मालीवाल के मामले पर चुप क्यों हैं. शहज़ाद पूनावाला ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, "अरविंद केजरीवाल पहले भ्रष्टाचार करते हैं, फिर दुराचार करते हैं, फिर दुष्प्रचार करते हैं और अब वो इमोशनल अत्याचार कर रहे हैं." "बिभव कुमार और स्वाति मालीवाल के मामले पर अरविंद केजरीवाल चुप क्यों हैं. ऐसे कौन से राज़ हैं जिनके लिए अरविंद केजरीवाल बिभव कुमार जैसे अपराधी को बचा रहे हैं. एक राज्यसभा सांसद पर हमला हुआ. उस पर जवाब देने की बजाय अरविंद केजरीवाल मुद्दा भटकाने की कोशिश कर रहे हैं."

बीजेपी मुख्यालय के आसपास बढ़ाई गई सुरक्षा : इधर बीजेपी मुख्यालय की तरफ़ आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं का कूच शुरू होने से पहले दिल्ली पुलिस ने कहा था कि उसने बीजेपी मुख्यालय के आसपास सुरक्षा व्यवस्था सख़्त कर दी है. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया, "हमारी कोशिश है कि क़ानून व्यवस्था पूरी तरह से कायम रहे और किसी को कोई परेशानी ना हो. इसलिए हम कुछ स्थानों पर पुलिस की तैनाती कर रहे हैं और बैरिकेडिंग लगा रहे हैं."

चुनाव में नेकां को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहीं भाजपा व एजेंसियां

'विश्वासघात' का जवाब है लोगों की व्यापक भागीदारी : अब्दुल्ला

एजेंसी। बडगाम (कश्मीर)

नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि लोग उनकी पार्टी के चुनाव प्रचार अभियान के दौरान खुद को उससे जोड़ कर देख रहे हैं क्योंकि यह उनके महत्वपूर्ण मुद्दों को उठा रही है. इन मुद्दों में पांच अगस्त 2019 को किया गया 'विश्वासघात' और 2018 से राज्य में एक चुनी हुई सरकार नहीं होने के चलते लंबित रहे अनसुलझे मुद्दे शामिल हैं. बारामूला लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे अब्दुल्ला ने 'भाजपा और एजेंसियों' पर इस चुनाव में नेकां को नुकसान पहुंचा सकने वाले कई हथकंडों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है.

अपने रोड शो और रैलियों में लोगों की उमड़ी भीड़ से उत्साहित नेकां उपाध्यक्ष ने कहा कि विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा की तरकीब से संकेत मिलता है कि उनकी पार्टी के खिलाफ सहयोगियों के जरिये लाभ उठाने के वास्ते बहुत सोच विचार कर कदम उठाया जा रहा है. अब्दुल्ला ने पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार में कहा, 'लोगों ने हमारे प्रचार अभियान के साथ अपनी पहचान बना ली है. वे बड़ी संख्या में रैलियों में शामिल हुए हैं. लेकिन यह भी सच है कि विश्वासघात की यह सामान्य भावना है कि पांच अगस्त 2019 को जो हुआ, वह जम्मू कश्मीर के लोगों से किये गए सभी वादों और प्रतिबद्धताओं के साथ विश्वासघात था.' उन्होंने कहा कि उनकी चुनावी रैलियों में लोगों की व्यापक भागीदारी अगस्त 2019 के विश्वासघात का जवाब है.

केंद्र ने जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करने वाले अनुच्छेद 370 को पांच अगस्त 2019 को रद्द कर दिया. राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों-लद्दाख व जम्मू कश्मीर के रूप में विभाजित कर दिया था. उमर ने कहा, 'लंबे समय में, यह अब तक की सबसे खराब सरकार है और जम्मू कश्मीर के लोगों और उन पर शासन करने वालों के बीच लगभग कोई संपर्क नहीं है. वे जनता से पूरी तरह से कटे हुए हैं. यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह एक हकीकत है.'

कांग्रेस के पूर्व सांसद प्रतापराव का निधन पटोले ने जताया शोक

मुंबई। कांग्रेस के पूर्व सांसद प्रतापराव भोसले का रविवार सुबह सतारा जिले में उनके पैतृक आवास पर निधन हो गया. वे 89 वर्ष के थे.वे महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रह चुके थे. पार्टी ने बताया कि भोसले ने भुइंज गांव में अपने आवास पर अंतिम सांस ली. महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने भोसले के निधन पर दुख जताया और कहा कि पार्टी ने एक समर्पित वफादार खो दिया है. भोसले की राजनीतिक यात्रा भुइंज गांव के सरपंच के रूप में शुरू हुई थी. वे सतारा से तीन बार लोकसभा के सदस्य रहे.

जद (एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

एजेंसी। बेंगलुरु

बेंगलुरु में सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाली एक विशेष अदालत ने यौन उत्पीड़न मामले में जनता दल (सेक्युलर) के सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है. अदालत ने प्रज्वल के खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामले में शनिवार को वारंट जारी किया. इस मामले में प्रज्वल के पिता एवं होलेनरसीपुरा से विधायक एचडी रेवन्ना भी आरोपी हैं. पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पुत्र एचडी रेवन्ना एक महिला के अपहरण के मामले में सात दिन जेल में बिताने के बाद जमानत पर हैं. हासन लोकसभा सीट से राजग के उम्मीदवार प्रज्वल के खिलाफ तीन महिलाओं ने यौन उत्पीड़न के तीन मामले दर्ज कराए हैं. प्रज्वल फिलहाल फरार हैं और उनके खिलाफ इंटरपोल ने 'ब्लू कॉर्नर नोटिस' जारी किया है. हाल में बड़ी संख्या में ऐसे वीडियो सार्वजनिक हुए थे जिसमें प्रज्वल को कथित तौर पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न करते दिखाया गया. इसके बाद कर्नाटक सरकार ने मामले की जांच के लिए एक एसआईटी का गठन किया.

स्वाति मालीवाल पर कथित हमले के मामले में दिल्ली पुलिस ने कहा

हमला घातक हो सकता था

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने 'आम आदमी पार्टी' की नेता एवं राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल पर कथित हमले के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार को सात दिन की हिरासत में भेजे जाने के लिए शनिवार देर शाम दाखिल की गई रिमांड अर्जी में कहा गया कि यह एक 'गंभीर मामला' है, जिसमें 'बेरहमी से किया गया हमला घातक' हो सकता था. कुमार को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजने वाले मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट गौरव गोयल से जांच एजेंसी ने कहा कि केजरीवाल के सहयोगी पुलिस के साथ सहयोग नहीं कर रहे और जवाब देने से बच रहे हैं. उत्तरी जिला अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अंजिता चेप्याला की हस्ताक्षरित रिमांड अर्जी में कहा गया है, ' एक सार्वजनिक हस्ती, संसद सदस्य पर बेरहमी से हमला किया गया,जो घातक हो सकता था.'

सीएम के आवास से डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर जब्त

वहीं दिल्ली पुलिस की एक टीम आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल के साथ कथित मारपीट की जांच के सिलसिले में रविवार को यहां मुख्यमंत्री केजरीवाल के आधिकारिक आवास पर पहुंची. सूत्रों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि पुलिस की टीम ने सीसीटीवी डीवीआर (डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर) सहित इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किये हैं ताकि 13 मई को मालीवाल पर हुए कथित हमले की फुटेज हासिल की जा सके.

मध्य गाजा में हवाई हमले में 20 की मौत

- गाजा पर शासन को लेकर इजराइली नेताओं में मतभेद

एजेंसी। दीर अल-बलाह

इजराइल द्वारा मध्य गाजा में किए गए एक और हवाई हमले में 20 लोग मारे गए जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे. इस बीच हमास के साथ युद्ध समाप्त होने के बाद गाजा पर शासन (यानी शासन किसे करना चाहिए) को लेकर इजराइल के नेताओं में मतभेद के सामने आने के बाद रविवार को पूरे उत्तर में लड़ाई भड़क गई. यह युद्ध फिलहाल आठवें महीने में प्रवेश कर चुका है. इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को अपने ही मंत्रिमंडल की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है. इजराइल के तीन सदस्यीय युद्ध कैबिनेट के सदस्य बेनी गैंट्ज ने धमकी दी है कि युद्ध के बाद गाजा में एक अंतरराष्ट्रीय प्रशासन को समाहित करने वाली कोई नयी योजना आठ जून तक तैयार नहीं की गई तो वह सरकार छोड़ देंगे.

युद्ध का कोई अंत नजर नहीं आ रहा

भले ही युद्धोपरांत योजना की चर्चा जोरों पर हो लेकिन हमास और गाजा के बीच जारी युद्ध का कोई अंत नजर नहीं आ रहा है. हाल के सप्ताह में हमास उत्तरी गाजा के उन हिस्सों में फिर से संगठित हो गया जिन पर युद्ध के शुरुआती दिनों में भारी बमबारी की गई थी. दीर अल-बलाह के अल-अक्सा शहीद अस्पताल के रिकॉर्ड के अनुसार, नुसीरात शरणार्थी शिविर पर किए गए हवाई हमले में आठ महिलाओं और चार बच्चों सहित 20 लोग मारे गए.

बदलाव 1, 400 से अधिक सीआरपीएफ कर्मचारियों के हटने के बाद नए हाथों में पूरी सुरक्षा व्यवस्था

संसद की सुरक्षा आज से सीआईएसएफ के हवाले होगी

एजेंसी। नयी दिल्ली

संसद की सुरक्षा 1,400 से अधिक सीआरपीएफ कर्मचारियों के हटने के बाद सोमवार से पूरी तरह केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के हवाले होगी और इसके 3,300 से अधिक कर्मी आतंकवाद रोधी तथा अन्य सुरक्षा दायित्वों की जिम्मेदारी अपने हाथों में ले लेंगे. आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के संसद दायित्व समूह (पीडीजी) ने शुक्रवार को परिसर से अपना पूरा प्रशासनिक और अभियानगत अमला- वाहन, हथियार और कमांडो को हटा लिया तथा इसके कमांडर एवं उपमहानिरीक्षक रैंक के अधिकारी ने सभी सुरक्षा जिम्मेदारियां सीआईएसएफ को सौंप दीं.

इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि पुराने और नए संसद भवन तथा इस परिसर में स्थित संबंधित ढांचों की सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ के कुल 3,317 कर्मियों को शामिल किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि पिछले साल 13 दिसंबर को हुई सुरक्षा चूक की घटना के बाद सरकार ने सीआईएसएफ को सीआरपीएफ से सुरक्षा कार्यभार संभालने को कहा था. साल 2001 में संसद पर हुए आतंकवादी हमले की बरसी पर एक बड़ी सुरक्षा चूक में 13 दिसंबर, 2023 को शून्यकाल के दौरान दो व्यक्ति दर्शक दीर्घा से लोकसभा कक्ष में कूद गए थे और उन्होंने कैन से पीला धुआं छोड़ा था तथा नारेबाजी की थी. इन लोगों को सांसदों ने पकड़ लिया था. उस दिन लगभग उसी समय संसद परिसर के बाहर दो अन्य व्यक्तियों ने नारे लगाते हुए कैन से रंगीन धुआं छोड़ा था. इस घटना के बाद, संसद परिसर के समग्र सुरक्षा मुद्दों को देखने और उचित सिफारिशें करने के लिए सीआरपीएफ महानिदेशक की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई थी.

सीआईएसएफ के कर्मी कर रहे अभ्यास

अधिकारी ने नाम उजागर न करने का अनुरोध करते हुए कहा कि सीआईएसएफ की आतंकवाद रोधी सुरक्षा इकाई सोमवार, 20 मई को सुबह छह बजे से संसद परिसर का पूरा प्रभार संभाल लेगी. सीआईएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इसके साथ ही अब तक संसद की संयुक्त रूप से सुरक्षा करने वाले सीआरपीएफ पीडीजी, दिल्ली पुलिस (लगभग 150 कर्मी) और संसद सुरक्षा स्टाफ (पीएसएस) को हटा दिया गया है. उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ के कर्मी पिछले 10 दिन से परिसर से परिचित होने का अभ्यास कर रहे हैं.

'ब्लैक कैट' कमांडो के साथ भी प्रशिक्षण

सूत्रों ने कहा कि इन कर्मियों ने हाल ही में राष्ट्रीय सुरक्षा गारद के 'ब्लैक कैट' कमांडो के साथ भी प्रशिक्षण लिया है, जिन्हें आतंकवादी हमले जैसी स्थिति से निपटने के लिए नए संसद परिसर में भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर से उतारा गया था. सीआरपीएफ के एक अधिकारी ने कहा कि 17 मई को संसद परिसर छोड़ने वाले पीडीजी जवानों ने संसद की 'कुशलतापूर्वक' सुरक्षा करने की याद में सेल्फी और तस्वीरें लीं. कहा, '2001 के हमले के दौरान सीआरपीएफ कर्मियों ने अन्य के साथ मिलकर हमले को विफल के लिए असाधारण वीरता का प्रदर्शन किया था.'

नेपाल के प्रधानमंत्री 'प्रचंड' को विश्वास मत जीतने का भरोसा

- एक गठबंधन सहयोगी के समर्थन वापस लेने के बाद संकट में आई सरकार

एजेंसी। काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' ने विश्वास जताया है कि वह सोमवार को प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत जीत जाएंगे. एक गठबंधन सहयोगी द्वारा उनकी सरकार से अपना समर्थन वापस लेने के बाद उन्हें विश्वास मत का सामना करना पड़ रहा है. पूर्व गुरिल्ला नेता प्रचंड (69) नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी सेंटर) से संबंधित हैं. यह पार्टी प्रतिनिधि सभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है. वह पद संभालने के 18 महीने के भीतर चौथी बार संसद में विश्वास मत हासिल करेंगे. उन्होंने 25 दिसंबर 2022 को पद संभाला था. प्रचंड ने काठमांडू में एक कार्यक्रम में कहा, "इसमें कोई संदेह नहीं है कि मेरी सरकार शक्ति परीक्षण में सफल रहेगी." कहा, "सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्षी दलों के बीच मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाया जाएगा." प्रधानमंत्री जिस पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं यदि वह विभाजित हो जाती है या गठबंधन सरकार का कोई सदस्य समर्थन वापस ले लेता है तो प्रधानमंत्री को 30 दिन के भीतर विश्वास मत हासिल करना आवश्यक होता है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)